

डेंगू के खिलाफ शुरू हुआ अभियान

रोकथाम ▶ सीएम ने पत्नी के साथ गमलों में भरे पानी को साफ किया

मंत्रियों और विधायकों ने भी अपने घरों और विधानसभा क्षेत्रों में की सफाई

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को डेंगू-चिकनगुनिया से निपटने और उसकी रोकथाम के लिए अभियान की शुरुआत की। 10 हफ्ते तक, हर रविवार 10 बजे से 10 मिनट के इस अभियान के दौरान उन्होंने पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ घर के भीतर और बाहर गमलों में भरे पानी को साफ किया और पानी जमा होने की संभावना वाले अन्य स्थानों की जांच की। इस अभियान के तहत उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और श्रम एवं विकास मंत्री गोपाल राय और अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने भी अपने घरों और विधानसभा क्षेत्रों में जांच की और अपने आसपास मच्छरों के प्रजनन के सभी संभावित स्रोतों को हटाने के लिए संदेश तस्वीरों सहित साझा किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे उम्मीद है पूरी दिल्ली इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगी। दिल्लीवाले 10 हफ्ते तक हर रविवार को अपने घर की जांच करें कि कहीं साफ पानी



डेंगू-चिकनगुनिया से निपटने के लिए एक सितंबर से शुरू किए गए अभियान के तहत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने आवास पर गमलों की सफाई करते हुए। सौजन्य : दिल्ली सरकार

जमा तो नहीं हो रहा है। जांच पूरी करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे घर के किसी भी हिस्से में साफ पानी जमा नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए मेरे परिवार और मैंने अपने घर का निरीक्षण किया। अपने परिवार को डेंगू से बचाने का यह सबसे अच्छा तरीका है। मैं दिल्ली के लोगों को इस अभियान में भाग लेते हुए देखकर खुश हूं।

दिल्लीवासियों से अपील में सीएम ने कहा कि डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए

जन जागरूकता बेहद जरूरी है। इस दौरान उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर किए गए एक सर्वेक्षण के आंकड़े भी साझा किए। इसमें लोगों से पूछा गया कि क्या आपको पता है कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पैदा होता है। 35 फीसद लोगों ने जवाब दिया कि गंदे पानी में डेंगू का मच्छर पैदा होता है। सभी को समझना होगा कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पैदा होता है और साफ पानी घर में मौजूद होता है। केजरीवाल ने कहा कि हमें यह जानना होगा कि डेंगू का मच्छर

एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी में महिला सहित तीन गिरफ्तार

जासं, नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी में कस्टम ने एक महिला सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। अलग-अलग मामले में धरे गए सभी आरोपित भारतीय हैं। उनके पास से दो किलो से ज्यादा सोना बरामद किया जाएगा। इसकी कीमत करीब 81 लाख रुपये है।

आइजीआइ एयरपोर्ट के वरिष्ठ कस्टम अधिकारी ने बताया कि 29 अगस्त को दो अलग-अलग मामले में तस्करों को दबोचा गया। डुबई से एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ-916 आइजीआइ एयरपोर्ट पर आई थी। इससे उतरे एक महिला और पुरुष एयरपोर्ट से बाहर निकलने की कोशिश में लगे थे। इसी बीच कस्टम अधिकारियों ने उनके सामान की जांच की तो बैग से सोने के आठ लंबे टुकड़े बरामद किए गए। पकड़े न जाएं इसके लिए इन पर चांदी के रंग का पेंट चढ़ा दिया गया था। उनके पास से 39 लाख 48 हजार मूल्य का 1140 ग्राम सोना बरामद हुआ। अन्य मामले में गल्फ एयर की उड़ान संख्या जीएफ-130 रियाद से वाया बहरीन होती हुई आइजीआइ एयरपोर्ट पर आई थी। इसमें सवार एक यात्री के पास बैटरी चार्ज करने वाल डायनूमा देख शक होने पर कस्टम अधिकारियों ने जांच की तो उसमें सोने के तार मिले।डनूमा आकार में रखे हुए मिले। यात्री के पास से 1200 ग्राम सोना बरामद हुआ है।

‘देश की सुरक्षा में सिखों का सबसे बड़ा योगदान’

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिखों की अहमियत को बताते हुए कहा कि भारत की रक्षा करने में सबसे ज्यादा योगदान और बलिदान सिख समाज का है। यह हमारा बड़ा भाई है। अगर यह नहीं होता या सिख धर्म मानने वाले न होते तो भारत का मान, सम्मान न रहता और न ही हमारा राष्ट्र सुरक्षित रहता। रक्षा मंत्री इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) द्वारा आयोजित गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को समर्पित रूहानी प्रकाश समारम को संबोधित कर रहे थे। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह व अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम ऐसी स्थायी व्यवस्था कर रहे हैं कि भारत में रहने वाले सिख भाई-बहन जब चाहे श्री करतारपुर साहिब जाकर दर्शन कर सकें। उन्होंने सारी संगत को 550वें समारम में गुरु हरिकिशन पब्लिक स्कूल के 1100 विद्यार्थियों ने एक साथ आनंदमयी कीर्तन



आइजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करती दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी। सौजन्य : प्रबंधक कमेटी

का अलौकिक नजारा पेश किया। यह इसलिए भी खास था कि दुनिया के किसी समारम में पहली बार एक साथ इतने विद्यार्थियों ने सामूहिक कीर्तन किया। इसके पश्चात ‘मिटिया अंधेरा चन चड़ेया’ का गायन किया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव ने न सिर्फ हिंदुस्तान, बल्कि सारी दुनिया को एकत्र करने के लिए चप्पे-चप्पे पर सफर किया। उन्होंने कभी भी हिंदू और

सांसद संजय सिंह को इंडिगो ने प्लेन में चढ़ने से रोका

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को फ्लाइट पर चढ़ने नहीं दिया गया। आरोप है कि देर से पहुंचने के कारण उन्हें फ्लाइट पर चढ़ने से रोका गया। इसके बाद उन्होंने एयर इंडिया से दूसरी टिकट बुक कराई। सिंह ने ट्वीट कर नाराजगी जाहिर की है।

संजय सिंह को रविवार सुबह आइजीआइ एयरपोर्ट से भोपाल के लिए फ्लाइट पकड़ी थी। उन्होंने बताया कि बोर्डिंग पास मौजूद होने और सुरक्षा जांच के बावजूद इंडिगो स्टाफ ने उन्हें विमान में सवार होने से रोक दिया। उन्होंने कर्मचारियों के दुर्व्यवहार की शिकायत राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू से भी की है। इस मामले में एयरलाइंस की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। ट्वीट में संजय सिंह ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को टैग करते हुए लिखा कि प्लीज सीसीटीवी चेक कराएं। मेरे सामने एक गर्भवती महिला इंडिगो जी06ई के मैंनेजर विक्रम से रो कर अनुरोध कर रही थीं कि मैं टाइम से पहुंचूं। मेरे बच्चे हैं मुझे जाने दीजिए। दो सिख परिवार निवेदन कर रहे थे कि हम पांच मिनट पहले पहुंचे हमें जाने दीजिए, लेकिन कोई कुछ सुनने को तैयार नहीं था।

फोर्टिस पर मौत के बाद भी इलाज करने का आरोप

जागरण संवाददाता, नोएडा

सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल पर महिला की मौत के बाद कई दिनों तक इलाज करने का परिजन ने आरोप लगाया है। आरोप है कि रविवार को शव लेने पहुंचे परिजन पर बिल जमा करने का दबाव बनाया गया। परिजन ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची कोतवाली सेक्टर 58 पुलिस ने उन्हें शांत कराया। इसके बाद अस्पताल ने परिजन को शव दिया। अस्पताल प्रबंधन का कहनां है कि परिजन को मरीज की हालत के बारे में बताया गया था। शनिवार देर रात महिला की मौत की जानकारी दे दी गई थी। शव देने से पहले रुपये मांगने के आरोप बेबुनियाद हैं।

मूलरूप से बिहार के सीतामढ़ी स्थित रेवासी एकड़ी निवासी इंदू देवी (42) परिवार के साथ मामूरा में रहती थीं। उनके बेटे राहुल अग्रवाल ने बताया कि 21 अगस्त को तबियत खराब होने पर मां को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट (हृदयघात) का अटैक आया है। 72 घंटे निगरानी करनी होगी। इसके बाद कई जांचें की जाएंगी। डॉक्टर ने रिपोर्ट में सब सामान्य बताया। मां को सात दिन और अस्पताल में रखने के लिए कहा गया। शुक्रवार को अस्पताल प्रबंधन ने तीन लाख रुपये जमा कर लिए। शनिवार शाम करीब पांच बजे उन्होंने आधे घंटे तक मां की दोनों आंखें खुली देखी। इस

महिला का 11 दिन चला इलाज, बनाया छह लाख 84 हजार का बिल, हंगामा करने पर दिया शव



नोएडा सेक्टर -62 स्थित फोर्टिस अस्पताल में उपचार के दौरान इंदू देवी की हुई मौत के बाद हंगामा करते परिजन। पुलिस में उन्होंने कोई शिकायत नहीं की।

पर उन्होंने डॉक्टर से कहा कि उनकी मां की मौत हो चुकी है, फिर भी इलाज क्यों किया जा रहा है। डॉक्टर ने उन्हें बीमारी का असर बता कर चुप करा दिया और रात करीब नौ बजे उन्हें मौत की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने बिल बढ़ाने के लिए मौत के बाद भी

ई-वाहनों की चार्जिंग व्यवस्था तैयार करने में जुटी सरकार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में जल्द ही ई-वाहनों की धमक दिखाई देने लगेगी। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने ई-वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने पर ध्यान बढ़ा दिया है। ऊर्जा विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए राजधानी में तेजी से काम किया जाएगा। चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए ऊर्जा विभाग, परिवहन विभाग, तीनों निगमों, एनडीएमसी व विजली वितरण कंपनियों को साथ मिलकर काम करना है। वहीं, दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2018 को लागू करने से पहले दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के मकसद से वर्किंग ग्रुप गठित कर दिया है। ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने डायलॉग एवं डेवलपमेंट कमीशन (डीडीसी) के उपाध्यक्ष जस्मिन शाह को वर्किंग ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह ग्रुप इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का जाल तेजी से बिछाने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत अगले पांच वर्ष में दिल्ली में जितने वाहनों का रजिस्ट्रेशन होगा, उसमें से 25 फीसद इलेक्ट्रिक वाहन होंगे। ऐसे में 2023 तक पंजीकृत होने वाले वाहनों में 25 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन करने का लक्ष्य तय किया गया है। ऊर्जा विभाग द्वारा इसके लिए वर्किंग ग्रुप की विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय करने की

इलेक्ट्रिक नीति के प्रमुख तथ्य
ई- दो पहिया वाहनों पर मिलेगी सब्सिडी।
ई-दो पहिया वाहनों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी की मिलेगी अनुमति।
ई-ऑटो के लिए परमिट की अनिवार्यता होगी समाप्त।
ई-ऑटो को मिलेगी सब्सिडी।
पीपीपी मॉडल पर ई- वाहनों की चार्जिंग के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।
पब्लिक पार्किंग क्षेत्रों, बस डिपो, बस टर्मिनल और मेट्रो स्टेशनों पर बनेंगे चार्जिंग स्टेशन।
बैटरी चार्जिंग को चलाने के लिए विशेष दर पर बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

जिम्मेदारी दी गई है। केंद्र सरकार के साथ भी उसे इस विषय पर सलाह-मशविरा करने की जिम्मेदारी दी गई है।

दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2018 के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी संभावित है। वर्किंग ग्रुप को यह भी निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक बैठक की विस्तृत जानकारी दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री, ऊर्जा मंत्री और केंद्र सरकार को भी देना है। वहीं सरकार ने एक हजार इलेक्ट्रिक बसों के लिए कैबिनेट निर्णय लिया है और टेंडर की प्रक्रिया भी जारी है।

महिला को अटैक आया था। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर मौत के बाद भी इलाज करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।बिल को लेकर भी आपत्ति थी।पुलिस के हस्तक्षेप पर अस्पताल ने शव दे दिया।परिजन ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है और कोई शिकायत भी नहीं की है।-शावेज खान, प्रभारी, कोतवाली सेक्टर-58

परिजन को मरीज की हालत गंभीर होने की बात पहले ही बता दी गई थी।31 अगस्त की रात करीब 7:52 बजे मरीज को कार्डियक अरेस्ट आया था।उसे डॉक्टरों ने सीपीआर दिया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।रात करीब 8:22 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया।प्रबंधन ने परिजन को देर रात ही शव ले जाने के लिए कह दिया था, लेकिन उन्होंने अगले दिन सुबह शव ले जाने की इच्छा जताई थी।परिजन से शव को देने से पहले रुपये मांगने का आरोप बेबुनियाद है।-फोर्टिस अस्पताल, प्रबंधन, सेक्टर-62

उन लोगों ने विरोध करते हुए अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया।

यमुना किनारे उगाई जा रहीं सब्जियां हानिकारक नहीं

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

यमुना में भले ही कितनी भी गाद भरी हो, जिसकी वजह से वहां की मछलियां भी मर रही हों, लेकिन यमुना किनारे उगाई गई सब्जियां हानिकारक नहीं हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि यह निष्कर्ष सामने आया है केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक शोध रिपोर्ट में। जी हां, सीपीसीबी को शोध के दौरान यहां की किसी भी सब्जी के नमूने में न किसी धातु के और न ही पेस्टिसाइड के अंश मिले हैं।

हालांकि सीपीसीबी खुद भी इस निष्कर्ष से संतुष्ट नहीं है। इसीलिए उसने अपनी रिपोर्ट में यमुना किनारे उा रही सब्जियों पर वर्ष भर चलने वाला विस्तृत शोध कराने का सुझाव दिया है ताकि हकीकत सामने आ सके। दरअसल, यमुना मॉनीटरिंग कमेटी ने अप्रैल 2019 में सीपीसीबी को यमुना खादर में उगाई जा रही सब्जियों पर शोध रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश के मद्देनजर सीपीसीबी ने फर्टिलाइजर का प्रयोग बड़ी मात्रा में किया जाता है, जो न केवल इन सब्जियों बल्कि यमुना की सेहत के लिए भी हानिकारक है। इसीलिए रिपोर्ट में इन सब्जियों को लेकर विस्तृत शोध और जांच कराने का सुझाव भी दिया है। सीपीसीबी अधिकारियों के मुताबिक जून में जिन सब्जियों के नमूने लिए गए थे, उनमें लोबिया, भिंडी, पालक, चमेदार, बैंगन, लौकी, सीताफल, तराई, मिर्च आदि सब्जियां शामिल थीं।

मुख्यमंत्री आवास पर लंगे हाइड्रोलिक बोलाई

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा और कड़ी कहर दी गई है। उनके निवास पर अब हाइड्रोलिक बोलाई लगाए जा रहे हैं। योजना के तहत गेट पर तीन ऑटोमेटिक बोलाई लगेंगी। बोलाई सुरक्षा की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण है। खासकर उस स्थिति में जब गेट से भागने के दौरान किसी वाहन को रोकना होता है। बोलाई इस तरह लगाए जाते हैं जो जमीन के अंदर रहते हैं और जबरन पड़ने पर तीन फुट तक ऊपर आ जाते हैं। इनके ऊपरी भाग में रोशनी की भी व्यवस्था होती है जिसे ऑन-ऑफ किया जा सकता है।

हालांकि मुख्यमंत्री आवास पर इस प्रकार की कोई गतिविधि कभी नहीं हुई है कि बोलाई की जरूरत पड़ी हो। मगर सुरक्षा एजेंसी लंबे समय से इस तरह की जरूरत महसूस कर रही थी। इस बारे में मुख्यमंत्री की सुरक्षा संचाल रही दिल्ली पुलिस ने लोक निर्माण विभाग को लिखा था। लोक निर्माण विभाग इस पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री केजरीवाल को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। इसमें हर समय दिल्ली पुलिस के 12 कर्मांदों उनकी सुरक्षा में तैनात रहते हैं। यह सुरक्षा फरवरी 2015 में मुख्यमंत्री बनने के बाद से उन्हें मिली हुई है।

नई उड़ान

आइजीआइ

एयरपोर्ट पर बना

102 मीटर ऊंचा

एटीसी टावर, दो

अलग-अलग

रनवे पर एक साथ

दो उड़ानों को

उतारा जा सकेगा

रोमिला थापर वामपंथी इतिहासकार हैं तथा इनके अध्ययन का मुख्य विषय ‘प्राचीन भारतीय इतिहास’ रहा है। इनका जन्म 30 नवंबर 1931 को लखनऊ में हुआ था। इस समय वह दिल्ली में रह रही हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज से एएल बशम के मार्गदर्शन में 1958 में डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की। रोमिला थापर ने

देश के सबसे ऊंचे एटीसी टावर से उड़ानों का संचालन होगा सुरक्षित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आइजीआइ) पर बनकर तैयार नए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर का सोमवार को विधिवत शुभारंभ कर दिया जाएगा। इसके शुरू होने से आइजीआइ पर उड़ानों का संचालन पहले से ज्यादा बेहतर और सुरक्षित हो जाएगा। इसका फायदा एयरपोर्ट पर दिनों-दिन बढ़े रहे हवाई यातायात और यात्रियों को भी मिलेगा। यही नहीं अब एयरपोर्ट के दो अलग-अलग रनवे पर एक साथ दो उड़ानों को उतारा जा सकेगा। यह विमान में बैठे यात्रियों के लिए अनेखा अनुभव होगा। अब तक सुरक्षा कारणों से ऐसा नहीं किया जाता था।

आइजीआइ एयरपोर्ट पर निर्मित 102 (101.9) मीटर ऊंचा यह एटीसी टावर भारत का सबसे ऊंचा और विश्व के ऊंचे एटीसी टावरों में से एक है। इसके बनाने में करीब 350 करोड़ रुपये का खर्च आया है। इसमें एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया द्वारा करीब 60 करोड़ रुपये के आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। एयरपोर्ट पर वर्ष 1999 में 60 मीटर ऊंचे एटीसी टावर का निर्माण कराया गया था। लेकिन टर्मिनल श्री बनने के बाद पुराने



आइजीआइ एयरपोर्ट स्थित एटीसी टॉवर का सोमवार को शुभारंभ होना है। जागरण

टावर से एयरपोर्ट के तीनों रनवे का स्मूथ नजारा नहीं मिल पा रहा था। इस कारण से ही पुराने एटीसी टावर के समीप ही नया एटीसी टावर का निर्माण कराया गया।

21 एटीसी कंट्रोलर बैठ सकेंगे : एटीसी टावर के सबसे ऊपरी हिस्से में बने विजुअल टावर में 21 एटीसी कंट्रोलरों के बैठने की, जबकि इसके निचले तल पर स्थित कंट्रोल रूम में विमान के

संचालन करने वाले 12 ग्राउंड कंट्रोलरों के बैठने की क्षमता है। ऊंचाई ज्यादा होने से एटीसी के सभी अधिकारी तीनों रनवे को साफ तौर से देख सकते हैं। नए टावर से बेहतर सिग्नल मिलने के अलावा कोहरे और खराब मौसम में भी हवाई संचालन में खासी मदद मिलेगी। वहीं इससे एयरपोर्ट पर होने वाले तमाम गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकेगी।

तेज भूकंप के झटके को भी झेल जाएगा टावर

इस टावर का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि आठ तक की तीव्रता वाले भूकंप के झटके को भी झेल सकता है। इसकी ऊंचाई ऐतिहासिक कुतुबमीनार से तकरीबन डेढ़ गुणा है। यह न्यूयार्क के जॉन एफ कनेडी, दुबई,

अर्थव्यवस्था की स्थिति चिंताजनक

मनमोहन बोले ▶ अर्थव्यवस्था के कमजोर होने के पीछे सरकार की गलत नीतियां जिम्मेदार

सरकार से बदले की राजनीति छोड़कर आर्थिक स्थिति को मजबूती देने का किया आग्रह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था के मौजूदा हालात को चिंताजनक बताते हुए कहा है कि यह मंदी सरकार की गलत नीतियों और कुप्रबंधन के चलते आई है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह बदले की राजनीति छोड़कर बुद्धिजीवियों और विचारकों का सहयोग ले और अर्थव्यवस्था को इस मानव निर्मित संकट से बाहर निकाले।

पूर्व प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था में आई गिरावट को लेकर सरकार को कंधेपरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा, ‘पिछली तिमाही में जीडीपी केवल पांच फीसद की दर से ही बढ़ी है, जो इस ओर इशााग करती है कि हम एक लंबी मंदी के दौर में हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में ज्यादा तेजी से बढ़ने की क्षमता है, लेकिन मोदी सरकार के चौराफरा कुप्रबंधन के चलते मंदी छा गई है।’ पूर्व प्रधानमंत्री का यह बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि वह राजनेता के साथ-साथ एक बड़े

मंदिर निर्माण की उम्मीदों को धार देने अयोध्या जा रहे स्वामी

मंदिर निर्माण की उम्मीदों को धार देने भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी रामनगरी आ रहे हैं। चेन्नई में पैदा हुए सुब्रह्मण्यम स्वामी की सियासत का केंद्र भले ही दक्षिण भारत से लेकर दिल्ली रहा हो पर राममंदिर के आग्रह के चलते मौजूदा समय में उन्हें नई पहुंचाम मिली। अदालत में रामलला के सखा के रूप में राममंदिर की पैरोकारी करने वाले त्रिविकीनाथ पांडेय उन्हें मंदिर-मस्जिद विवाद के फलक पर आधुनिक काण्वयक मानते हैं।

एक ओर सुप्रीम कोर्ट में मंदिर-मस्जिद विवाद की सुनवाई निर्णायक दौर में है तो दूसरी ओर स्वामी इस विवाद के केंद्र रामनगरी की ओर उन्मुख होने की तैयारी में हैं। मौका उनके 80वें जन्मदिन का होगा। उनका जन्मदिन 15 सितंबर को है पर वह 14 तारीख को ही अपने दो सौ समर्थकों के साथ रामनगरी पहुंच जायेंगे। इस दौरान वह रामलला का दर्शन करने के साथ मंदिर निर्माण से जुड़ी उम्मीदों को साझा करेंगे। सार्वजनिक समारोह

डीजीएमओ परमजीत सिंह हो सकते हैं पहले उप सेना प्रमुख रणनीति

नई दिल्ली, एएनआइ : डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) नियुक्त किए गए लेफ्टिनेंट जनरल परमजीत सिंह पदभार ग्रहण करने के बाद संभवतः देश के पहले उप सेना प्रमुख (रणनीति) होंगे। परमजीत सिंह फिलहाल नगरोटा में 16 कोर्स के जीओसी हैं।

सेना के सूत्रों ने बताया कि परमजीत 15 अक्टूबर को डीजीएमओ का पदभार ग्रहण करेंगे। साथ ही वह जम्मु-कश्मीर, चीन की सीमा से लगे पूर्वोत्तर रज्यों में सेना के ऑपरेशंस की जिम्मेदारी संभालेंगे। सेना के स्पेशल फोर्सज रेजिमेंट से ताल्लुक रखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल परमजीत संभवतः उप सेना प्रमुख (रणनीति) का पदभार भी ग्रहण कर सकते हैं। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत द्वारा सेना मुख्यालय की संरचना में बदलाव के तहत यह पद सुजित किया गया है। इस योजना के तहत, उप सेना प्रमुख (रणनीति) का दप्तर मिलिट्री ऑपरेशंस और मिलिट्री इंटेलिजेंस के निदेशालय पर नजर रहेगा। दो नए दप्तर भारतीय सेना को दोनों निदेशालय के कामकाज के समन्वय में मदद करेगा। फिलहाल इसका नेतृत्व दो अलग-अलग लेफ्टिनेंट जनरल करते हैं। यह जमीनी अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

हक का सवाल

सिपाही से लेकर सब इंस्पेक्टर तक आते हैं इस दायरे में, दशकों से मिल रहे इस भत्ते पर 2017 में लगा दी गई रोक

केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (कैट) ने दिल्ली पुलिस के गैर राजपत्रित कर्मचारियों (सिपाही से लेकर सब इंस्पेक्टर तक) का मेट्रोपोलिटन भत्ता बंद किये जाने पर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। पिछले 50 साल से नौकरी के दौरान कटिनाइयों का सामना करने के लिए यह भत्ता दिया जाता था। इसे हार्डशिप भत्ता भी कहते हैं, जो राष्ट्रीय राजधानी में काम करने की दुशवारियों को वजह से दिया जाता है। भत्ता बंद होने से दिल्ली पुलिस के सिपाही, हेड कांस्टेबल, सहायक सब इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर तक के करीब 80000 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। इन्हें अलग-अलग पदों पर 120 से लेकर 180 रुपये प्रतिमाह तक मिलता था।

केंद्र सरकार ने छह जुलाई 2017 को अधिसूचना जारी कर मेट्रोपोलिटन भत्ता रद्द कर दिया था। फिर वित्त मंत्रालय ने 11 जुलाई 2017 को आफिस मिनिस्ट्री या विभाग में अपना पक्ष रखा था। दिल्ली पुलिस के गैर राजपत्रित कर्मचारियों को यूनियन बनाने का अधिकार नहीं है इसलिए उनकी ओर से कोई पक्ष नहीं रखा जा सका और अधिकारियों ने भी उनके लिए समिति के सामने पक्ष नहीं रखा।

ट्रेनों में वर्तमान समय में तत्काल टिकट स्कीम लागू है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक कुल आरक्षित 11.57 लाख सीटों में से 1.71 लाख की बुकिंग तत्काल स्कीम के तहत की जाती है।

2,677 ट्रेनों में वर्तमान समय में तत्काल टिकट स्कीम लागू है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक कुल आरक्षित 11.57 लाख सीटों में से 1.71 लाख की बुकिंग तत्काल स्कीम के तहत की जाती है।

रही है और टैक्स आतंकवाद बेरोकटोक चल रहा है। निवेशकों में उदासी का माहौल है। ये सभी अर्थव्यवस्था में सुधार के लक्षण नहीं हैं।

छिन रही हैं नौकरियां : पूर्व पीएम ने मोदी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनके चलते भारी संख्या में नौकरियां खत्म हो गई हैं। अकेले ऑटोमोबाइल सेक्टर में साढ़े तीन लाख लोगों को नौकरियों से निकाल दिया गया है। किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। गांवों में आय गिर गई है। इस दौरान संस्थानों की स्वायत्तता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि संस्थानों पर हमले हो रहे हैं और उनकी स्वायत्तता खत्म की जा रही है। सरकार को 1.76 लाख करोड़ देने के बाद आरबीआइ की आर्थिक कुप्रबंधन को वहन करने की क्षमता का टेस्ट होगा। मनमोहन सिंह ने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में भारत के आंकड़ों की विचयत्तता पर भी सवालिया निशान लगा है। बजट घोषणाओं और रेलवेक्स ने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के विश्वास को झटका दिया है। इतना ही नहीं, मोदी सरकार के कार्यकाल में आर्थिक प्रबंधन का ऐसा बुरा हाल रहा है कि भारत, वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में पैदा हुए तमाम अवसरों का लाभ उठाते हुए निर्यात बढ़ाने में भी असफल रहा है।

जुर्माने की राशि को लेकर असमंजस में मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार

जेएनएन, नई दिल्ली

रविवार यानी एक सितंबर से मोटर व्हीकल संशोधन अधिनियम 2019 पूरे देश में लागू हो गया है। वहीं इसे लेकर मध्य प्रदेश और राजस्थान असमंजस में हैं। मप्र सरकार ने कहा है कि जब तक नए प्रावधानों को लेकर निर्णय नहीं हो जाता है तब तक पुरानी दरों से चालान की कार्रवाई होगी। वहीं राजस्थान सरकार सोमवार को इसके प्रावधानों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक करेगी। विशेषज्ञों की माों तो राज्य सरकारों केन्द्र के इस अधिनियम को रोक नहीं सकती हैं, लेकिन जुर्माने की राशि को लेकर समीक्षा का अधिकार है। मध्य प्रदेश पहले दूसरे रज्यों में किए जा रहे प्रावधानों का अध्ययन कराएगा, इसके बाद नई दरों को लागू किया जाएगा।

मध्य प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने परिवहन आयुक्त शैलेंद्र श्रीवास्तव को दूसरे रज्यों का अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल नई दरें लागू नहीं होंगी। इसमें कई खामियां हैं। दूसरे प्रदेशों

मोटर व्हीकल संशोधन अधिनियम 2019 की समीक्षा करेंगे दोनों राज्य

कमलनाथ सरकार का एलान, जुर्माने की नई दरें फिलहाल मध्य प्रदेश में नहीं होगी लागू

का अध्ययन कराएंगे कि वहां क्या प्रभाव पड़ रहा है।जब तक नए प्रावधानों को लेकर निर्णय नहीं हो जाता है तब तक पुरानी दरों से चालान की कार्रवाई होगी। वहीं, विधि एवं विधायी मंत्री पीसी शर्मा ने प्रमुख सचिव विधि सत्येंद्र कुमार सिंह से कहा है कि वे देखें कि इसमें क्या संशोधन हो सकता है, पुनर्विचार के क्या प्रावधान हैं। मुख्यमंत्री कमलनाथ से भी इस संबंध में चर्चा की जाएगी।

ममता पहले ही कर चुकी हैं इन्कार : बंगाल की ममता सरकार भी नया मोटर व्किल एक्ट मानने को तैयार नहीं है। परिवहन मंत्री सुभेंद्र अधिकारी राज्य विधानसभा में भी यह स्पष्ट कर चुके हैं। बंगाल सरकार को नए एक्ट के तहत विभिन्न मामलों में जुर्माना राशि में की गई भारी बढ़ोतरी पर आपत्ति है।

सामुदायिक रसोई की स्थापना के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली, प्रे्र : भूख और कुपोषण से निपटने के लिए एक जनहित याचिका (पीआईएन) दायर की गई है। याचिका में सामुदायिक रसोई की स्थापना के लिए एक योजना तैयार करने के लिए सभी रज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश देने की सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है। न्यायमूर्ति एनबी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सोमवार को सुनवाई के लिए सुचीबद्ध याचिका में आरोप लगाया गया कि पांच साल से कम उम्र के कई बच्चे प्रत्येक दिन भूख और कुपोषण से मर जाते हैं। यह उनके भोजन और जीवन के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। सामाजिक कार्यकर्ताओं अन्नू धवन, ईशान सिंह और कुंजन सिंह द्वारा दायर याचिका में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के दायरे से बाहर रहने वाले लोगों के लिए एक राष्ट्रीय खाद्य गिड बनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है। साथ ही भूख से संबंधित मौतों में कमी लाने के लिए योजना तैयार करने के लिए राष्ट्रीय विविध सेवा प्राधिकरण (एनएलएसएए) को आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड और दिल्ली में राज्य वित्त पोषित द्वारा किये गये सामुदायिक रसोई का उल्लेख किया गया है, जहां पर रियायती दरों पर भोजन परेसा तैयार करने के लिए राष्ट्रीय विविध सेवा प्राधिकरण (एनएलएसएए) को आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड और दिल्ली में राज्य वित्त पोषित द्वारा किये गये सामुदायिक रसोई का उल्लेख किया गया है, जहां पर रियायती दरों पर भोजन परेसा तैयार करने के लिए राष्ट्रीय विविध सेवा प्राधिकरण (एनएलएसएए) को आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र ने भूख, कुपोषण और परिणामस्वरूप भुखमरी से निपटने के लिए योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन इसका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा है।

काँप–14 से मरुरस्थलीकरण के खात्मे का लक्ष्य देगा भारत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दुनिया को बढ़ते मरुस्थलीकरण से बचाने की मुहिम की अगुवाई अब भारत करेगा। सोमवार से शुरु हो रहे काँप-14 के जरिए वह पूरी दुनिया को इसे खत्म करने का एक लक्ष्य भी देगा। साथ ही दुनिया को यह भी संदेश देगा, कि किस तरीके से वह इस लक्ष्य को हासिल कर सकता है। वहीं अपने प्रयासों को भी पूरी दुनिया के सामने रखेगा। भारत ने वैसे अगले दस सालों में पचास लाख हेक्टेयर खराब पड़ी भूमि को उपजाऊ बनाने का लक्ष्य तय किया है।

भारत की ओर से यह कोशिश तब होगी, जब दो सितंबर से 13 सितंबर तक मरुस्थलीकरण से निपटने को लेकर दुनिया के करीब 196 देशों का दिल्ली के नजदीक उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में जमावड़ा हो रहा है। इसे काँप (कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज)-14 नाम दिया गया है। जिसमें अगले दो सालों यानि वर्ष 2021 तक के लिए भारत को इस मुहिम की अध्यक्षता भी दी जाएगी। अभी यह जिम्मेदारी चीन के पास है। जहां वर्ष 2017 में काँप-13 का आयोजन किया गया था। वैसे भी इस पूरी मुहिम में भारत की बड़ी भूमिका है, क्योंकि यह क्षेत्रफल के लिहाज से दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश और जनसंख्या के लिहाज से दुनिया

समीक्षा के बाद राजस्थान करेगा लागू

एक दिन पहले राजस्थान में नया मोटर व्हीकल एक्ट लागू करने से इन्कार करने वाले प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खावरियावास ने रविवार को एक्ट लागू करने की बात कही है। अशोक गहलोत सरकार में वरिष्ठ मंत्री खावरियावास ने कहा कि नए कानून के मामले में सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक कर जुर्माने के प्रावधानों की समीक्षा करेंगे।उन्होंने शनिवार को प्रदेश में इसे लागू नहीं करने की बात कही थी, लेकिन अधिकारियों ने जब उन्हें समझाया कि केंद्र सरकार के इस अधिनियम को राज्य सरकार रोक नहीं सकती, हालांकि जुर्माने की समीक्षा कर इसे कम कर सकती है। इस पर रविवार को खावरियावास ने मीडिया से कहा कि एक्ट राज्य में लागू होगा।

‘तत्काल’ टिकटों से रेलवे को 25 हजार करोड़ की कमाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

‘तत्काल’ टिकटों से रेलवे को चार वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त कमाई हुई है। तत्काल टिकट स्कीम 1997 में शुरू की गई थी। इसका मकसद आखिरी वक्त पर यात्रा का निर्णय लेने वाले यात्रियों को आश्वासन उपलब्ध करना था। इसकी शुरुआत भी रेलवे को 3862 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हुई। यानी दोनों को मिलाकर रेलवे को तत्काल टिकटों की बिक्री से 25,392 करोड़ रुपये की कमाई हुई।

तत्काल कोट का टिकट बुक कराने वाले यात्रियों से द्वितीय श्रेणी के मामले में बेसिक 1607 ट्रेनों में तत्काल स्कीम : वर्तमान समय में 2,677 ट्रेनों में तत्काल टिकट अर्धिकतम सीमाएं निर्धारित हैं।

2014 से प्रीमियम तत्काल की शुरुआत : तत्काल के प्रीमियम वर्जन की शुरुआत 2014 में चुनिंदा ट्रेनों में हुई थी। इसके

भूमि का कब्जा लेने राजस्थान जाने से डर रहे पौंग बांध विस्थापित

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश के पौंग बांध विस्थापितों का पुनर्वास करने के लिए राजस्थान के जिला गंगानगर में भूमि आरक्षित की गई थी। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय ने भी आदेश दिए थे कि राजस्थान सरकार पौंग बांध विस्थापितों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, लेकिन यह कानून व्यवस्था की इंतहा ही है कि भू-माफिया खुलेआम न्यायालय के आदेशों को चुनौती दे रही है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

72 वर्षीय पौंग बांध विस्थापित एवं रजोल निवासी अश्वनी कुमार शर्मा ने यहां जारी एक बयान में कहा कि अभी हाल ही में शिमला हाई कोर्ट ने उनको जिला गंगानगर तहसील देहरा के फार्म क्षेत्र जैतसर में मुर्ख्बा नंबर 158/372 आवंटन करने के आदेश 2 मई को दिए हैं, लेकिन जिस प्रकार भू-माफिया ने अनुग्रहद में बैठक कर इस आदेशों को लागू न करने देने की बात कही है, उससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। प्रशासन के मूकदर्शक बने रहने से विस्थापितों के मन में भय और असुरक्षा का माहौल है।

राज–नीति 3

आइजीआइ एयरपोर्ट पर कश्मीरी लेखक को विदेश जाने से रोका

जमीन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने दिशा में अपने प्रयासों से पूरी दुनिया को कराएगा अवगत

दो सितंबर से शुरु हो रहे इस सम्मेलन में जुट रहे हैं दुनिया के करीब 196 देशों के प्रतिनिधि

का दूसरा बड़ा देश है। वहीं अकेले भारत की भी करीब 30 फीसद जमीन मरुस्थलीकरण से प्रभावित है। यूएनसीसीडी (यूनाइटेड नेशनल कनवेंशन टू कांवेट डिजर्टीफिकेशन) की देखरेख में मरुस्थलीकरण को लेकर चलाए जा रहे इस अभियान की शुरुआत वैसे तो 1977 में हुई, लेकिन इनमें तेजी 1996 से आयी। जब इसे लेकर दुनिया के तमाम देशों ने एकजुट होकर काम करने की पहल की है। भारत इसका शुरुआत से ही सदस्य रहा है। मरुस्थलीकरण को लेकर पूरी दुनिया की चिंता इसलिए भी बढ़ी हुई है, क्योंकि इसके तहत लोगों का तेजी से पलायन हो रहा है। वजह जमीन के खराब होने से वहां किसी भी फसल का न उगना है। एक अनुमान के मुताबिक यदि मरुस्थलीकरण की मौजूदा रफ्तार को धामा नहीं गया, तो 2050 तक दुनिया की करीब 70 करोड़ आबादी पलायन को मजबूर होगी।

जस्टिस राकेश कुमार को फिर से मिला न्यायिक कार्य

राज्य ब्यूरो, पटना

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर फैसला देकर चर्चा में आने वाले पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश राकेश कुमार को फिर न्यायिक कार्य मिल गया है। उनकी बेंच का गठन किया गया है। हालांकि अब वह उस समूह के केस की सुनवाई नहीं कर सकेंगे, जिनकी पहले करते थे। वैसे तीन जज किस ग्रुप के मामले की सुनवाई करेंगे, यह मुख्य न्यायाधीश के विवेकाधिकार का मामला है। शनिवार की जारी सूची के मुताबिक हाई कोर्ट की दैनिक सूची में सोमवार के मुकदमों की सुनवाई में उनका नाम नहीं था। शनिवार को खबर आई थी कि मुख्य न्यायाधीश अमरेश्वर प्रसाद शाही ने सोमवार को भी जस्टिस राकेश कुमार को काम से अलग रखा है। वैसे शनिवार को मुख्य न्यायाधीश शाही और न्यायाधीश नही सकीं, हालांकि जुर्माने की समीक्षा कर इसे कम कर सकती है। इस पर रविवार को खावरियावास ने मीडिया से कहा कि एक्ट राज्य में लागू होगा।

‘तत्काल’ टिकटों से रेलवे को 25 हजार करोड़ की कमाई

1997 में चुनिंदा ट्रेनों के साथ शुरु हुई थी तत्काल टिकट स्कीम

तहत तत्काल कोटे के पचास फीसद टिकटों की बिक्री डायनामिक किराया प्रणाली के आधार पर की जाती है, जो बुकिंग के साथ बढ़ती जाती है। वर्ष 2016-17 में तत्काल टिकटों की बिक्री से रेलवे को 6672 करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ। अगले साल यानी 2017-18 में ये बढ़कर 6915 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लेकिन रेलवे को ज्यादा कमाई तत्काल प्रीमियम टिकटों की बिक्री से हुई, जिसमें 2016-17 से किए गए 10 फीसद के वसूले, जबकि अन्य श्रेणियों के मामले में बेसिक किराए के 30 फीसद के बराबर तत्काल शुल्क वसूला जाता है। लेकिन इस शुल्क की न्यूनतम और अधिकतम सीमाएं निर्धारित हैं।

2014 से प्रीमियम तत्काल की शुरुआत : तत्काल के प्रीमियम वर्जन की शुरुआत 2014 में चुनिंदा ट्रेनों में हुई थी। इसके

कह के रहेंगे



जासं, नई दिल्ली : कश्मीरी लेखक गौहर गिलानी को शनिवार की रात आइजीआइ एयरपोर्ट पर विदेश जाने से रोक दिया गया। उन्हें एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने जर्मनी जाना था। इंग्लिशन काउंटर पर पहुंचते ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया और करीब पांच घंटे तक रोककर रखा गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, गिलानी को एक से आठ सितंबर तक चलने वाले एक मीडिया ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए उन्हें जर्मनी जाना था। लेकिन, विशेष निर्देश की बात कहकर इमिग्रेशन अधिकारियों ने पहले बाद 10 मिनट के लिए रुकने को कहा गया। उन्हें में उन्हें एक कमरे में ले जाया गया और वहां हूई, लेकिन इनमें तेजी 1996 से आयी। जब इसे लेकर दुनिया के तमाम देशों ने एकजुट होकर काम करने की पहल की है। भारत इसका शुरुआत से ही सदस्य रहा है। मरुस्थलीकरण को लेकर पूरी दुनिया की चिंता इसलिए भी बढ़ी हुई है, क्योंकि इसके तहत लोगों का तेजी से पलायन हो रहा है। वजह जमीन के खराब होने से वहां किसी भी फसल का न उगना है। एक अनुमान के मुताबिक यदि मरुस्थलीकरण की मौजूदा रफ्तार को धामा नहीं गया, तो 2050 तक दुनिया की करीब 70 करोड़ आबादी पलायन को मजबूर होगी।

जस्टिस राकेश कुमार को फिर से मिला न्यायिक कार्य

राज्य ब्यूरो, पटना

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर फैसला देकर चर्चा में आने वाले पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश राकेश कुमार को फिर न्यायिक कार्य मिल गया है। उनकी बेंच का गठन किया गया है। हालांकि अब वह उस समूह के केस की सुनवाई नहीं कर सकेंगे, जिनकी पहले करते थे। वैसे तीन जज किस ग्रुप के मामले की सुनवाई करेंगे, यह मुख्य न्यायाधीश के विवेकाधिकार का मामला है। शनिवार की जारी सूची के मुताबिक हाई कोर्ट की दैनिक सूची में सोमवार के मुकदमों की सुनवाई में उनका नाम नहीं था। शनिवार को खबर आई थी कि मुख्य न्यायाधीश अमरेश्वर प्रसाद शाही ने सोमवार को भी जस्टिस राकेश कुमार को काम से अलग रखा है। वैसे शनिवार को मुख्य न्यायाधीश शाही और न्यायाधीश नही सकीं, हालांकि जुर्माने की समीक्षा कर इसे कम कर सकती है। इस पर रविवार को खावरियावास ने मीडिया से कहा कि एक्ट राज्य में लागू होगा।

मंगया था। रविवार की ही हाई कोर्ट प्रशासन ने फैसला किया और एक अधिसूचना जारी कर बताया गया कि जस्टिस राकेश कुमार की बेंच का गठन कर दिया है। पहली पाली में राकेश कुमार को एकल पीठ और दूसरी पाली में डिवीजनल बेंच का दायित्व सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले बुधवार को पटना हाई कोर्ट के जस्टिस राकेश कुमार ने न्यायपालिका पर तल्ल टिप्पणी की थी। उन्होंने एक मामले को सुनवाई के दौरान कहा था- ‘भ्रष्टाचारियों को न्यायपालिका से भी संरक्षण मिलता है।’ इसके बाद गुरुवार को पटना हाई कोर्ट की 11 न्यायाधीशों की एक बड़ी बेंच ने जस्टिस कुमार के कृत्य को गंभीर करार देते हुए उनके आदेश को निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही उन्हें किसी एकल या डबल बेंच में शामिल नहीं किया जा रहा था।

अधिकारियों के खिलाफ सत्याग्रह करेंगे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के पिता

अधिकापुर, नईदुनिया : अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता और सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के संरक्षक नंदकुमार बघेल के एक बयान ने सरकार का कामकाज पर विषक्ष को हमलावर होने का मौका दे दिया है। अंबिकापुर में एक कार्यक्रम में पहुंचे नंदकुमार बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सवर्ण अधिकारी मंत्री और विधायकों तक की बात नहीं सुन रहे। ऐसे अफसरों के खिलाफ वह तीन सितंबर को वेमेतार में सत्याग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रेमसाय सिंह के विभाग में 20 हजार तबादला आवेदन लंबित हैं। अफसरों द्वारा ब्लैकमेलिंग के लिए मनमानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनका स्पष्ट मानना है कि छत्तीसगढ़ में दूसरे प्रदेशों के लोग आकर राज न करें। उन्होंने पूर्ववर्ती रमन सरकार पर अधिकारियों को अराजक बनाने का आरोप लगाया।

मैं कांग्रेसी नहीं : मुख्यमंत्री के पिता नंदकुमार बघेल ने कहा कि वह कांग्रेसी नहीं हैं। पिछड़ा वर्ग समाज को संरक्षित करने के लिए वे प्रतिपक्ष की भूमिका में कार्य कर रहे हैं।

बाथरूम में गिरकर हुए घायल : सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के संरक्षक नंदकुमार बघेल रविवार को सक्रिय हाउस अंबिकापुर के कमरे से लगे बाथरूम में गिरकर घायल हो गए। अस्पताल जाने से इन्कार करने पर उनका सक्रि्ट हाउस में ही प्राथमिक उपचार किया गया। घटना से प्रशासनिक अमले में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पांच राज्यों में नियुक्त हुए नए राज्यपाल

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पांच राज्यों के लिए नए राज्यपालों के नामों की घोषणा कर दी है। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख डॉ. तमिलीसाइ सौंदरराजन को तेलंगाना का और राजीव गांधी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे आरिफ मुहम्मद खान को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं कलराज मिश्र, बंडारू दत्तात्रेय और भगत सिंह कोश्यारी को क्रमशः राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है।



भगत सिंह कोश्यारी (77)

भाजपा के वरिष्ठ नेता भगत सिंह कोश्यारी उत्तराखंड के लिए पार्टी के पहले अध्यक्ष थे। उन्होंने 2001 से 2002 तक उत्तराखंड के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और उसके बाद वह 2002 से 2007 तक उत्तराखंड विधानसभा के विपक्ष के नेता रहे। वह महाराष्ट्र के 22वें गवर्नर होंगे।

आरिफ मुहम्मद खान (68)

छात्र नेता के रूप में राजनीति की शुरुआत की। 26 साल की उम्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बने। 1980 में कानपुर लोकसभा सीट से पहली बार सांसद चुने गए। बतौर कैबिनेट मंत्री आरिफ मुहम्मद खान के पास ऊर्जा से लेकर नागरिक उड्डयन तक कई विभाग रहे हैं।

तमिलीसाइ सौंदरराजन (58)

पेशे से डॉक्टर तमिलीसाइ सौंदरराजन 17वें लोकसभा चुनाव में डीएमके की उम्मीदवार कनिमोरी से हार गई थीं। वह दिग्गज कांग्रेस नेता कुमारी अनंथन की बेटी हैं। राज्य में पार्टी के भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उन्हें तमिलनाडु की सुषमा स्वाराज कहा जाता है। उनके बोलने और अनुवाद कौशल ने उन्हें राष्ट्रीय नेताओं की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। वह लालकृष्ण आडवाणी, जसवंत सिंह और वैंकैया नायडू जैसे दिग्गजों के भाषणों का अनुवाद करती रही हैं। वह दो बार विधानसभा और दो बार लोकसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं।

कलराज मिश्र (78)

जुलाई में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का पदभार संभालने वाले कलराज मिश्र को राजस्थान का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।2017 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री के रूप में इस्तीफा दे दिया था क्योंकि उन्होंने 75 साल की उम्र पार कर ली थी। उन्होंने 2019 लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के पहले निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।1978, 2001 और 2006 में तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पार्टी पदों पर रहे हैं।



वंडरू दत्तात्रेय (72)

मोदी और वाजपेयी दोनों सरकारों में मंत्री रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में शहरी विकास और रेलवे के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री रहे।2014 में दत्तात्रेय को मोदी सरकार में श्रम और रोजगार राज्य मंत्री बनाया गया था। वह तेलंगाना से अकेले मंत्री थे। उन्हें 2019 लोकसभा चुनाव में सिकंदराबाद से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया गया था। इस चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की।1980 में दत्तात्रेय आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। उन्हें पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई का महासचिव नियुक्त किया गया। उन्होंने 1989 तक उप पद पर काम किया।1997 में आंध्र प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बने।

अमेठी में लोगों को कीचड़ से अनाज चुनते देखा : स्मृति



स्मृति ईरानी

फाइल

जागरण संवाददाता, कोलकाता : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि उन्होंने अमेठी में कुछ लोगों को खाने के लिए कीचड़ से अनाज चुनते देखा था। 2014 के लोकसभा चुनाव में अमेठी में उपविजेता के तौर पर उन्हें जो वोट मिले थे, वह इस बात के संकेत थे कि वहां के लोगों को मदद की जरूरत है। कोलकाता में एक कार्यक्रम में शिरकत करने आई स्मृति ने आगे कहा, ‘अमेठी में मैंने 2014 में लोगों को कीचड़ से अनाज चुनते देखा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद मुझे मिले तीन लाख से अधिक वोट ने समझाया कि इस संसदीय क्षेत्र में कुछ तो दिक्कत है और लोगों को मदद की जरूरत है। मैं वहां जीतने के लिए नहीं रुकी थी।’

मुझे तो ये तक नहीं मालूम था कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मुझे दोबारा अमेठी से टिकट मिलेगा भी या नहीं। मैं अमेठी के लोगों से किए गए अपने वादे पूरे करने चाहती थी। मैं संभवतः इसलिए जीती क्योंकि मैंने अमेठी के लोगों को कभी वोट बैंक के तौर पर नहीं देखा। मैं उनसे उनकी साथी व परिवार के सदस्य की तरह पांच वर्षों तक जुड़ी रही। मैं इसी तरह की राजनीति में यकीन करती हूं।’

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। भाजपा और बजजय दल पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से पैसे लेने के आरोप पर विवाद होने के बाद रविवार को कांग्रेस नेता अपने मूल बयान से पलट गए। रविवार को उन्होंने टिवटर पर सफाई दी कि उन्होंने यह नहीं कहा कि भाजपा और बजरांग दल आइएसआइ से पैसा लेते हैं। हालांकि, आइएसआइ के लिए काम करने वाले जो लोग पकड़े गए हैं वे भाजपा और बजरांग दल से जुड़े हैं, इस बयान पर वे अब भी कांफूस हैं। दिग्विजय के बयान पर पत्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष गोपाल भागवंत समेत भाजपा के अन्य नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

दिग्विजय सिंह ने भिंड में पत्रकारों से बातचीत में शनिवार को बजराग दल और भाजपा पर आइएसआइ से पैसे लेने का आरोप लगाया था। एक सवाल के जवाब में दिग्विजय ने भाजपा और कांग्रेस की तुलना करते हुए कहा था कि देश की आजादी में इन लोगों का कोई

सिंधिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए समर्थकों का धरना

नईदुनिया, दतिया/भिंड : मध्य प्रदेश में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर खींचतान जारी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की मांग को लेकर समर्थक अब दबाव बनाने लगे हैं। रविवार को दतिया में कांग्रेस कार्यालय के भीतर जिला कार्यकारी अध्यक्ष कार्यकर्ताओं के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। वहीं, भिंड के महाकालेश्वर मंदिर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हवन किया।

दतिया में बीते आठ दिन से सिंधिया के पक्ष में कांग्रेस नेता सक्रिय हैं। रविवार को दतिया के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अशोक दांगी ने अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ जिला शहर कांग्रेस कार्यालय के अंदर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। नेताओं ने 15 दिन में मांग पूरी करने का हार्दकमान से अनुरोध किया है। नेताओं ने कहा कि सिंधिया को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया जाता है तो कार्यकर्ता इसके बाद दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन कर सकते हैं।

प्रयास ► पंचायत का फरमान लेकर अभय चौटाला के पास पहुंचे खाप नेता

दोनों परिवार नहीं माने तो सर्वखाप पंचायत का लिया जाएगा सहारा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

हरियाणा की खाप पंचायतों ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के बिखरे परिवार को एकजुट करने का बीड़ा उठाया है। कई दिनों से इस मिशन में जुटे खाप नेता रविवार को नई दिल्ली स्थित 11 मीना बाग (इनेलो कार्यालय) पर अभय चौटाला से मिलने पहुंचे। इन नेताओं का कहना था कि अभय चौटाला के सकारात्मक रुख से काफी उत्साहित हैं। चौटाला परिवार एकजुट हो जाए ताकि हरियाणा में एक मजबूत राजनीतिक विकल्प दिया जा सकेगा।

बता दें कि सात अक्टूबर, 2018 को इनेलो की गोहाना रैली के बाद पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय ने छोटे भाई अभय से अपना रास्ता अलग कर लिया था। अजय के बेटे दुष्यंत चौटाला ने इनेलो से अलग जनजायक जनता पार्टी बना ली। एकजुटता का फार्मूला भी सौंपेगी खाप पंचायत : दलाल खाप के प्रधान रमेश दलाल ने कहा कि चौटाला परिवार को एकजुटता का प्रस्ताव लेकर 26 अगस्त को हम

बिहार में नए नारे के साथ जदयू ने अभी से ही बता दिए अपने अंदाज

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार में जदयू नए नारे के साथ फिर जनता के बीच है। ठेठ बिहारी जुबान में तैयार नारे पटना की सड़कों पर दिखने लगे हैं। इनमें एक नया स्लोगन है, ‘क्यूं करें विचार, ठीके तो हैं नीतीश कुमार।’ राजनीतिक गलियारों में इस स्लोगन की कई एंगल से व्याख्या शुरू हो गई है। जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर इस नए स्लोगन को आधार बनाकर बनी बड़ी होर्डिंग लगाई गई है। दो लाइन के स्लोगन वाली इस होर्डिंग के एक हिस्से में नीतीश कुमार की चिंतन युद्ध वाली तस्वीर है।

नीतीश कुमार को केंद्र में रख जदयू द्वाय तैयार किया गया स्लोगन पिछले विधानसभा चुनाव में खूब चर्चित हुआ था। तब पहली बार बिहार में बातचीत की शैली को इस स्लोगन में शामिल किया गया था, ‘बिहार में बहार है, नीतीश कुमार हैं।’ चुनावी सभाओं में भी इस स्लोगन पर आधारित आडियो-वीडियो का खूब इस्तेमाल हुआ। नीतीश कुमार पर केंद्रित जदयू की एक और होर्डिंग लोकसभा चुनाव के समय शहर के विभिन्न हिस्सों में लगी थी और उसकी खूब चर्चा भी हुई थी। नारा था- ‘सच्चा

बदला रुख

पार्टी छोड़ने की धमकियों से नाराज हाईकमान पर नहीं कोई असर, हुड्डा की पकड़ हुई दीली, विधायकों के छिटकने की संभावना

हाईकमान से हुड्डा को नहीं मिल रही अहमियत

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़
हरियाणा में दस साल तक मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कांग्रेस हाईकमान में पकड़ ढीली पड़ती जा रही है। पार्टी छोड़ने की धमकियों से नाराज हाईकमान ने उन्हें अहमियत देने की कम कर दी है। शायद यही कारण है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर को हटवाने की उनकी सारी कोशिशें धरी रह गई हैं। हुड्डा को गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर को पद से हटवाने के लिए हुड्डा जिस कदर भागदौड़ कर रहे, उसे लेकर हाईकमान व कार्यकर्ताओं में उनका राजनीतिक वजन लगातार कम हो रहा है। राज्य में कांग्रेस के 17 विधायक हैं। एक विधायक जयतीर्थ दहिया अपने पद से इस्तीफा दे चुके। शेष 16 विधायकों में 12 विधायक हुड्डा खेमे के माने जाते हैं। उन्होंने भी अशोक तंवर को पद से हटाने के मुद्दे को अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से जोड़ा हुआ है, लेकिन हाईकमान इसे महत्व नहीं दे रहा है।

बताते हैं कि कांग्रेस हाईकमान हुड्डा से रोहतक की परिवर्तन महारैली की घोषणा के बाद से नाराज है। इस रैली से पहले और आखिरी दिन तक हुड्डा ने

हाईकमान से हुड्डा को नहीं मिल रही अहमियत

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़
हरियाणा में दस साल तक मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कांग्रेस हाईकमान में पकड़ ढीली पड़ती जा रही है। पार्टी छोड़ने की धमकियों से नाराज हाईकमान ने उन्हें अहमियत देने की कम कर दी है। शायद यही कारण है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर को हटवाने की उनकी सारी कोशिशें धरी रह गई हैं। हुड्डा को गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर को पद से हटवाने के लिए हुड्डा जिस कदर भागदौड़ कर रहे, उसे लेकर हाईकमान व कार्यकर्ताओं में उनका राजनीतिक वजन लगातार कम हो रहा है। राज्य में कांग्रेस के 17 विधायक हैं। एक विधायक जयतीर्थ दहिया अपने पद से इस्तीफा दे चुके। शेष 16 विधायकों में 12 विधायक हुड्डा खेमे के माने जाते हैं। उन्होंने भी अशोक तंवर को पद से हटाने के मुद्दे को अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से जोड़ा हुआ है, लेकिन हाईकमान इसे महत्व नहीं दे रहा है।

बताते हैं कि कांग्रेस हाईकमान हुड्डा से रोहतक की परिवर्तन महारैली की घोषणा के बाद से नाराज है। इस रैली से पहले और आखिरी दिन तक हुड्डा ने

हाईकमान पर तंवर को हटाने का पूरा दबाव बनाए रखा। रोहतक रैली में हुड्डा के मंच पर न तो सोनिया गांधी के पोस्टर थे और न ही रहल गांधी की कोई फोटो। इसके बाद हुड्डा ने अगली रणनीति तय करने की 38 सदस्यीय कमेटी भी बनाई। संभावना जताई जा रही थी कि हुड्डा अलग पार्टी बनाएंगे, लेकिन सब कुछ फुस्स रहा।

हाईकमान ने दस साल सीएम बनाया, मिली गुटबाजी : हाईकमान का मानना है कि कांग्रेस ने हुड्डा को दस साल तक सीएम

पंचायत के निर्णय को मानने को तैयार : अभय

● खाप पंचायत के निर्णय को आप किस रूप में ले रहे हैं ?
पंचों में ईश्वर का रूप होता है। मैं मानता हूं कि वे समाज के भले में कर रहे हैं।
● क्या आप पंचायत जो निर्णय लेगी उसे मानेंगे ?
मैंने हमेशा समाज का सम्मान किया है। मैं और मेरी पार्टी पंचायत का हर निर्णय मानने के लिए तैयार है।
● आप पंचायत के महागठबंधन के प्रारूप को भी मानेंगे ?
हां, क्यों नहीं। यदि महागठबंधन का प्रारूप अजय ने तैयार किया होगा तो हम जरूर मानेंगे।
● आपको लगता है कि अजय सिंह

या दुष्यंत चौटाला पंचायत का निर्णय मानेंगे ?
यह निर्णय उन्हें करना है, मैं उनके मन की बात कैसे बता सकता हूं।
● एकजुटता पर आपको अजय सिंह चौटाला क्या बात हुई ?
मैंने अजय सिंह जी से कहा है कि आप सार्वजनिक रूप से जो आदेश मुझे करेंगे, मैं उसे मानूंगा।
● पंचायत अब आपको कब बुलाएंगी ?
पंचायत को मैंने कह दिया है कि मुझे बुलाने की जरूरत नहीं, उनका जो निर्णय होगा मैं उनके हर निर्णय को मानूंगा।

आपस में चर्चा के बाद ही कोई फैसला : दुष्यंत

उधर, जेजेपी संयोजक दुष्यंत चौटाला ने चंडीगढ़ में रसीकार किया कि उन्हें खाप नेताओं के इस्तेमाल दलाल का फोन आया था। उन्होंने कहा, मैं तुरंत कोई भी फैसला लेने की स्थिति में नहीं हूं। मुझे संगठन के लोगों से बातचीत करनी है। बसपा गठबंधन की सहयोगी पार्टी है और उनके नेताओं से हर मुद्दे पर स्पष्टता के साथ बातचीत होगी। मैं जल्द ही डा. अजय सिंह से मुलाकात कर इस मुद्दे पर बातचीत करूंगा। तभी कोई स्थिति साफ हो सकेगी।

दलाल ने कहा कि चौटाला परिवार को एकजुट करने के बाद खाप पंचायत भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष का महागठबंधन तैयार करेगी। फिर भाजपा के सामने इनेलो, जेजपा-बसपा सहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली पार्टी का एक महागठबंधन बन जाएगा। उन्होंने कहा, हम हुड्डा की राजनीतिक परेशानी से भी चाकिफ है मगर अभी पंचायत का ध्येय चौटाला परिवार को एकजुट करना है।

गिरिराज सिंह ने कहा हम गाय पैदा करने की फैक्ट्री लगा देंगे

नागपुर, एएनआइ : अपने बयानों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहने वाले केंद्रीय पशुपालन मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हम गाय पैदा करने की फैक्ट्री लगा देंगे। इससे आने वाले दिनों में देश में केवल बछिया पैदा होंगी। एक डेयरी उत्पाद के लॉच पर बोलते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में आइवीएफ टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से गाय से जो बच्चे पैदा होंगे वे सिर्फ बछिया होंगी। उन्होंने कहा कि 2019-20 में हमारा लक्ष्य पूरे देश में तीस लाख बछिया पैदा करना है। 2025 में हिंदुस्तान में 10 करोड़ बछिया होंगी। इससे दूध उत्पादन के क्षेत्र में क्रांति आ जाएगी। इससे दुनिया में हमारे यहां दूध की कीमत सबसे कम होगी। उन्होंने दावा किया कि हम 20 लीटर दूध देने वाली गायों से आइवीएफ तकनीक का उपयोग उन गायों पर करेंगे, जिन्होंने दूध देना बंद कर दिया है।

हाईकमान से हुड्डा को नहीं मिल रही अहमियत

की कुर्सी सौंपकर रखी। इसके बाद उनका हाईकमान को आंखें दिखाना किसी सूरत में वाजिब नहीं था। लिहाजा हाईकमान ने हुड्डा को उनके हल पर छोड़ दिया। अशोक तंवर हालांकि रहलू गांधी की पसंद माने जाते हैं, लेकिन तंवर को पद से नहीं हटाने का मालब यह कतई नहीं है कि वह हाईकमान के अजीज हैं, बल्कि इसका मतलब यह बताया जा रहा कि हुड्डा की जिद के आगे हाईकमान किसी सूरत में झुकने को तैयार नहीं है, जिसका फायदा अशोक तंवर को मजबूती के रूप में मिल रहा है।

हुड्डा के पास अब तीन विकल्प, शायद ही रुकेंगे विधायक : हाईकमान के इस रुख के बाद हुड्डा अब अर्णिगय की स्थिति में हैं। उनके पास अब कांग्रेस में ही रहने, अलग पार्टी बनाने अथवा शरद पंवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ने के तीन बड़े विकल्प हैं। इन तीनों ही स्थिति में हुड्डा समर्थक विधायकों के छिटकने की पूरी संभावना बन गई है. क्योंकि हुड्डा यदि अपनी पसंद से टिकट नहीं दिला पाए तो उनके साथ विधायक शायद ही खड़े नजर आए।

आनन्द राय, लखनऊ

केरल के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान भले ही स्वतंत्र पार्टी, बीकेडी, कांग्रेस, जनता दल, बसपा और भाजपा जैसे राजनीतिक दलों के झंडाबंदार रहे, लेकिन कभी किसी के पिछलग्गू नहीं हुए। उसूलों पर आंच आई तो टकराने से नहीं चूके। बगावत की और अपना अलग रास्ता बना लिया। आरिफ ने अपने राजनीतिक सफर में सिर्फ अपने दिल की सुनी।

अनुच्छेद 370 हटाने और तत्काल तीन तलाक पर वह मोदी सरकार के समर्थन में दिखे तो शाहबानो केस में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के रवैये के विरोध में सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर के अनुप शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। भारतीय क्रांति दल के विजयी उम्मीदवार के 16866 मतों के सापेक्ष चौथे स्थान पर रहे आरिफ को 11301 मत मिले थे।

आपातकाल के बाद विपक्षी एका में जब पीलू मोदी भारतीय क्रांति दल (जनता पार्टी) में शामिल हुए तो उन्होंने आरिफ को टिकट देने का दबाव बनाया और फिर उन्हें सत्ता को लात मार दी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में 1951 में जन्मे और बाबरवस्ती से जुड़े आरिफ मुहम्मद खान ने स्वतंत्र पार्टी के बैनर तले पीपू मोदी से राजनीति का ककहश सीखा। 1974 में उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी, लेकिन वोटर लिस्ट में 25 वर्ष होने से वह बुलंदशहर

इंटरनेट के बिना भी आपस में बातचीत कर रहे आतंकवादी



प्रतीकात्मक तस्वीर।

कश्मीर घाटी में टेलीफोन और इंटरनेट सेवा बंद रखने के बावजूद पाकिस्तान अलगाववादियों और स्थानीय आतंकवादियों से विभिन्न ऑफलाइन एप्स और हार्ड-एनक्रिप्टेड एनॉनमस चैट प्लेटफार्म के माध्यम से बातचीत कर रहे हैं और कश्मीर के फर्जी वीडियो फैला रहे हैं। इन एप को ट्रैक करना भी बहुत कठिन काम है। इसके चलते सुरक्षा एजेंसियों के लिए मुश्किलें पैदा हो रही हैं।

जम्मू-कश्मीर के हालात पर अमेरिकी सांसद ने जताई चिंता

ह्यूस्टन, प्रे्ट्र : अमेरिका में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद बर्नी सैंडर्स ने जम्मू-कश्मीर को लेकर विवादित बयान दिया है। कहा कि वह कश्मीर के हालात को लेकर गंभीर चिंता में हैं। उन्होंने अमेरिकी सरकार से मांग की कि वह संयुक्त राष्ट्र के जरिये मामले के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मजबूती से बोले। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेट उम्मीदवार बनने को प्रयासरत बर्नी उत्तरी अमेरिका की इस्लामिक सोसायटी के वार्षिक समारोह में बोल रहे थे।

बर्नी ने जम्मू-कश्मीर में टेलीफोन, मोबाइल और इंटरनेट पर लगी रोक को तत्काल हटाए जाने की भी मांग की। भारत सरकार ने बीते पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया है और इससे पैदा होने वाले हालातों से निपटने के लिए वहां पर कुछ पाबंदियां लगा दी हैं। भारत सरकार ने इसे देश का अंदरूनी मसला बताया है जबकि पाकिस्तान मामले को तूल देने में लगा है। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा है कि इंटरनेट और फोन सेवाएं इसलिए रोक दी गई हैं क्योंकि आम जनता से ज्यादा आतंकी उनका फायदा उठा रहे थे और उनके जरिये अशांति फैला रहे थे। अमेरिका में मुस्लिमों के सबसे बड़े जमावड़े को संबोधित करते हुए बर्नी ने कहा, वह कश्मीर के हालात से बहुत चिंतित हैं। भारत की कार्रवाई अस्वीकार्य है। उन्होंने अमेरिकी सरकार से मांग की कि वह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का पूरी तरह से पालन करे और संयुक्त राष्ट्र के जरिये कश्मीर के लोगों की इच्छा का सम्मान कराए।

सरकार की रणनीति और अवाम की सूझबूझ से ही कश्मीर में अमन कायम

नवीन नवाज, श्रीनगर

केंद्र सरकार के रणनीतिकारों, सुरक्षा एजेंसियां और सुरक्षाबलों से लेकर कश्मीरी अवाम की सूझबूझ से घाटी के हालात नियंत्रण में हैं। क्योंकि राष्ट्र विरोधी तत्व लगातार हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पांच अगस्त से जारी अनिश्चितता के माहौल में पत्थरबाजी से जुड़ी 290 घटनाएं हुई हैं। अमेरिकी सरकार से मांग की कि वह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का पूरी तरह से पालन करे और संयुक्त राष्ट्र के जरिये कश्मीर के लोगों की इच्छा का सम्मान कराए।

देते हैं कि स्थिति नियंत्रण में हैं।

श्रीनगर में हुई सबसे ज्यादा घटनाएं : कश्मीर में अतीत के अनुभवों के आधार पर सभी मानकर चल रहे थे कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी में हिंसक प्रदर्शनों और पत्थरबाजी की घटनाएं पुराने रिकॉर्ड तोड़ देंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार 172 घटनाएं श्रीनगर शहर के भीतर या फिर इससे सटे इलाकों में हुई हैं। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में 22, उत्तरी कश्मीर के बारामुला में 18 के अलावा कई और इलाकों में छिटपुट घटनाएं होती रही। इस दौरान 17 अगस्त को वादी में पथराव, मारपीट और कानून व्यवस्था से जुड़ी 24 घटनाएं हुई हैं जो किसी एक दिन में होने वाली सबसे ज्यादा हैं।

पत्थरबाजी में पुलिस और आम लोग घायल : पत्थरबाजी की इन घटनाओं में घायल नागरिकों की संख्या 80 बताई जाती है। इसमें एक दर्जन पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बलों के जवान भी घायल हुए हैं। इनमें राज्य पुलिस का एक वरिष्ठ अधिकारी शामिल है। 27 दिनों में श्रीनगर में तीन लोगों की मौत का दावा

किया जात है। लेकिन पुलिस इससे इन्कार किया है।

पिछले वर्षों से तुलना करें तो हालात नियंत्रण में : राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2008, 2010 और 2016 के साथ अगर मौजूदा हालात की तुलना की जाए तो आप कह सकते हैं कि कश्मीर पूरी तरह शांत है। सामान्य परिस्थितियों में भी कश्मीर घाटी में रोजाना सात-आठ जगहों पर पथराव, राष्ट्र विरोधी प्रदर्शन, धरने या कानून व्यवस्था की स्थिति से जुड़े मामले दर्ज होते रहे हैं। इस बार जहां भी पथराव हुआ है, उसमें शामिल लड़कों की संख्या किसी जगह 20-25 तक सीमित रही है। बड़ी बात यह है कि इस बार पुलिस की गोली से किसी नागरिक की मौत नहीं हुई है। आंकड़ों के आधार पर आप कह सकते हैं कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, शोपियां और अनंतनाग के अलावा सेंट्रल कश्मीर में बड़गाम, गांदरबल और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बांडीपोर में 27 दिनों में सिर्फ 79 घटनाएं हुई हैं। आम लोग कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग कर रहे हैं।

नई दिल्ली, प्रे्ट्र : अगस्त महीने में करीब आधे भारत में औसत से अधिक बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त माह के दौरान हुई बारिश औसत से 15 फीसद ज्यादा थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब देश में औसत से अधिक बारिश दर्ज की गई। जुलाई में दीर्घकालिक औसत के मुकाबले 109 फीसद बारिश हुई, जबकि अगस्त में यह 115 फीसद पर पहुंच गई। हालांकि, जून महीने में एकपीए के मुकाबले सिर्फ 87 फीसद ही बारिश हुई थी। देश में बारिश का एलपीए फिलहाल 89 सेंटीमीटर है। यह मौसम के दौरान वर्ष 1951 से 2000 तक हुई बारिश का औसत है।

चालू महीने में सामान्य बारिश का अनुमान : आइएमडी पुणे के प्रमुख डी. पई ने बताया कि चार महीने तक चलने वाला बारिश का मौसम सितंबर में समाप्त हो जाता है। इस महीने सामान्य बारिश की उम्मीद है। उन्होंने

कहा है टॉर

डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू गीको एंड फ्लाइं डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक मेश नेटवर्क अभी काम करता है, जब दो या अधिक स्मार्टफोन एक दूसरे की में होते हैं। यह दूरी या कवरेज स्मार्टफोन के सिग्नल की मजबूती पर निर्भर करता है। यह एक से दूसरे मॉडल में अलग-अलग हो सकता है, जो कि सामान्यतः दो स्मार्टफोन के बीच 100 फीट होती है।

अन्य एप्स

वोजर एप एक फोन से सीधे दूसरे फोन में एनक्रिप्टेड मैसेज डिलीवर करता है। इस एप की मदद से लोग पहड़ों या उन स्थानों में कनेक्टेड हो सकते हैं, जहां किसी तरह का मोबाइल कवरेज नहीं है। सिफ्रोन एक ऐसा एप है, जो लोगों को कंटेन्ट फिल्टरिंग प्रणाली से बचाता है। यह एक आपन सोर्स वेब प्रॉक्सी है। एनक्रिप्टेड मैसेजिंग एप टेलीग्राम भारत में काफी लोकप्रिय है। इस एप का नया अपडेट जल्द जारी हो रहा है, जो हॉगकांग के प्रदर्शनकारियों को अपना फोन नंबर छुपाने में कारगर हो रहा है। इससे वे बिना किसी खतरे से आपस में संपर्क करने में सक्षम होंगे। इस एप के माध्यम से बिना किसी की नजर पड़े बातचीत की जा सकती है।



प्रतीकात्मक तस्वीर।

फायर चैट एप

यह एक नवीनतम एप है, जो यूजर्स को बिना इंटरनेट या मोबाइल कवरेज के आपस में संचार करने में सक्षम बनाता है। यह लोगों को एक दूसरे से जोड़कर दुनिया के किसी भी हिस्से में संचार करने में सक्षम बनाती है। यह एप ब्लूटूथ के माध्यम से फोन को आपस में कनेक्ट करता है। इससे लोग आसानी से निजी फोन कॉल कर सकते हैं, टेक्स्ट मैसेज भेज सकते हैं और फाइलों को भी साझा कर सकते हैं।

ऑफ द ग्रिड चैट एप्स

इस एप्स से लोग एक-दूसरे से बिना मोबाइल नेटवर्क के वाईफाई या ब्लूटूथ के माध्यम से 100-200 मीटर की रेंज में संपर्क कर सकते हैं। ये एप्स इंटरनेट कनेक्शन या 2 जी, 3 जी या 4 जी नेटवर्क कवरेज के बिना भी काम करते हैं, कुछ हद तक आइओएस और एंड्रॉइड के लिए उपलब्ध वॉकी-टॉकी एप की तरह। यह फेसबुक या वाट्सएप और मेश नेटवर्क की तरह काम करते हैं।

सिग्नल ऑफलाइन मैसेंजर

यह एक वाई-फाई आधारित एप है। इस एप्लीकेशन के साथ कोई भी 100 मीटर की दूरी तक इंटरनेट या स्थानीय नेटवर्क के बिना संवाद कर सकता है।



प्रतीकात्मक तस्वीर।

इस वर्ष अगस्त तक कश्मीर में 139 आतंकियों का हुआ सफाया

नई दिल्ली, आइएनएस : सेना ने इस वर्ष आठ माह में अगस्त माह तक जम्मू-कश्मीर के 139 आतंकियों का सफाया करने में सफलता प्राप्त की है। रक्षा सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रखा के पास घुसपैठ करते हुए भी कई आतंकियों को सेना ने मार गिराया था। इसके अलावा घाटी मेंअलग-अलग मुठभेड़ों में कई आतंकी मारे गए। सूत्रों ने बताया कि आतंकियों के मारे जाने का यह आंकड़ा एक जनवरी से लेकर 29 अगस्त तक का है। आतंकियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान इस अवधि में सेना के विभिन्न रैंक के 26 जवान भी शहीद हो गए। इस वर्ष आठ माह की अवधि में फरवरी माह में सबसे ज्यादा आठ जवान शहीद हुए। अगस्त माह में चलाए गए अभियान में सेना ने पांच आतंकियों को मार गिराया तथा एक आतंकी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

मई में सबसे ज्यादा 27 आतंकी मारे गए : सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ चलाया गया अभियान मई माह में सबसे ज्यादा सफल रहा। इस अकेले माह में इस वर्ष सबसे ज्यादा 27 आतंकियों का सफाया करने में कामयाबी मिली। इस वर्ष जनवरी से अगस्त माह के दौरान आतंकियों से मुठभेड़ से जुड़ी कुल

पाक सेना की पुंछ में भारी गोलाबारी, जवान शहीद

जागरण संवाददाता, पुंछ : अनुच्छेद 370 हटने के बाद से पाकिस्तान सेना आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए नियंत्रण रखा (एलओसी) पर लगातार गोलाबारी कर रही है। रविवार को पाक सेना ने जम्मू संभाग के पुंछ के शाहपुर सेक्टर में भारी गोलाबारी की। इस दौरान भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया। भारतीय सेना ने भी करारा जवाब दिया है। सीमा पार से काफी नुकसान की सूचनाएं हैं। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब डेढ़ बजे पाक सेना पुंछ के शाहपुर सेक्टर में अग्रिम चौकियों के साथ रियायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी शुरू की। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद पाक की ओर से गोलाबारी जारी रही। इस दौरान भारतीय सेना का एक जवान राजेंद्र कुमार घायल हो गया। उसे तुरंत अन्य जवानों ने अस्पताल पहुंचाया जहां उसने दम तोड़ दिया। सीमांत क्षेत्रों में लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। सेना के बड़े अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। कश्मीर से लेकर जम्मू संभाग में नियंत्रण रखा पर पाक सेना आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए आए दिन प्रयास कर रहा है। जवान पूरी तरह चौकस हैं। सीमा पार भी पाक सेना की हलचल तेज हो गई है।

- इस अवधि के दौरान सेना के 26 जवान भी शहीद
- यह आंकड़ा एक जनवरी से लेकर 29 अगस्त तक का है

सीजफायर उल्लंघन की घटनाएं बढ़ीं
अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद तो आतंकियों की घुसपैठ कराने के पाकिस्तान की ओर से काफी प्रयास किए गए। इसके लिए उसने सीजफायर का बार-बार उल्लंघन किया। 15 अगस्त के बाद पाकिस्तान की ओर सीजफायर उल्लंघन की 222 घटनाएं दर्ज की गईं। जुलाई माह में सबसे ज्यादा 296 सीजफायर उल्लंघन की घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस वर्ष आठ माह में पाकिस्तान की ओर से सीजफायर उल्लंघन की कुल 1889 घटनाएं दर्ज की गई जबकि गत वर्ष 2018 में सीजफायर उल्लंघन की कुल 1629 घटनाएं दर्ज की गई थीं।

87 घटनाएं दर्ज की गईं। जुलाई के आखिरी सप्ताह में पाकिस्तानी सेना के स्पेशल सर्विस ग्रुप के कमांडो की बाईर एक्शन टीम (बैट) के इमलों की भी सेना ने गिरफ्तार कर दिया और उसके चार से ज्यादा कमांडों को मार गिराया। पाकिस्तान ने इस वर्ष आतंकियों की घुसपैठ कराने की जोतोड़ कोशिश की।

कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा प्रबंध रहे कड़े

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : घाटी में रविवार को भी सामान्य जनजीवन की रफ्तार मिलीजुली रही। किसी भी अग्रिय घटना से निपटने के लिए प्रशासन ने सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त रखा। इसके बावजूद कई जगह पथराव की छिटपुट घटनाएं हुईं। हालांकि, पुलिस ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित और शांत बताया है। प्रशासन ने रविवार को भी वादी के 111 में से 96 पुलिस थाना क्षेत्रों में दिन की निषेधाज्ञा को हटाए रखा। दिनभर सड़कों पर आम लोगों और वाहनों की आवाजाही जारी रही। साप्ताहिक अवकाश के चलते सभी सरकारी कार्यालय, बैंक और शिक्षण संस्थानों के साथ सभी प्रमुख बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे, लेकिन विभिन्न इलाकों में रेहड़ी-फड़ी वाले अपने सामान के साथ नजर आए। ग्रीष्मकालीन राजधानी में सजने वाला संडे बाजार भी टीआरसी शार्डंड और शेर-ए-कश्मीर म्यूजिसिपल पार्क के पास तक सजा नजर आया। अन्य जगहों पर यह बाजार नहीं लगा। लोग भी बाजार में टेलों पर अपने जरूरत का सामान खरीदते देखे गए। प्रशासन ने वादी में व्यवधान डालने का प्रयास कर रहे तत्वों को नाकाम बनाने के लिए कड़ा बंदोबस्त रखा।



जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने पर रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कश्मीर के लिए बाइक रैली को झंडा दिखाकर रवाना किया।

जून में औसत के मुकाबले सिर्फ 87 फीसद वरसा था पानी

पूर्व और पूर्वोत्तर से रूठे बादल, उत्तर-पश्चिम में भी किया निराश
अगस्त के दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर संभाग में औसत से 38 फीसद, जबकि उत्तर-पश्चिम संभाग में एक फीसद कम बारिश हुई। पूर्वी और पूर्वोत्तर संभागों में पूर्वोत्तर के राज्य, बिहार, झारखंड, बंगाल तथा उत्तर-पश्चिम संभाग में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान आते हैं। इनमें गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व ओडिशा शामिल हैं। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात में अगस्त के दौरान जोरदार बारिश हुई, जिसके कारण वहां बाढ़ आ गई।

संत को ब्लैकमेल करने की साजिश में महिला पर मुकदमा

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

निरंजनी अखाड़े के सचिव और मंसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी को ब्लैकमेल करने की साजिश में पुलिस ने आरोपित महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नामजद काजल पुरी के अलावा और कौन-कौन लोग इस साजिश में शामिल है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक निरंजनी अखाड़े के गुरु निरंजन देव के शिष्य दिगंबर राज गिरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि कनखल एक पुजारी की पत्नी काजल पुरी से कुछ समय पहले उनकी मुलाकात हुई थी। इसके बाद वह लगातार कॉल, मैसेज और वीडियो कॉल करती रही। आरोप है कि कुछ दिन पहले काजल पुरी ने दिगंबर राज गिरी को अपने साथ साजिश में शामिल करने की कोशिश की। आरोपित महिला ने संत दिगंबर को कहा कि वह निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्र

- निरंजनी अखाड़े के सचिव को फंसाने की थी साजिश
- साजिश में शामिल अन्य लोगों का लगाया जा रहा है पता

पुरी को बैरागी कैप मंदिर लेकर आए। भोजन में दवाई डालने के बाद श्रीमहंत की अस्थील वीडियो बनाते हुए ब्लैकमेल कर वसूली की जा सकती है। आरोप है कि साजिश में शामिल नहीं होने पर काजल पुरी ने एक नाबालिग लड़की को उसके पीछे लगाकर 13 अगस्त को विकासनगर स्थित संत दिगंबर राज गिरि के आश्रम में भेज दिया। विकासनगर पुलिस ने इस लड़की को चार्ल्स हेल्थलाइन के सुपुर्द किया हुआ है। दिगंबर गिरि की तहरीर पर पुलिस ने काजल पुरी पत्नी दीपक पुरी निवासी बैरागी कैप कनखल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसओ कनखल हरिओम राज चौहान ने मुकदमा दर्ज कर हर पहलु पर जांच शुरू कर दी गई है।

बंगाल में भाजपा सांसद अर्जुन सिंह पर हमला, कार में तोड़फोड़

आरोप ► कहा– पुलिस आयुक्त ने किया डंडे से प्रहार, हमले में फटा सिर

जागरण संवाददाता, बैरकपुर

बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के श्यामनगर में रविवार को बैरकपुर से भाजपा सांसद अर्जुन सिंह पर तृणमूल कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया। उनकी कार में भी तोड़फोड़ की गई। हमले में सांसद का सिर फट गया। उन्हें छह टांके लगे हैं। अर्जुन सिंह ने हालांकि सीधे तौर पर बैरकपुर के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा पर उनके सिर पर डंडे से प्रहार कर जखमी करने का आरोप लगाया है। हमले के विरोध में भाजपा ने सोमवार को बैरकपुर संसदीय क्षेत्र में सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक 12 घंटे का बंद बुलाया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक श्यामनगर के फीडर रोड स्थित भाजपा के पार्टी कार्यालय पर रविवार को तृणमूल कार्यकर्ताओं ने कब्जा जमा लिया। खबर पर जब भाजपा सांसद अर्जुन सिंह वहां पहुंचे तो उनकी गाड़ी पर हमला किया गया। बेलचा से उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए। हमले में सांसद का सिर फट गया। उन्हें इलाज के लिए भाटपाड़ा स्टेट जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके सिर पर छह टांके लगे हैं। उनकी की खबर फैलते ही बैरकपुर के वायरलेस मोड़, आमडांगा, कल्याणी एक्सप्रेसवे, घोषाड़ा रोड , कांचापाड़ा के गांधी मोड़ समेत कई जगहों पर

तमिलनाडु के नौ दृष्टिबाधितों ने बनाया सबसे बड़ा जूट बैग



इस बैग की लंबाई 66 फीट तो चौड़ाई 33 फीट है।

एएनआइ

कोयंबटूर, एएनआइ : प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने को लेकर जागरूकता फैलाने व गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह पाने के उद्देश्य से तमिलनाडु के नौ दृष्टिबाधितों ने दुनिया का सबसे बड़ा जूट बैग बनाने का दावा किया है। पांच घंटे में बनाए गए इस बैग की लंबाई 66 तथा चौड़ाई 33 फीट है।

कोयंबटूर में शुक्रवार को बनाए गए इस बैग की सिलाई में किन्नर समुदाय की सदस्यों व एक तकनीकी संस्थान के छात्रों ने दृष्टिबाधित लोगों की मदद की। इस प्रयास से जुड़े युवा फाउंडेशन

दूल्हे की तलवार से बालक की मौत पर 12 साल की सजा

नईदुनिया, नीमच : मध्य प्रदेश के नीमच जिले में करीब दो साल पहले शादी की रस्म निभाने के दौरान जिस दूल्हे की तलवार से 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई थी, उस दूल्हे को कोर्ट ने 12 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। जर्मुना भी लगाया गया है।

जिला लोक अभियोजन कार्यालय की मीडिया सेल प्रभारी व एडीपीओ रितेश कुमार सोमपुरा ने बताया कि फैसला मनासा के अपर सत्र न्यायाधीश आरके शर्मा ने सुनाया है। घटना 20 अगस्त 2017 को रात करीब 10 बजे रामपुरा में गांधी सागर रिंग वॉल के समीप भोई मोहल्ला की है।इस दिन दूल्हा फूलचंद (25) की बारात निकल रही थी।

इसमें फरियादी भीनीशंकर व उसका 10 वर्षीय बेटा हेमंत भी शामिल था। इस दौरान रीति-रिवाज के अनुसार दूल्हे को घोड़ी से उतरकर झाड़ी को सांकेतिक रूप से काटना था। झाड़ी के आसपास कई लोग थे। इस दौरान दूल्हब बने फूलचंद ने तलवार चलाई तो तलवार बालक हेमंत के पेट में घुस गई। उसे रामपुरा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे नीमच रेफर किया गया। वहां हेमंत की मौत हो गई। हेमंत के पिता भीनीशंकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बैठक

राज्य में बाघों की तादाद 442 पहुंच चुकी है, जबकि 1813 है हाथियों की संख्या, वन्यजीवों के बड़े कुनबे के हिसाब से जंगल हैं या नहीं, अब होगा इसका अध्ययन



बंगाल के नाथ 24 परगना जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान गंभीर रूप से घायल भाजपा के सांसद अर्जुन सिंह।



भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर विरोध जताया। देखते ही देखते कांकीनाड़ा व भाटपाड़ा में, अघोषित बंद जैसे हालात हो गए। दुकान-बाजार बंद हो गए।

लोग घरों में दुबक गए। सर्कस मोड़ पर सांसद के विधायक बेटे पवन सिंह के नेतृत्व में चल रहे सड़क जाम को हटाने पहुंची पुलिस पर अवरोधकारियों ने पथराव किया। हलात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। बैरकपुर के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा व डीसीपी अजय ठाकुर हथ में सर्विस रिवाल्वर लेकर अवरोधकारियों को खदेड़ते नजर आए। इस दौरान कई जगहों पर बमबाजी भी हुई।

पुलिस ने की सांसद के घर में घुसने की कोशिश : हंगामे के बीच पुलिस आयुक्त व डीसीपी सांसद के निवास स्थल मजदूर भवन पहुंचे। घर के दरवाजे पर अंदर से ताला लगा था। पुलिस अधिकारियों ने दरवाजा जबरदस्ती खलवाकर घर में घुसने का प्रयास किया। घरवालों ने पुलिस का विरोध किया और ताला नहीं खोला। सांसद के घर में घुसने की कोशिश के बीच महिला भाजपा कार्यकर्ताओं का एक दल मजदूर भवन के सामने पहुंचा और दरवाजे के सामने खड़े होकर प्रतिरोध किया। इसके बाद महिला रेफ व कांबैट फोर्स की बुलाकर बलपूर्वक उन महिलाओं को थाने ले जाया गया।

खुद के बनाए स्पाइक होल में गिरा नक्सली, जवानों ने बचाई जान

नईदुनिया, दतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दतेंवाड़ा में फोर्स की मानवीय पहल ने एक नक्सली की जान बचाई। ऐसा नक्सली जिसने साथियों के साथ जवानों की जान लेने के लिए स्पाइक होल बनाया था लेकिन वह खुद ही होल में जा गिरा। साथी नक्सली उसे छोड़ भागे पर गश्त पर निकले जवानों ने उसे निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड के जवान शनिवार को नागलगुडा पहाड़ी इलाके में पहुंचे तो पहाड़ी पर बनाए गए झाड़ियों से ढके स्पाइक होल से करघने की आवाज आई। जवानों ने देखा कि बड़े पथर को खिसका कर पहाड़ी पर गड़ड़ा बनाया गया था जिसमें एक युवक गिर कर घायल हो गया था। जवानों ने से निकाला। पूछताछ में उसने अपना नाम भीमा (30)पुत्र मडकम हिड्मा निवासी नागलगुडा बताया। उसने बताया कि वह नक्सलियों की ग्राम कमेटी का अध्यक्ष है। उसके साथी नक्सली उसे निकालने का प्रयास कर रहे रहे थे भी फोर्स को आता देख भाग खड़े हुए।

उत्तर प्रदेश में बच्चा चोरी के शक में दो को मार डाला

जेएनएन, लखनऊ

बच्चा चोरी के शक में उप्र के अवध क्षेत्र में दो लोगों की हत्या कर दी गई। शनिवार रात सुलतानपुर के कूरेंगार थाना क्षेत्र स्थित पीरो सरैया गांव में विंक्षिप्त महिला को पेड़ से बांधकर लोगों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। पुलिस ने 10 नामजद समेत 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इधर, पड़ोसी जिले अमेठी में भी इसी आरोप में सोनभद्र के रामवचन और प्रतापगढ़ के राजकुमार की हालत नाजुक देखकर लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

एक अन्य घटना में सुलतानपुर जिले के ही अखंडनगर थाना क्षेत्र के मौपुरा प्रतापपुर गांव में एक बच्चा चोरी की आशंका पर एक मानसिक रूप से विंक्षिप्त महिला आई और उत्तर बेटे की चारपाई के पास जाकर चादर खींचने लगी। यह देख कर्मू महिला को पकड़कर पीटने लगे। शोर होने पर अनजुल लोग भी आ गए और सभी ने महिला को पीटकर अधमरा कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत गई। हालांकि, सीओ दलबीर सिंह ने बच्चा चोरी की बात से इन्कार किया है। उन्होंने बताया कि मामला लोटा चोरी का है। मुख्य आरोपी कर्मू को गिरफ्तार कर अन्य की तलाश की

जा रही है। बच्चा चोरी के शक में दूसरी हत्या अमेठी जिले में हुई। अमयेमाफी गांव मार्ग से पिकअप से आधा दर्जन से अधिक लोग जा रहे थे। इस बीच किसी ने गांव में बच्चा चोरी की अफवाह फैला दी। लोगों ने पिकअप गैक ली और सभी की जमकर पिटाई कर वाहन को पलट दिया। सभी को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सोनभद्र निवासी 33 वर्षीय सियाराम की मौत हो गई। सोनभद्र के रामवचन और प्रतापगढ़ के राजकुमार की हालत नाजुक देखकर लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

एक अन्य घटना में सुलतानपुर जिले के ही अखंडनगर थाना क्षेत्र के मौपुरा प्रतापपुर गांव में एक बच्चा चोरी की आशंका पर एक मानसिक रूप से विंक्षिप्त युवक भी पीड़ का निशाना बन गया। पीटने के बाद हाथ बांधकर दो युवक उसे बाइक से लेकर कहीं जाते लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे मुक्त कराया।

इसी तरह हरदोई में मल्लावां कोतवाली के गांव खद्वीपुर में रविवार सुबह एक दाढ़ी वाले को बच्चा चोर समझकर पीटकर मरणासन्न कर दिया गया। उसका इलाज चल रहा है। वहीं, सीतापुर के रामकोट क्षेत्र स्थित गांव नेरी कलां में भी इसी आरोप में एक व्यक्ति को पीट दिया।

बदरीनाथ धाम में चौथे दिन भी फंसे रहे 1300 श्रद्धालु

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड में बारिश और भूस्खलन ने चारधाम यात्रा मार्गों पर दिक्कतें खड़ी की हुई हैं। शनिवार रात हुई बारिश से रविवार पूरे दिन हाईवे बंद और खुलते

रहे। बदरीनाथ हाईवे चमोली के लामबगड़ में चौथे दिन भी पूरी तरह अवरुद्ध रहा। करीब 1300 यात्री अभी

भी बदरीनाथ धाम में फंसे हुए हैं, जबकि डेढ़ हजार यात्री पैदल रास्तों से वापस लौट आए हैं। राज्य मौसम केंद्र ने देहरादून और नैनीताल समेत छह जिलों में अगले 24 घंटों के अंतराल में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

रविवार को हालांकि दिन में मौसम साफ रहा, लेकिन बदरीनाथ हाईवे लामबगड़ में चौथे दिन भी नहीं खुल पाया। यहां पर पहाड़ी से चट्टान खिसक आने से हाईवे का काफी हिस्सा ध्वस्त हो गया था। इससे पैदल रास्ता भी क्षीणग्रस्त हो गया था। चार दिनों से यहां पर हाईवे को दुरुस्त करने का काम चल रहा है, लेकिन पहाड़ी से गिर रहे पथरों की वजह से बीच-बीच में काम रोकना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग अवरुद्ध होने के कारण यात्री अलकनंदा नदी के किनारे बनाए गए पैदल मार्ग से आवाजाही कर रहे हैं। प्रशासन पुलिस सुरक्षा में यात्रियों की आवाजाही करा रही है। वहीं, निजी वाहनों से बदरीनाथ धाम पहुंचे लगभग 1300 हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इसकी वजह से यात्रियों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कोर्ट के फैसले तक रुकीं दोनों मुकदमों की विवेचना

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद पर आरोप लगाने वाली छात्रा सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में बयान दर्ज कराएगी। इस प्रकरण में छात्रा के पिता की ओर से स्वामी चिन्मयानंद पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। वहीं स्वामी चिन्मयानंद के प्रवक्ता पांच करेड़ की रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज कर चुके हैं। दोनों मामलों की विवेचना फिलहाल पुलिस ने रोक दी है। पुलिस मान रही है कि दोनों मुकदमे एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अब कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रही है।

पहला मुकदमा : 22 अगस्त को स्वामी चिन्मयानंद के प्रवक्ता एवं अधिवक्ता ओम सिंह की ओर से चोिक कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसमें कहा गया कि अनजान नंबर से चिन्मयानंद के वाट्सएप पर मैसेज भेजकर पांच करेड़ की रंगदारी मांगी गई। रुपये नहीं देने पर बदनाम करने की धमकी दी गई।

दूसरा मुकदमा : 24 अगस्त को स्वामी चिन्मयानंद के कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने वीडियो वायरल किया। जिसमें किसी का नाम लिए बिना कहा कि एक संत समाज का नेता शोषण कर रहा। इसके बाद छात्रा लापता हो गई। 127 अगस्त को छात्रा के पिता ने पुलिस को तहरीर दी कि स्वामी चिन्मयानंद ने उनकी बेटी को अमवा करा दिया है। तहरीर में उन्होंने लिखा कि बेटी व अन्य छात्राओं का शारीरिक शोषण, दुष्कर्म भी किया गया।

नेशनल न्यूज

ग्वालियर एयरपोर्ट पर बाल-बाल बचे सांसद रवि किशन

चिन्मयानंद प्रकरण

आज सुप्रीम कोर्ट में पेश होगी आरोप लगाने वाली छात्रा

छात्रा के पिता ने कराई है अपहरण की रिपोर्ट तो चिन्मयानंद की ओर से है रंगदारी मांगने का मुकदमा

धर्मशाला में रुकी थी आरोप लगाने वाली छात्रा

जागरण संवाददाता, जयपुर : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद पर यीन शोषण का आरोप लगाने वाली लड़की राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मेहदीपुर बालाजी की एक धर्मशाला में अपने साथी के साथ तीन दिन तक रुकी थी। युवक ने ही अपनी आइडी से यहां धर्मशाला में कमरा बुक कराया था। वहां रहते हुए साथी ही कमरे से बाहर निकलता था। धर्मशाला प्रबंधन के अनुसार, युवक ने ही किराया चुकाया था। मेहदीपुर बालाजी पुलिस के अनुसार, उप पुलिस की टीम शुक्रवार को बिना राजस्थान पुलिस को जानकारी दिए धर्मशाला में पहुंची और दोनों को अपने साथ ले गई थी। पुलिस टीम अपने साथ बुकिंग रजिस्टर का पेज भी फाड़कर ले गई। इसी रजिस्टर में साथी और छात्रा के नाम-पते लिखे हुए थे। तहरीर दी कि स्वामी चिन्मयानंद ने उनकी बेटी को अमवा करा दिया है। तहरीर में उन्होंने लिखा कि बेटी व अन्य छात्राओं का शारीरिक शोषण, दुष्कर्म भी किया गया।

महंगा पड़ा जेल में कुख्यात का जन्म दिन मनाया, सात जेलकर्मों निलंबित

जागरण संवाददाता, सीतामढ़ी

बिहार के सीतामढ़ी के मंडल कारा में बंद शातिर पिटू तिवारी उर्फ पिटू झा की बर्थ डे पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन में आए कारा प्रशासन ने सात कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें तीन उप कक्षपाल और चार कक्षपाल शामिल हैं।

यह कारंवाला आइजी कारा मिथिलेश मिश्रा ने की है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही मुजफ्फरपुर के न्द्रीय कारा अधीक्षक के नेतृत्व में जांच टीम गठित की है। जेल अधीक्षक राजेश कुमार राय ने मामले में सात कर्मियों के निलंबन की पुष्टि की है। यह मामला सामने आने के बाद कारा विभाग में हड़कंप मचा है।

शनिवार शाम सीतामढ़ी जेल में बर्थ डे पार्टी का वीडियो वायरल हुआ था। यह वीडियो 28 अगस्त का है। इसमें जेल में बंद दरभंगा डबल एंजीनियर मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे शिवहर निवासी शातिर पिटू, तिवारी उर्फ पिटू झा केक काटते दिख रहा था। वहीं, शातिर सत्येंद्र ठाकुर, धीरज जायसवाल समेत कई बंदी जश्न मनाते दिखे। अन्य बंदी मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। यह वीडियो

नईदुनिया, ग्वालियर : फिल्म अभिनेता और गोरखपुर से सांसद रवि किशन रविवार को ग्वालियर एयरपोर्ट पर दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। वहां यहीं एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। वापसी के समय जब उनका चार्टर्ड प्लेन मुंबई रवाना होने के लिए रनवे पर दौड़ रहा था, तभी इंजन में खरबी आ गई। इससे तेज झटके लगे। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर फ्लाइट को रोक़ा। इसके बाद रवि किशन एयर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली रवाना हुए।

इस घटना को जिला प्रशासन ने भी काफी गंभीरता से लिया है। कलेक्टर ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से पूरे मामले की जानकारी ली है। हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी का कहना था कि फ्लाइट का इंजन स्टार्ट हो नहीं हुआ था। राजमाता विजयाराजे विमानतल के डायरेक्टर वसीम अहमद अंसारी ने कहा कि दुर्घटना जैसी कोई बात नहीं है। उनकी फ्लाइट का इंजन एयरपोर्ट पर स्टार्ट ही नहीं हुआ, इसलिए फ्लाइट टेकऑफ़ हो नहीं हो सकी। वहीं, सांसद रवि किशन के निज सचिव शिवम कुमार ने कहा कि हमारा विमान सचिव पर दौड़ रहा था। इसी बीच तेजी से झटके लगे, पायलट को अहसास हुआ कि इंजन में खरबी है तो उसने विमान को रोक दिया। हम बाल-बाल बच गए।

रवि किशन राज्यसभा सदस्य प्रभात झा के स्वेच्छानुदान राशि वितरण समारोह में शामिल होने आए थे। उन्होंने इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित किया।

सीतामढ़ी जेल में बंद है डबल इंजीनियर मर्डर केस में उपक्रेद काट रहा शातिर पिटू तिवारी

आइजी कारा ने की कारंवाई , मामले की जांच के लिए है आदेश

वाट्सएप और यूट्यूब पर वायरल हो गया। बर्थ डे पार्टी में बंदियों ने जमकर सेल्फी ली। गुब्बारे पेड़ पर लगा दिए गए। करीब दो घंटे तक हुई बर्थ डे पार्टी के दौरान जेल में जश्न का माहौल रहा।

हैरत की बात यह कि केक समेत तमाम सामग्री जेल में बाहर से लाई गई। वीडियो में कई बंदी कीमती स्मार्ट फोन से वीडियो बनाते और फोटो लेते दिखे। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद जेल प्रशासन ने इससे उन्माद उभ के निलंबित को निलंबित कर दिया। उनके निर्देश पर जेल अधीक्षक ने शनिवार रात जेल में छापेमारी की। जेल अधीक्षक ने खुद मामले की जांच की, जिसमें तीन और कर्मियों को दोषी पाया। यहां कई आपत्तिजनक सामग्री भी मिलने की सूचना है। प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है।

अब्बासी का गणेश प्रेम, बना दी गणेश की पांच हजार पेंटिंग

जागरण संवाददाता, जोधपुर : कला भी एक प्रकार की साधना है और अगर कला ही इबादत का माध्यम बन जाए तो ऐसी कला और कलाकार लोगों के जहन में अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। इसकी मिसाल हैं, राजस्थान के जोधपुर निवासी वयोवृद्ध चित्रकार सैयद मेहर अली अब्बासी। 70 साल से उन्माद उभ के अब्बासी ने भगवान गणेश के प्रेम से प्रभावित होकर पांच हजार से अधिक पेंटिंग बना दी है। अब्बासी का यह गणेश प्रेम हिंदू-मुस्लिम भावना से ऊपर कला को धर्म रूप में स्थापित करने का जीवंत प्रमाण है।

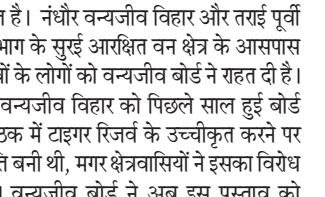
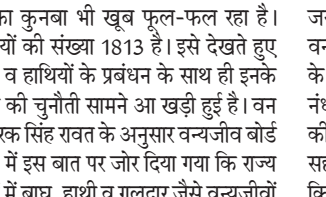
अब्बासी लगभग 50 वर्षों से पेंटिंग और क्राफ्ट पर काम कर रहे हैं। विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त होने के बाद अब वह रोज करीब 18 घंटे अपनी कला को देते हैं। उन्होंने 10 हजार से भी ज्यादा पेंटिंग और क्राफ्ट के काम किए हैं। इनमें से करीब 5000 तो अकेले भगवान गणेश पर हैं। उनका कहना है कि भगवान गणेश वाली उनकी अधिकतर पेंटिंग बिक चुकी है। भगवान गणेश की पेंटिंग के लिए उन्होंने हिंदू धर्म का गहराई से अध्ययन किया है। अब्बासी ने गणेश की कृतियों को नए-नए रूप दिए हैं। उन्होंने लगभग 30 गुना शो में हिस्सा लिया है।

गणेश महोत्सव के कारण पुरी में मठों को तोड़ने का अभियान स्थगित

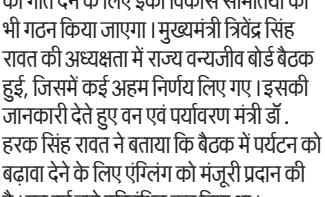
जेएनएन, भुवनेश्वर

श्रीक्षेत्र धाम पुरी में श्रीमंदिर के चारों ओर 75 मीटर के दायरे में आने वाले मठों को तोड़ने का अभियान सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ऐसा सोमवार को गुणेश महोत्सव को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह जानकारी पुरी जिला के जिलाधिकारी के स्थान पर आया कि धर्म रूप में स्थापित करने का जीवंत प्रमाण है।

श्रीमंदिर के चारों तरफ स्थित अतिक्रमण हटाने पर बंद अभियान के तहत एमार मठ के साथ रविवार को बड़अखाड़ा मठ एवं सानछता मठ को भी तोड़ा जाना था, लेकिन इसे सोमवार तक स्थगित कर दिया गया। इसे अब मंगलवार को तोड़ा जाएगा। इससे पहले प्रशासन ने रघुनंदन दलाइरी तोड़ने के बाद एमार मठ में मिले भूतल कक्ष तथा दुकान के साथ अन्य आवासों को ध्वस्त कर दिया है। फिलहाल एमार मठ से मलबा हटाने और

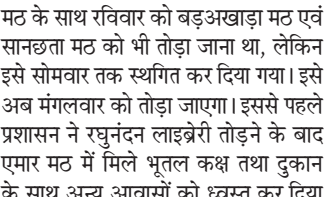


हो संख्या प्रबंधन के लिए दीर्घकालिक नीति की जरूरत है। नंधीर वन्यजीव विहार और तराई पूर्वी वन प्रभाग के सुर्ख आरक्षित वन क्षेत्र के आसपास के गांवों के लोगों को वन्यजीव बोर्ड ने रहत दी है। नंधीर वन्यजीव विहार को पिछले साल हुई बोर्ड की बैठक में टाइगर रिजर्व के उच्चकोटि करने पर सहमति बनी थी, मगर क्षेत्रवासियों ने इसका विरोध किया। वन्यजीव बोर्ड ने अब इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।



उत्तराखंड की सभी नदियों में होगी फिश एंग्लिंग

राज्य ब्यूरो, देहरादून : प्रदेश में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राज्य वन्यजीव बोर्ड ने एक अहम कदम उठाया है। इसके तहत अब प्रदेश की सभी नदियों में मत्स्य आखेट (एंग्लिंग) को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके अलावा मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए ग्रामीणों की सहायता से ही वॉलेटरी विलेज प्रोटेक्शन फोर्स के गठन का निर्णय लिया गया है। फोर्स किसी भी वन्यजीव-मानव संघर्ष वाले क्षेत्र में फस्ट रिस्पांडर के रूप में कार्य करेगी। इसके साथ ही प्रदेश में संरक्षित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए इको विकास समितियों की गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विवेक सिंह रावत की अध्यक्षता में राज्य वन्यजीव बोर्ड बैठक हुई, जिसमें कई अहम निर्णय लिए गए। इसकी जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने बताया कि बैठक में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एंग्लिंग को मंजूरी प्रदान की है। गत वर्ष इसे प्रतिष्ठित कर दिया था।



उत्तराखंड की सभी नदियों में होगी फिश एंग्लिंग

उत्तराखंड में बाघ-हाथियों की संख्या बढ़ी, प्रबंधन की चुनौती



दोनों टाइगर रिजर्व के साथ ही 13 वन प्रभागों में हाथियों का कुनवा भी खूब फूल-फल रहा है। यहां हाथियों की संख्या 1813 है। इसे देखते हुए अब बाघ व हाथियों के प्रबंधन के साथ ही इनके वासस्थल की चुनौती सामने आ खड़ी हुई है। वन मंत्री डॉ.हरक सिंह रावत के अनुसार वन्यजीव बोर्ड की बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि राज्य के जंगलों में बाघ, हाथी व गुलदार जैसे वन्यजीवों की धारण क्षमता का आकलन जरूरी है। साथ



विचार



दैनिक जागरण

बुरे वक्त की एक अच्छी बात यह होती है कि वह भी गुजर जाता है

मंदी का मुकाबला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भले ही सीधे तौर पर यह मानने से इन्कार कर रही हैं कि अर्थव्यवस्था सुस्ती की चपेट में आ गई है, लेकिन यथार्थ यही है कि मंदी ने दस्तक दे दी है। जब आर्थिक विकास दर के आंकड़ों के साथ अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक बनने वाले कई प्रमुख सेक्टर निराशाजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं तब मंदी की हकीकत को स्वीकार करना ही समझदारी है। अगर मंदी का माहौल नहीं है तो फिर क्या कारण है कि एक साथ कई सेक्टर गिरावट से ग्रस्त हैं? वित्त मंत्री मंदी के पीछे के उन कारणों से असहमत हो सकती हैं जो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गिनाए, लेकिन वह इसकी अनदेखी नहीं कर सकती कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ गई है और उसका असर भी दिखने लगा है। इस असर को वह महसूस कर रही हैं, इसका प्रमाण उनका यह कथन है कि वह उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मिल रही हैं और उनकी समस्याएं सुन रही हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि उद्योग जगत सरकार से क्या चाहता है, लेकिन जरूरी केवल यह नहीं कि उसकी समस्याओं का समाधान हो, बल्कि यह भी है कि सरकार मौजूदा हालात से निपटने के लिए हर संभव उपाय करती हुई दिखे। इससे ही उद्योग जगत के साथ आम आदमी को भरोसा पैदा होगा।

सरकार को इससे परित्वित होना चाहिए कि आर्थिक माहौल के निर्माण में भरोसे की एक बड़ी भूमिका होती है। स्पष्ट है कि सरकार को मंदी के कारणों का निवारण करने के साथ ही सकारात्मक माहौल का निर्माण करने के लिए भी सक्रिय होना होगा। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि आसार इसी के अधिक हैं कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के आंकड़े भी जोड़ींगी में गिरावट के रूख को दर्शाएँ। इस गिरावट के सिलसिले से जल्द उबरने के लिए जो भी कदम उठाए जा रहे हैं उनका जमीन पर क्या असर हो रहा है, इसकी सतत निगरानी भी आवश्यक है। वित्त मंत्री की ओर से आर्थिक माहौल को मजबूती देने के लिए हाल में कई कदम उठाए गए हैं और उनकी ओर से यह संकेत दिए गए कि ऐसे ही कदम आगे भी उठाए जाएंगे। बेहतर हो कि ये कदम ऐसे हों जिससे उद्योग जगत कहीं अधिक सक्षम और प्रतियस्धी बन सके। नि:संदेह इसके लिए उद्योग जगत को खुद भी सक्रिय होना होगा। जहां उसे अपने बलबूते आगे बढ़ने की क्षमता अर्जित करनी होगी वहीं सरकार को यह देखना होगा कि इसके लिए अनुकूल माहौल कैसे निर्मित हो? इस क्रम में यह समझना ही होगा कि श्रम कानूनों में बदलाव के साथ अन्य लंबित सुधारों को आगे बढ़ाने और देरी नहीं होनी चाहिए।

स्वस्थ और स्वच्छ बिहार

शराबबंदी के बाद बिहार सरकार ने अब नशा मुक्त बिहार की ओर एक और कदम बढ़ाया है। प्रदेश में 12 तरह के पान मसालों पर रोक लगा दी गई है। यह रोक फिलहाल साल भर के लिए लगाई गई है। शराबबंदी के फैसले का जिस तरह समाज के हर वर्ग में स्वागत किया था, उसी तरह पान मसाला पर रोक से भी प्रदेश के लोग खुश हैं। दरअसल जिन पान मसालों के नमूने लिए गए थे उनमें मैग्नीशियम कार्बोनेट पाया गया है। इससे एक्यूट हाइड्र मैग्नेशिया, कार्डिएक अरेस्ट जैसी कई तरह की गंभीर बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। इसके साथ ही इन पान मसालों के साथ जो तंबाकू मिलाया जाता है उससे मुंह के कैंसर का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। देखा गया है कि हाल के वर्षों में इस तरह के मामले काफी बढ़ गए हैं। दरअसल बिहार पान के लिए प्रसिद्ध रहा है। पान वाले की संस्कृति से सीधे जुड़ा हुआ है। मुखशुद्धि के रूप में लोग इसका इस्तेमाल करते रहे थे। इसी प्रवृत्ति को देखते हुए कुछ दशक पहले पान मसाला का प्रचलन शुरू हुआ। बाद में गुटखा के रूप में यह युवाओं को लती बनाने लगा। कम उम्र के कारण किशोर इससे होने वाले नुकसान को नहीं समझ सके और समय के साथ वह आदी होते चले गए। बाद में इसे छोड़ना शुरू करने के लिए मुश्किल साबित होने लगा। कई बार मुंह के कैंसर के रूप इसका दुष्परिणाम सामने आया। कम उम्र में कार्डिएक अरेस्ट के मामले सामने आने लगे। स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं पैदा होने लगीं जिससे सीधे तौर पर वे अंजान रहते हैं। इसका असर उनके घर-परिवार पर पड़ता है। इलाज के रूप में एक भारी-भरकम गशि खर्च करनी पड़ती है। पीड़ित व्यक्ति को जब तक इसका अहसास होता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ऐसी स्थिति में सरकार का यह कदम समाज को नई दिशा दे सकता है। हालांकि सरकार की यह कोशिश तभी सफल होगी जब इसे सख्ती से लागू किया जाएगा। चेक प्वाइंट पर पूरी सख्ती बतानी होगी। संभव है, रोक के बाद आस पास के राज्यों से तस्करी बढ़ जाए। लिहाजा सरकार को हर कदम पर नजर रखने की जरूरत है। इसके साथ ही इस फैसले का दूसरा असर स्वच्छता से भी जुड़ा हुआ है। जगह-जगह पान मसाला खाकर थ्रुकने से गंदगी फैलती है। सरकारी दफ्तरों की दीवारों की बदरंग तस्वीरें अक्सर सामने आती रहती हैं। इसके अलावा ट्रेन, बस और अन्य सार्वजनिक जगहों पर इस तरह की गंदगी दिख जाती है। मुमकिन है, अब यह दृश्य नहीं देखने को मिले।

भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक जंग

गत दिनों पुराने मित्र घर आए, ताज्जुब भी हुआ कि इतने दिनों बाद! कहने लगे कि फलां व्यक्ति पर मुझे तरस आता है। मैंने पूछा कि क्या हुआ? वे कहने लगे कि अभी दो दिन पहले उनसे बात हुई है, कह रहे थे कि इतना पैसा कमा लिया है कि इस पैसे को कहा रखें, समझ नहीं आता! सारे घर भर गए हैं, जगह नहीं है, लेकिन पैसा तो आ ही रहा है। उनके लिए पैसा समस्या बन चुका है, लेकिन स्रोत बंद नहीं किए जाते। जितना जनता से ले सको ले लो, जितना सरकार से बचा सको बचा लो, बस यही बाव हर पैसे वाले के दिमाग में रहती है। पैसा कमा होता रहता है, काले पैसे को छिपाने के लिए राजनीति का सहारा लिया जाता है। फिर उस पैसे को शादी समारोह में फूंकने की कोशिश की जाती है, लेकिन जनता से खींचना और सरकार से बचाना बंद नहीं होता। यह हमारे स्वभाव में आ जाता है। किसी दिन पाप की गठरी भर जाती है और फिर ऐसे लोग विजय माल्या बन जाते हैं। सुभाष मित्र इस गंभीर समस्या को बता रहे थे और भाग को यह समस्या एक पूर्व वित्त मंत्री की गिरफ्तारी की खबर से और बड़ी होकर सामने आ गई। शरीर में हम जब बहुत ज्यादा शर्करा एकत्र



हृदयनारायण दीक्षित

आलोचना सुधार की सूत्रधार है। आलोचना और असहमति के अभाव में लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं। मगर रचनात्मकता से रहित आलोचना भी निरर्थक है

मनुष्य प्रकृति का चिंतनशील प्राणी है। वह प्रतिपल सोचता है। सोच-विचार के नए क्षेत्रों में प्रवेश करता है। चिंतन विवेचन से अंत में प्राप्त निष्कर्ष को सिद्धांत कहा जाता है, लेकिन सिद्धांत निरपेक्ष नहीं होते। सिद्धांत या वाद के प्रतिवाद भी होते हैं। इनकी आलोचना भी होती है। आलोचना निंदा नहीं है। भारतीय चिंतन में आलोचना रचनात्मक गतिविधि है। लोकमंगल की साधना में आलोचना का भी सदुपयोग है। सोचने की भारतीय दृष्टि में कटु आलोचना का भी स्वागत रहा है। कबीर ने निंदक को भी अपने आंगन में आश्रय देने का उपदेश दिया है। आलोचना पूरक और वैकल्पिक विचार भी होती है, लेकिन भारतीय राजनीति में रचनात्मक आलोचना नहीं है। यहां आलोचना का अर्थ व्यक्तिगत आरोप हैं। विपरीत विचार के प्रति आदरभाव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में ‘रचनात्मक आलोचना के स्वागत व आदर’ की बात कही है। भारतीय विवेक में विपरीत विचार का आदर रहा है। मोदी ने ठीक कहा है कि ‘सार्वजनिक जीवन में विभिन्न विचारधाराओं वाले व्यक्ति व संगठनों के बीच संवाद होना चाहिए। विपरीत विचारधाराओं को सुनने की सभ्यता शालीनता भी होनी चाहिए।’

सत्य सार्वभौम और सार्वकालिक होता है। भारतीय चिंतन के अनुसार सत्य पर देशकाल का प्रभाव नहीं पड़ता इसलिए सबके अपने निजी सत्य नहीं हो सकते। सत्य लोकमंगल



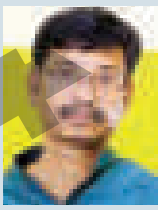
भिन्न रहना कोई अवगुण नहीं है। मोदी ने ठीक ही कहा कि बहुत लोगों की सोचने की शैली लोगों की रचनात्मक आलोचना की मुझे प्रतीक्षा रहती है।’ रचनात्मक आलोचना ही राष्ट्र की सिद्धि और समृद्धि में सहायक हो सकती है। रचनात्मक आलोचना राष्ट्र और समाज का ही आत्मोद्घाटन होती है। वह सुस्थापित तथ्यों को और मजबूत करने के नए तथ्य देती है। संदेहों का निवारण करती है और गलती सुधारने का अवसर भी देती है। ऐसी आलोचना वाली असहमति भी सौंदर्यपूर्ण होती है। लोकतंत्र में ऐसी असहमति की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत में वाद-विवाद और संवाद की परंपरा बहुत पुरानी है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में ‘आन्वीक्षिकी त्रयी, वार्ता व दंडनीति का उल्लेख किया है। दर्शन आन्वीक्षिकी है। आन्वीक्षिकी लोक उपकार की विद्या है। त्रयी वेद है। वार्ता का विषय कृषि-पशुपालन है।’ बृहस्पति कौटिल्य से बहुत प्राचीन हैं। उनके अनुसार वार्ता और दंडनीति दो विद्याएं प्रमुख थीं। वार्ता का महत्व बताते हैं ‘यह विद्या धान्य, पशु, सोना, ताम्र आदि देने वाली उपकारिणी है।

लोक संस्कृति से जुड़े शिक्षा

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने हाल में भारत में शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने का आह्वान किया। इस पर लोगों ने तुरंत ही सहमति और असहमति व्यक्त करनी शुरू कर दी। मानव संसाधन विकास मंत्री के इस आह्वान पर हमारी असहमति हो सकती है, किंतु अगर गहराई में जाकर देखा जाए तो शिक्षा एवं संस्कृति के बीच गहरे अंतरसंबंध का झंमे भान होगा। शिक्षा को अगर हम ज्ञान, कल्पना शक्ति एवं रचनाशीलता के विकास का माध्यम मानें तो इनके विकास में हर समाज की अपनी संस्कृतियों के प्रगतिशील तत्वों की बड़ी भूमिका होती है। इन संस्कृतियों में कल्पना शक्ति, ज्ञान एवं रचनाशीलता के विकास एवं विस्तार के तत्व छुपे होते हैं। वे समाज जहां उपनिवेशवाद के हमले के बाद भी संस्कृतियां मरी नहीं हैं, वहां संस्कृतियां शिक्षा व्यवस्था में पूरक तत्व का काम तो कर ही सकती हैं। पश्चिमी समाज जिनमें अधिकांश का विकास उपनिवेशवाद से प्राप्त जान शक्ति, अर्था शक्ति एवं धर्म शक्ति के कारण हुआ है, उन्होंने पहले अपनी संस्कृतियों को मारा, फिर उन्हें संग्रहालयों में सजाकर रख दिया।

दार्शनिक आनंद कुमार स्वामी का यह अवलोकन मौजूदा बहसों के लिए भी मुफीद है। वहीं दुनिया में ऐसे अनेक समाज हैं जो उपनिवेशवाद से बच गए और ऐसे अनेक समाज हैं जिन्हें उपनिवेशवाद लील गया। वहीं तीसरे प्रकार के समाज हैं जहां उपनिवेशवाद के प्रभाव से उनकी राष्ट्रीय आत्मा में विखंडन तो पैदा हुआ, किंतु अपनी विशिष्टताओं के कारण वहां की संस्कृतियां जीवित रही। भारत ऐसा ही समाज है। जहां उपनिवेशवाद ने अंतर्राविरोध तो सृजित किया, किंतु उसे ग्रास नहीं पाया। प्रसिद्ध समाजशास्त्री एफे शरण ठीक ही मानते हैं कि ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने हमारी आत्मा में विखंडन पैदा किया, किंतु उपनिवेशवाद ‘भारतीय आत्मा’ को निगल नहीं पाया। हालांकि उसने हमारे भीतर एक प्रकार के विस्मरण का भाव पैदा कर दिया। इस विस्मरण के कारण हम अपने समाज की बहुत एवं विविध संस्कृतियों की आंतरिक शक्ति को समझ नहीं पाए। उनमें निहित रचनाशीलता, कल्पनाशीलता एवं ज्ञानकोश हमारे चिंतन एवं चिंता से दूर हो रही है। हमने अपनी संस्कृतियों को पिछड़ेपन का प्रतीक माना एवं उनमें निहित ‘देशज आधुनिकता’ के तत्वों को समझने से इन्कार किया। उपनिवेशवाद ने हमारी मानसिकता को इस कदर बदल दिया कि हम अपने प्रति ही हीनभावना से भर गए हैं।



वदी नारायण



आधुनिकता अच्छी है, पर उसकी एक सीमा है। हमें पारंपरिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान की महत्ता को भी समझने की दरकार है

भारतीय आधुनिकता की जो परिकल्पना हमने की वह बहुत कुछ औपनिवेशिक आधुनिकता के मानकों पर आधारित थी। हमने यह सोचा भी नहीं कि अंग्रेजों के आने के पहले तक भारतीय समाज कैसे चला, क्या उसमें आधुनिकता के तत्व नहीं थे, क्या उसमें प्रगतिशील, ऊजवावन एवं भविष्य की रचने वाले कुछ भी तत्व नहीं थे? हमने अपने औपनिवेशिक पूर्व के अतीत को नकारा ही नहीं, कई बार उसे अंधकार का युग माना। हमने यह नहीं सोचा कि उसी समाज ने शंकराचार्य, वैदिक, बौद्ध ज्ञानियों से लेकर कबीर, रदास, नानक, बुल्लेशाह जैसे ज्ञानियों को पैदा किया। वे वैचारिक वाद-विवाद, संवाद करते हुए भारतीय ज्ञान लोक को रचते रहे। उसी युग ने एक बेहतर भू-व्यवस्था एवं पर्यावरणीय सहअस्तित्व को स्थापित कर रखा था। उसी समाज ने एक ‘समग्र जीवन’ की परिकल्पना हमें दी। उसी ने हममें संतोष, परित्याग, लालच से मुक्ति के भाव पैदा किए।

जाहिर है कि हम उपनिवेशवाद द्वारा पैदा किए हुए विस्मृतिकरण का शिकार तो हुए ही, साथ ही उसी की दैत आत्मह्लाति, आत्माधिककार के बोध से भी भरे रहे। फलतः हम अपने समाजों की लोक संस्कृतियों से भी कटे रहे, जो रचनात्मक ऊर्जा की अक्षुण्ण स्रोत रही हैं। हालांकि उनके कुछ रूपों को हमने अपने मोडरर्नन के लिए इस्तेमाल तो किया, किंतु उन्हें अपने पारंपरिक ज्ञानकोश के रूप में नहीं देखा। अंग्रेजी साहित्यकारों एवं चिंतकों

ने औपनिवेशिक दमनग्रस्तता की पड़ताल करते हुए ऐसा ही कुछ अपने समाजों में भी पाया। केन्या के साहित्यकार अंगुमी वाश्योगों ने अपनी पुस्तक ‘डिक्लोलोनाईजिंग माइंड’ में अपनी संस्कृति, चिंतन एवं साहित्य के संदर्भ में औपनिवेशिक संकटग्रस्तता की चर्चा करते हुए आत्म भाषा एवं अपने समाज की संस्कृति को उपनिवेशवादी मानसिकता से निजात पाने के लिए ‘हथियार’ के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की है। भारतीय संदर्भ में राहुल सांकृत्यायन, एफे सरन और वासुदेव शरण जैसे ज्ञानी ऐसे ही प्रयास करते रहे हैं। हमारी शिक्षा को भी क्या उपनिवेशी प्रभाव से मुक्त करने की जरूरत नहीं है? निश्चित रूप से आज इसकी आवश्यकता है। इसे औपनिवेशिक छाया से बाहर निकालने में हमारे समाज की बहुत संस्कृतियां एवं उनमें निहित लोक विवेक एक ‘हथियार’ का काम कर सकते हैं। भारत में आधुनिक शिक्षा सबकी जरूरत है। किंतु संस्कृतिक विवेक से आधुनिक शिक्षा को जोड़ने के दो लाभ हो सकते हैं। एक तो आधुनिकता से लाभ हम उठा ही पाएंगे, साथ ही आधुनिकता से पैदा होने वाली संकटग्रस्तता को भी हम इसके माध्यम से कम कर सकते हैं। दूसरे, सांस्कृतिक ज्ञानकोश हमारे लिए आधुनिक ज्ञान के पूरक का काम भी कर सकते हैं।

सांस्कृतिक ज्ञानकोश मूल्यबोध, विवेक दृष्टि का कोश होता है। आधुनिकता हमारी शक्ति है, परंतु इसकी अनेक सीमाएं भी होती हैं। पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक ज्ञान इसकी सीमाओं को कम करने में हमारी मदद कर सकते हैं। अनेक भारतीय संस्थाएं जैसे जे कृष्णामूर्ति से जुड़े शिक्षा संस्थान, श्री अरविंदो से जुड़े संस्थान, विवेकानंद केंद्र इत्यादि भारतीय संस्कृति की सृजनात्मकता को अपनी शिक्षा पद्धति से बहुत अच्छी तरह से जोड़ रहे हैं। कबीर, रत्नदास, स्वामी शिवनारायण जैसे पंथों से जुड़े शिक्षा संस्थान भी संस्कृति एवं शिक्षा को जोड़ने का काम कर रहे हैं। जरूरत है वैकल्पिक शिक्षा पद्धति एवं मुख्य शिक्षा पद्धति में हमारे समाज के विविध सामाजिक समुदायों में संचित लोकज्ञान को अपनी शिक्षा पद्धति में महत्व दे और शिक्षा लोक में सामाजिक समुदायों की सांस्कृतिक मुखरता को जगह दे। तभी हम अपने लिए ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित कर सकते हैं जो आधुनिकता से उपजी संकटग्रस्तता से हमें मुक्त कर सकती है।

(लेखक प्रयागराज स्थित गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विद्या संस्थान के निदेशक हैं। response@jagran.com)

करने के लिए विलियम हंटर की पुस्तक ‘इंडियन एंपायर’, मैक्समूलर, एचएस मेन, सर टॉमस और पिन्काट आदि यूरोपीय विद्वानों के उद्धरण दिए। सिद्ध किया कि ऐसे महान भारत पर अंग्रेजी राज का कोई औचित्य नहीं। यह अंग्रेजी राज की रचनात्मक आलोचना थी। गांधी जी ने आलोचना और सत्याग्रही आंदोलनों को भी रचनात्मक बनाया था। आलोचना के ऐसे प्रतिमान दुनिया के अन्य देशों में नहीं हैं। आलोचना आक्रमण नहीं होती। आक्रमण में हिंसा होती है, लेकिन आलोचना में सुधार की मांग। निंदा और आलोचना एक नहीं है। रचनात्मकता का विकल्प रचनात्मकता ही है।

‘आलोचना की भारतीय दृष्टि’ रचनाधर्मी है। इसमें वाक् संयम का मधुरस है। बेशक दलतंत्र में सबकी विचारधारा है। असहमति भी स्वाभाविक है, लेकिन यहां विचारधाराओं में संवाद का अभाव है। व्यक्तिगत आरोपों की लत से रचनात्मकता आहत है। संसद और विधानमंडलों की बहस भी प्रायः रचनात्मक नहीं है। यहां विधायी कामकाज के निस्तारण की प्रशंसा को उत्पादक कहते हैं, लेकिन इस उत्पादकता में रचनात्मकता के सृजनरस का अभाव है। दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति वाले भारत में भिन्न विचारों को आदरपूर्वक सुनने की परंपरा घटी है। प्रधानमंत्री ने इसी ओर सबका ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने अपनी रचनात्मक आलोचना की प्रतीक्षा का भी उल्लेख किया है। आलोचना और असहमति में संवाद का अभाव है। व्यक्तिगत आरोपों की लत से रचनात्मकता कोरा आरोप ही होती है। क्या सभी दल नेता, कार्यकर्ता और सार्वजनिक जीवन के अन्य महानुभाव रचनात्मक आलोचना को बढ़ावा दे सकते हैं? (लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं) response@jagran.com



ऊर्जा

प्राथर्ना

सभी लोग किसी-न-किसी रूप में प्रार्थना करते हैं, परंतु बहुत कम लोग प्रार्थना के प्रभाव या महत्व को जानते हैं। प्रार्थना क्या है? जब हम अपने आप कुछ करने में असमर्थ होते हैं तो किसी परम शक्ति का आह्वान करते हैं और इसके लिए प्रार्थना ही माध्यम है। प्रार्थना के पांच आवश्यक कदम हैं- नमन, स्मरण, कीर्तन, याचन और अर्पण। जब हम अपने आप को सर्वज्ञानी, सर्वशक्तिमान एवं सर्वकृपालु को पूर्ण श्रुति से समर्पित कर अपने तुच्छ अहंकार को नष्ट करते हैं और तब परम शक्ति की ताकत हमारे माध्यम से बहने लगती है। तब हम वह प्राप्त कर सकते हैं जिसे अपनी शक्ति से प्राप्त करना कठिन या असंभव था। किसी ने कहा है- ‘ईश्वर प्रार्थनाओं का तीन रूपों में जवाब देता है-वह ‘तथास्तु’ कहता है और आपको आपकी ईच्छित वस्तु देता है, वह आपको इन्कार करता है और आपको कुछ बेहतर देता है, वह आपको इंतजार करने के लिए कहता है और आपको ठीक समय पर सर्वश्रेष्ठ देता है।’

लोगों को ‘धर्म’ और ‘ईश्वर’ में विश्वास हो या न हो, वे इतना अवश्य अनुभव करते हैं कि कोई परम शक्ति है जो इस ब्रह्मांड में घटकट नहीं है। हम इस शक्ति से किसी भी तरीके से जुड़े और इसका दर्शन करें जिससे शान्ति मिले, ईश्वरीय तत्व का अनुभव हो और प्रोत्साहन मिले। प्रार्थना केवल याचना का माध्यम नहीं है। जो कुछ हमारे पास है। उसमें नई शक्ति को ही लाभ की संज्ञा दी जा सकती है। कृतज्ञता प्रकट करने एवं प्रशंसा के भाव से प्रार्थना की जाती है। प्रार्थना हमारी परिस्थितियां बदलें या न बदले, हमें अवश्य बदल देगी। जीवन में विपरीत परिस्थितियां आना निगम है। यह प्रकृति की देन है। यदि दुख नहीं देखा गया तो सुख का मूल्य भी नहीं जनेंगे। जिसने गरीबी नहीं देखी वह धन का मूल्य नहीं समझता। धृप में नहीं चला वह छाया का महत्व क्या जाने? जीवन चुनौती है। विपरीत परिस्थिति हमें अवसर देती है। हम अपना विश्वास एवं आत्मबल जागृत करके उससे लाभ उठाने का हर्सबंध प्रयास करें। उसमें प्रार्थना एक सशक्त माध्यम होती है।

बेला गर्ग

अनावश्यक दखल

भारतीय संसद में जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 एवं 35ए को हटाने के लिए विधेयक प्रस्तुत किया गया तब से पाकिस्तान इस विषय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए प्रयत्नशील है। खबरों के मुताबिक पाकिस्तान की माली हालत बहुत खराब है। वह इसे सुधारने के बजाये दूसरे देश में अनावश्यक दखल देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने कश्मीर के बड़े भूभाग पर कब्जा कर रखा है। वह इसे छोड़ने के बजाय रेश धमकी दे रहा है। उसकी बर्दमिजाजी को दुनिया के देश देख रहे हैं। dharmendranath.rastogi@gmail.com

बाढ़ की चुनौती

बाढ़ की विनाश लीला से लगभग आधे भारत में त्राहि-त्राहि मची हुई है। इससे भी अधिक चुनौती बाढ़ के पानी के उतर जाने के बाद बीमारी, ध्वस्त हुई निर्माण व मरे हुए जीव-जंतुओं के प्रकोप से निपटने की होगी। सरकार को उसके लिए तैयार रहना चाहिए।

देवदास सिंगल, फरीदाबाद

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आधा हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें : दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण, डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा ई-मेल: mailbox@jagran.com



डॉ. अरुण कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
दिल्ली विश्वविद्यालय

एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अपडेट करने की मांग असम के लोगों की वर्षों पुरानी मांग है जिसे मनवाने के लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ा और जिसे पूर्व की केंद्र सरकारों ने अपने वोट बैंक की खातिर अनदेखी की। एनआरसी वह प्रक्रिया है जिससे देश में अवैध दंग से रह रहे विदेशी लोगों की पहचान की जाती है। वर्ष 1951 में असम के मुख्यमंत्री गोपीनाथ बारदोलोई की मांग पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने पहली बार एनआरसी जारी की थी। देश विभाजन के बाद पूर्वी पाकिस्तान से बड़ी संख्या में भागकर आए शरणार्थियों को बारदोलोई असम में बसाने का विरोध कर रहे थे। वर्ष 1971 में जब ‘बांग्लादेश मुक्ति संग्राम’ शुरू हुआ तब एक बार फिर बड़ी संख्या में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से शरणार्थी असम में आकर बस गए। आंकड़ों के मुताबिक लगभग 10 लाख शरणार्थी इस दौरान आए। 16 दिसंबर 1971 को जब एक नए देश बांग्लादेश का निर्माण हुआ तो कुछ लौट गए, लेकिन अधिकांश असम में ही रह गए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तब अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा था कि पूर्वी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों ने भारत पर गंभीर बोझ डाला है। उन्हें वापस जाना होगा। ये शरणार्थी भारत की राजनीतिक स्थिरता और आजादी के लिए खतरा बना गए हैं। पर इंदिरा गांधी ने किया इसके विपरीत। इंदिरा के समय असम के तीन नेताओं का बोलबाला था। एक थे देवकांत बरआ जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और ‘इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा’ का चर्चित नारा दिया था। दूसरे थे फखरुद्दीन अली अहमद जो भारत के राष्ट्रपति हुए और तीसरे थे मोइनुल हक चौधरी जो केंद्रीय उद्योग मंत्री बने। इस गुट ने अवैध प्रवासियों के विरुद्ध कोई भी कदम उठाने नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस को लगातार जीत दिलाने के उद्देश्य से ‘अली’ और ‘कुली’ का समीकरण बनाया। ‘अली’ बांग्लादेशी प्रवासियों को और ‘कुली’ चाय बागान में काम करने वाले गैर-आसामी मजदूरों के लिए प्रचलित शब्द हैं।

असम के तत्कालीन राज्यपाल बीके नेहरू और मुख्यमंत्री बीपी वालिह ने इंदिरा गांधी को अवैध प्रवासियों को रोकने हेतु कदम उठाने का आग्रह किया, पर इंदिरा ने चुप करा दिया। ये बातें बीके नेहरू ने अपनी आत्मकथा ‘नाइस गाइज फिनिशि सैकेंड’ में लिखी है। इस तरह असम में कांग्रेस और पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति के कारण अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ जारी रखने में मदद की। बड़े पैमाने पर बांग्लादेश से आए लोगों के कारण असम के मूल निवासियों में अपनी भाषाई, सांस्कृतिक और राजनीतिक असुरक्षा की भावना जगी। बाहरी लोगों के



महज एक वर्ष से भी कम अंतराल की अवधि में जसप्रीत भुमराह भारतीय क्रिकेट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बन गए हैं।

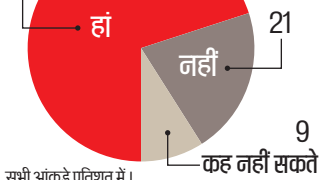
केरल के राज्यपाल के रूप में आरिफ मोहम्मद खान की नियुक्ति शानदार है। वह भारत में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की मुहिम के रहुनुमा रहे हैं। भारतीय राजनीतिक विमर्श में भी उनका अहम योगदान रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के विचारों को सुनकर अच्छा लगा। शायद उन्हें और प्रधानमंत्री मोदी को साथ मिलकर अर्थव्यवस्था को इस स्थिति से उबारने के लिए काम करना चाहिए।

राजदीप सरदेसाई@sardesairajdeep

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या कुछ सरकारी बैंकों के विलय से उनकी स्थिति में सुधार होगा?



सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या एनआरसी जैसी व्यवस्था पूरे देश में लागू होनी चाहिए?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के नैसर्ग बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें **Y** - हाँ, **N** - नहीं, **C** - कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

चिदंबरम जी जिस तरह फरमाते आराम, स्विस बैंक की लिस्ट में पैसे कमाते आराम। वैसे कश्यो नाम ससमि अब आएंगे, यदि ना दिया हिसाब जले सारे जाएंगे। सारे बैट तिहाड़ भुलाएंगे अपना गम, अब ना होंगे बोर अकेले ती दिवंबर!

- ओमप्रकाश तिवारी

आजकल

असम की वर्षों पुरानी मांग रही है एनआरसी

भारत की स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान के पूर्वी भौगोलिक हिस्से (वर्तमान बांग्लादेश) से 1971 तक असम में लाखों की संख्या में शरणार्थी आकर बसते रहे जो यहां के लिए सिरदर्द बनते गए। ये अवैध बांग्लादेशी केवल असम की ही समस्या नहीं रह गए हैं, बल्कि धीरे-धीरे इस समस्या ने अखिल भारतीय स्वरूप ग्रहण कर लिया है। इन अवैध अप्रवासियों की संख्या दिल्ली में भी बढ़ती जा रही है। ये लोग तमाम तरह के अपराधों में भी लिप्त पाए गए हैं। लिहाजा इन पर रोक लगाना जरूरी है

खिलाफ असम के छात्रों-युवाओं ने आंदोलन शुरू किया। इसी बीच 1978 में मंगलदोई लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव हुआ। पता चला कि यहां के मतदाताओं की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हो गई है। इस घटना से विदेशी लोगों के खिलाफ चल रहे आंदोलन ने हिंसक रूप धारण कर लिया। आंदोलन चलता रहा, लेकिन सरकार द्वारा सार्थक कार्रवाई नहीं की गई। 1983 में केंद्र सरकार ने असम विधानसभा के चुनाव कराने की घोषणा की। आंदोलन से जुड़े संगठनों के बहिष्कार के बावजूद चुनाव कराए गए। जिन क्षेत्रों में असम के मूल निवासियों का बहुमत था वहां बहुत ही कम मतदान हुए। जहां बांग्लादेश से आए लोगों की जनसंख्या अधिक थी वहां बहुत अधिक मतदान हुए। चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आए, राज्य की उसकी सरकार भी बनी, लेकिन नैतिक रूप से यह गलत हुआ। चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई जिसमें तीन हजार से अधिक लोग मारे गए। असम के मूल निवासियों का यह आंदोलन इतना अधिक उठा था कि 1984 के लोकसभा चुनाव में असम के 16 लोकसभा क्षेत्रों में से 14 में चुनाव नहीं कराया जा सका।

असम में बढ़ती हिंसा के आगे झुकते हुए 15 अगस्त 1985 को आंदोलनकारियों के साथ तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने समझौता किया जिसे ‘असम समझौता’ के नाम से जाना जाता है। समझौते के तहत 1951 से 1961 के बीच असम में आकर बसे लोगों को पूर्ण नागरिकता और वोट देने का अधिकार मिल गया। विदेशी लोगों की पहचान के लिए 24 मार्च 1971 को ‘कट ऑफ डेट’ तय किया गया था, क्योंकि इस दिन बांग्लादेश में मुक्ति संग्राम शुरू हुआ था। यह माना गया कि इसी दिन से बांग्लादेश के लोगों ने अवैध रूप से अपनी भाषाई, सांस्कृतिक और राजनीतिक असुरक्षा की भावना जगी। बाहरी लोगों के



मनोज झा
स्थानीय संपादक, बिहार

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के मुखिया जीतन राम मांझी की हालिया बयानबाजी और सक्रियता को एक बार नजरअंदाज भी कर दें तो बिहार में विपक्ष के महागठबंधन को लेकर अब यह बात आम चर्चा में है कि वह अपनी दशा और दिशा दोनों ही खोता दिखाई दे रहा है। सवाल है कि अचानक से सक्रिय हुए मांझी महागठबंधन के अधोषि्त नेता तेजस्वी यादव को चुनौती क्यों देने लगे हैं? क्या मांझी जैसे विपक्ष के कुछ नेताओं को महागठबंधन का भविष्य उम्मीदें जगाता नहीं दिखाई दे रहा है? दो महीने बाद बिहार के राजनीतिक परिदृश्य पर लौटे तेजस्वी के तेवर भी बुझे-बुझे से क्यों दिख रहे हैं? साथ ही कांग्रेस, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और विकासशील इंसान पार्टी जैसे घटक दलों की रहस्यमय चुप्पी का यह क्या है?

प्रदेश में अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनावों को लेकर जहां सत्तारूढ़



देश के प्रायः सभी विद्यालयों में बच्चों को नैतिक शिक्षा देने की तरफ ध्यान बहुत कम दिया जाता है। बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास या उनमें संस्कार डालने की प्रथा आदिकाल से चली आ रही है। बचपन में सीखे पाठ बच्चों को ताज़म याद रहते हैं। ऐसे में यह खबर सुखद है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़ी संस्था राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) ने पहली कक्षा से आठवीं तक के बच्चों के लिए एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसमें बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही संस्कृत तथा वेदों की भी शिक्षा दी जाएगी।

इस पाठ्यक्रम में पहली से आठवीं तक के बच्चों को पढ़ना तो नियमित ही पड़ेगा, लेकिन परीक्षा छई साल में एक बार ही होगी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य यह है कि संस्कृत तथा वेदों का ज्ञान होने के कारण व्यक्तित्व सभी दिशा में बढ़ने लगेगा, क्योंकि इस तरह के ग्रंथ जिसमें सभी आयु वर्गों के लिए असंख्य शिक्षार् हैं उनकी अनदेखी हो रही है। बच्चे

77.41

फीसद की दर से बढ़ी थी असम में मुस्लिम आबादी वर्ष 1971 से 1991 के बीच, जबकि हिंदुओं की आबादी 41.89 प्रतिशत की दर से ही बढ़ी थी जनगणना आंकड़ों के अनुसार।

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

में अवैध प्रवासियों की मौजूदगी सामने आई। अप्रैल 1992 में तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया ने विधानसभा में घोषणा की कि असम में 30 लाख से अधिक अवैध बांग्लादेशी हैं। असम की 40 विधानसभा सीटों पर इन बांग्लादेशियों की जनसंख्या को देखते हुए कुछ विधायकों ने सैकिया सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा की। दो दिनों के बाद ही हितेश्वर सैकिया ने अपने बयान से पलटते हुए कहा कि असम में एक भी अवैध बांग्लादेशी नहीं है।

जनगणना आंकड़े बताते हैं कि 1971 से 1991 के बीच राज्य में हिंदुओं की जनसंख्या 41.89 प्रतिशत बढ़ी तो मुसलमान 77.41 प्रतिशत की दर से बढ़े। बांग्लादेश से सटे असम के नौ जिलों में ये अवैध प्रवासी बहुसंख्यक हो गए हैं। कांग्रेस की सरकारों ने असम की जनभावना का ख्याल नहीं रखा। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने एनआरसी को अपडेट करने की घोषणा की। सरकार ने इसके लिए एक निश्चित रकम का प्रावधान भी किया। लेकिन दुर्भाग्य से वाजपेयी सरकार काम को आगे नहीं बढ़ा पाई। असम के लोग तीन महापुरुषों का सबसे अधिक सम्मान करते हैं। भक्तिकालीन कवि शंकरदेव, वीर लचिंत बोरफुकन और गोपीनाथ बारदोलोई। इन तीनों महापुरुषों को असम से बाहर कम लोग जानते थे। वाजपेयी सरकार ने शंकरदेव और बोरफुकन पर किताबें प्रकाशित की और बारदोलोई को भारत रत्न से सम्मानित किया।

वर्तमान केंद्र सरकार ने इच्छाशक्ति दिखाते हुए असम में एनआरसी को जारी कर दिया है। एनआरसी में लगभग 19 लाख लोगों को जगह नहीं मिली है। केंद्र सरकार यदि इन अवैध प्रवासियों को वापस नहीं लेती तो यह असम के लोगों के साथ न्याय होगा। अमेरिका ने भी 1920 के दशक के आखिर में मैक्सिको से आए करीब 20 लाख लोगों को वापस भेज दिया था।



राजग गठबंधन चट्टान की तरह एकजुट और मजबूत दिखाई दे रहा है, वहीं विपक्ष की ऐसी तितर-बितर तस्वीर के लिए कई कारण गिनाए जा सकते हैं। दरअसल राजनीति में समय और अवसर के साथ-साथ संघर्ष करने के जज्बे की बड़ी अहमियत है। आप हारें या जीतें, जनता के सामने आपको लड़ते-जुड़ते हुए दिखना पड़ता है। जनता को यह लगना चाहिए आप उसके दुख-दर्द के लिए मोर्चाबंदी कर रहे हैं। इसी से लोक-विश्वास जीता या कायम रखा जाता है। देश की हालिया राजनीति में इसका सबसे सटीक उदाहरण पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का उदय है। लड़ते-भिड़ते हुए आज वह प्रदेश की सत्ता की दहलीज पर दस्तक देने लगी है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि बिहार के राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो यहां संघर्ष तो दूर, पटल से पूरा का पूरा विश्वास ही गायब दिख रहा है। राजद के नेता तेजस्वी जहां दो महीने अज्ञातवास में रहे, किसी का दलों ने भी रहस्यमय चुप्पी अढ़ा रखी है। तेजस्वी ही क्यों, उंपेंद्र कुशवाहा और मुकेश सहनी जैसे महागठबंधन के नेता भी



रमेश ठाकुर
स्वतंत्र टिप्पणीकार

77.41

77.41

77.41

उच्चतम न्यायालय के कड़े तेवर के बाद असम में तैयार हुए नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी का अंतिम प्रारूप आखिरकार 31 अगस्त को आया तो कई चौंकाने वाली बातें भी सामने आईं। सबसे पहली बात तो यह झूठी साबित हुई कि असम में विदेशियों की संख्या करोड़ में हो सकती है और इसका दावा यहां के लगभग सभी राजनीतिक दलों की ओर से किया जाता रहा है। जबकि 19 लाख लोग एनआरसी से बाहर हुए हैं। इनमें से भी करीब तीन लाख लोगों ने कोई दावा ही नहीं किया और इन लोगों के लिए अभी अपील की गुंजाइश है। एनआरसी से बाहर हुए नामों में हिंदु भी बड़ी संख्या में हैं।

वर्ष 1947 में पूर्वी बंगाल में हिंदू आबादी करीब 25.4 फीसद थी जो आज घट कर 10 प्रतिशत रह गई है। जाहिर है कि इनकी संख्या संख्या ने भारत का रूख किया होगा। सबसे बड़ी बात यह कि इस सूची से कोई भी पक्ष संतुष्ट नहीं है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने वाली संस्था को क्यूटर सॉफ्टवेयर बनायी गया कि असम में ऐसी बहुत सी जमीन है, जिस पर खेती नहीं होती है और ये घुसपैठिये

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

77.41

डाटाग्री

लिंगानुपात : केरल अब्बल, उत्तर भारत के राज्यों की स्थिति खराब

किसी देश में लिंगानुपात को इस बात से परिभाषित किया जाता है कि वहां प्रति 1000 पुरुषों पर कितनी महिलाएं हैं। अच्छी खबर यह है कि भारत में यह अनुपात धीरे ही सही मगर सुधर रहा है। भारत में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) द्वारा 2005-06 में कराए गए तीसरे सर्वे में प्रति 1000 पुरुषों में 914 महिलाएं थीं, लेकिन 20015-16 में कराए गए चौथे सर्वे में यह संख्या 919 हो गई।

126 प्वाइंट्स की बढ़ोतरी के साथ देश में सबसे ज्यादा सुधार पंजाब में हुआ है, लेकिन फिर भी यह राज्य सबसे खराब लिंगानुपात वाले राज्यों में शामिल है। चौथे सर्वे के अनुसार यहां प्रति 1000 पुरुषों में 860 महिलाएं ही हैं। सबसे ज्यादा खराब हालात सिक्किम के हैं। 175 प्वाइंट्स की गिरावट के साथ यहां पर प्रति 1000 पुरुषों में मात्र 809 महिलाएं हैं। लिंगानुपात के मामले में देश में सबसे नीचे सिक्किम ही है।

बीते लोकसभा सत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक सवाल के उत्तर में ये आंकड़े पेश किए गए। एनएफएचएस द्वारा कराए गए सर्वे में केरल का स्थान सबसे ऊपर है। यहां पर प्रति 1000 पुरुषों में 1047 महिलाएं हैं। सर्वेक्षण में पाया गया कि उत्तर भारत के राज्यों में स्थितियां खराब हैं।

सरकार कर रही है प्रयास : देश में बिगड़े लिंगानुपात को सुधारने के लिए सरकार द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा के पानीपत जिले से शुरू किया था। इस योजना का उद्देश्य बिगड़े लिंगानुपात में सुधार लाना है। इसके सकारात्मक परिणाम कई राज्यों में देखने को मिल रहे हैं। हरियाणा में भी लिंगानुपात में सुधार आ रहा है।

सबसे ज्यादा सुधार लाने वाले राज्य			
राज्य	सर्वेक्षण (2005-06)	सर्वेक्षण (2015-16)	बढ़ोतरी
पंजाब	734	860	+126
केरल	925	1,047	+122
मेघालय	907	1,009	+102
हरियाणा	762	836	+74
तमिलनाडु	897	954	+58
महाराष्ट्र	867	924	+57

सबसे ज्यादा गिरावट करने वाले राज्य			
राज्य	सर्वेक्षण (2005-06)	सर्वेक्षण (2015-16)	कमी
सिक्किम	984	809	-175
झारखंड	1,091	919	-172
अरुणाचल प्रदेश	1,071	920	-151
असम	1,033	929	-104
मिजोरम	1,025	946	-79
मणिपुर	1,014	962	-51

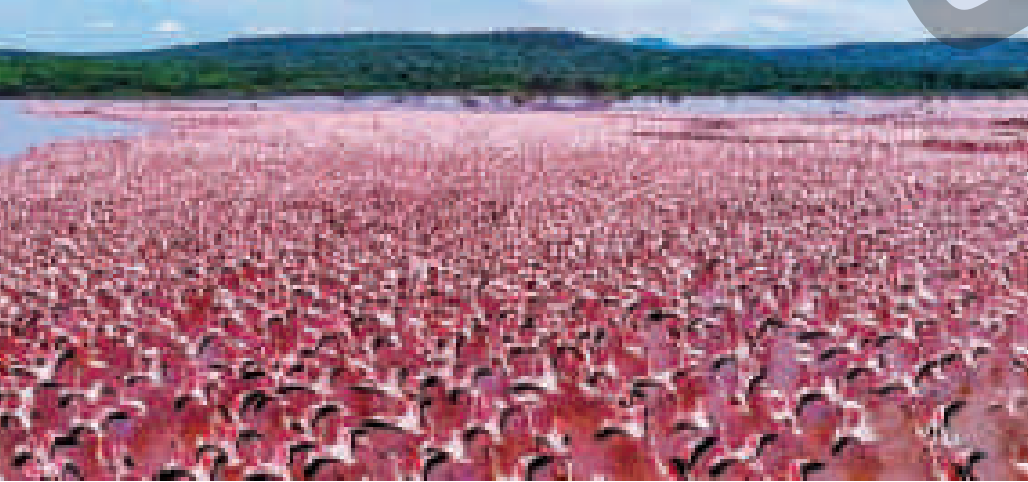
फोटो न्यूज

इस साल 15 लाख फ्लेमिंगो पहुंचे बोगोरिया झील

यह तस्वीर केन्या की बोगोरिया झील की है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा फ्लेमिंगो यानी राजहंस का जमावड़ा लगता है। इस साल यहां करीब 15 लाख फ्लेमिंगो पहुंचे। यह संख्या पिछले साल की तुलना में छह लाख अधिक है।

इस वजह से आते हैं

इतनी बड़ी संख्या में फ्लेमिंगो के यहां पहुंचने की वजह बोगोरिया झील में मिलने वाला खास शैवाल है। इस झील में सायनोबैक्टिरिया नाम का शैवाल पाया जाता है, जो फ्लेमिंगो का पसंदीदा भोजन है।



दुनिया में सबसे ज्यादा यहां आते हैं राजहंस



ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया के नाम से पहचान रखने वाली 80 किलोमीटर लंबी दीवार का एक हिस्सा। नईदुनिया

देवरी करबे से लगे गोरखपुर गांव से सटे जंगल से शुरू होकर यह दीवार बाड़ी बरेली क्षेत्र में आने वाले चौकीगढ़ किले तक जाती है। भोपाल से गोरखपुर गांव की दूरी करीब 200 किमी है। प्रदेश के जाने-माने पुरातत्वविद् डॉ. नारायण

मग्न के रायसेन के देवरी के पास से शुरू होकर बाड़ी तक जाती है

कल्चुरी शासकों के हमले से बचने परमार वंश के राजाओं में कराया था निर्माण

आपने जैसा बताया है, अगर वैसा है तो यह बेहद महत्वपूर्ण है। इस धरोहर के संरक्षण और विस्तार के लिए हम योजनाबद्ध तरीके से काम करवाएंगे।

- प्रहलाद सिंह पटेल, केंद्रीय पर्यटन मंत्री

जिले की ऐतिहासिक संपदा में यह बहुत महत्वपूर्ण है। जिले के लिए गौरव की बात है। जिला स्तर पर हम जो भी बेहतर कर सकते हैं, वो सभी किया जाएगा।

- उमाशंकर भार्गव, कलेक्टर रायसेन

से आगे ही नरसिंहपुर और जबलपुर पड़ता है, जो उस दौर में कल्चुरी शासन के तहत ही आता था। उस समय परमार और कल्चुरी शासकों के मध्य कई युद्ध भी हुए।

लाल बलुआ पत्थर की चट्टानों का इस्तेमाल : इस दीवार को बनाने में लाल बलुआ पत्थर की बड़ी चट्टानों का इस्तेमाल किया गया है। इसके दोनों ओर विशाल चौकोर पत्थर लगाए गए हैं। हर पत्थर में त्रिकोण आकार के गहरे खांचे बने हुए हैं, जिनसे पत्थरों की इंटरलॉकिंग की गई है। इसकी जुड़ाई में चूना, गारा का इस्तेमाल नहीं किया गया है। गोरखपुर से आठ किमी दूर मोघा डैम पर इस दीवार का काफी हिस्सा आज भी सुरक्षित है।

व्यास बताते हैं कि विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों पर सघन जंगलों में 10-11वीं शताब्दी के मध्य परमार कालीन राजाओं ने इसे बनवाया था। यह दीवार परमार कालीन राज्य की सुरक्षा दीवार रही होगी। गौरतलब है कि गोरखपुर गांव

कोदो-कुटकी है

पौष्टिकता की खान



मध्य प्रदेश के मंडला में जो कोदो कुटकी सदियों से आदिवासी लोगों की सेहत का वरदान बनी हुई है, उसे भले ही पुरे देश में अलग-अलग नाम से जाना जाता हो लेकिन उसकी पौष्टिकता वही होगी। मंडला जिले के आदिवासियों में चाव से खया जाने वाला कोदो-कुटकी भी आधुनिकता की भेंट चढ़ रहा है। इसकी बोंबनी व उत्पादन दोनों कम होता जा रहा है।

सुपोषण की जंग

घटना उत्पादन	
2900	हेक्टर-बोवाई के रकबे में आई कमी
साल	बोवाई का रकबा (हे. में)
2015	28115
2019	25239

पौष्टिकता से लवरेज
आदिवासियों में यह परंपरा चली आ रही है कि जब किसी महिला को प्रसूति होती है तो उसे यही खाने को दिया जाता है। बुजुर्ग महिलाओं के मुताबिक इसे खाने से शरीर ताकतवर बनता है साथ ही मां को दूध अधिक बनता है।

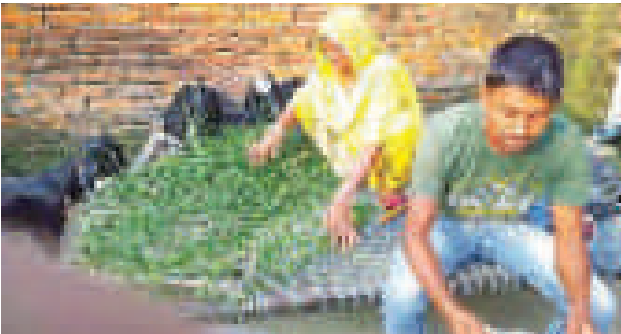
कोदो-कुटकी में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ आयरन भी होता है। इसमें फाइबर अधिक होने से यह सुपाच्य होता है। कई लोगों का यह भी मानना है कि इसे खाने से मोटापा दूर रहता है। अब इसे शुगर फ्री अन्न के नाम पर बड़े होटलों में परोसा जा रहा है। -**डॉ. राजेश क्षत्रिय**, आदिवासियों व उनके खान-पान पर शोधकर्ता

आयुर्वेदिक औषधि भी

ग्रामीण इलाकों में प्रचलित है कि अगर जानवरों, पशुओं का पैर टूट जाए या उसमें मोच आ जाए तो कोदो-कुटकी को छिल्का सहित पकाकर पैर में बांध देते हैं। इससे यह ठीक हो जाता है।

(मध्य प्रदेश के मंडला से इनपुट)

मां ने बकरियां बेचकर बेटे को बनाया मुंसिफ



उग्र के लीखमपुर में असगर अली की मां बकरी को चारा खिलाते हुए।

जागरण

मो. सईद खान, लखीमपुर

‘ये मत कहो खुदा से कि मुश्किलें बड़ी हैं, इन मुश्किलों से कह दो मेरा खुदा बड़ा है...।’ चुजों के साथ सीढ़ियों पर चढ़ती बातख और बफौली पहाड़ी पर बच्चे के साथ चढ़ने की जड़ोजहद करती मादा भालू का वीडियो आपको याद होगा। इस गीत के साथ वायरल हुए इन वीडियो के जैसी एक मानवीय कहानी इन दिनों उत्तर प्रदेश के लखीमपुर के लोगों के बीच चर्चा में है। यह कहानी है एक गरीब मां के हौसले और मुफ्तिलसी में घिरे बेटे के पक्के इरादे की।

औलाद को पढ़ाने के लिए मां मैसरजहां ने बकरियां बेचीं तो बेटे असगर ने मुस्लिफ बनकर मुफ्तिलसी की मुश्किलों को उनकी हँसियात बता दी।

लखीमपुर के मुसेपुर गांव के असगर और मैसरजहां की कहानी भावनाओं से भरी हिंदी फिल्म की स्टोरी जैसी है। दुख-दर्द और संघर्ष से भरी इस कहानी के सुखद अंत से पूरा इलाका गदगद ही नहीं गौरवान्वित भी है। नौ बच्चों के लिए रोटी जुटाने के लिए अब्बू शाकिर ने 22 वर्ष राजस्थान में दर्जी का काम किया। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का ईतजाम करने के लिए मां मैसरजहां ने बकरियां पाल लीं। सबसे बड़े बेटे असगर ने मां के संघर्ष को अपनी सफलता का सलाम पेश किया है। जुलाई माह में आए पीसीएसजे परिणाम में उन्हें 500वीं रैंक हासिल हुई। गांव से ही इंटर तक की शिक्षा

अगर हौसला बुलंद हो तो गरीबी और संसाधनों के अभाव में भी बड़े से बड़े मुकाम को हासिल किया जा सकता है। हां, इसमें अगर मां की दुआएं साथ हों तो मंजिल और आसान हो जाती है। कुछ ऐसी ही कहानी है उत्तर प्रदेश के लीखमपुर की गरीब मां के हौसले और मुफ्तिलसी में घिरे बेटे के मजबूत इरादों की...

लेने वाले असगर कानपुर यूनिवर्सिटी से स्नातक और बनारस विश्वविद्यालय से एलएलबी और एलएलएम करने के बाद जेआरएफ के तौर पर फिलहाल शोध कर रहे थे। गरीबी से लड़ती मां की प्रेरणा से असगर अब मुश्किलों को बोना बताने वाली सफलता की शानदार कहानी बन चुके हैं।

जो कहा वह कर दिखाया : 19 साल पहले एक दिन असगर स्कूल से आया तो दौड़कर सीधा मेरे पास पहुंचा। बोला अम्मा...हमहूँ जज बनिबा। यह बताते हुए मैसरजहां की आंखों में खुशी के आँसू छलक पड़ते हैं। वह बताते लगती हैं कि तब किस तरह उन्होंने बेटे को कलेजे से लगाकर ढेर सारी दुआएं दी थीं। उन्हें न पता था कि उनकी दुआओं में इतना दम था कि खुदा उसे पूरी कर देगा। पता चला कि स्कूल में अफसर आए थे। उन्होंने सभी बच्चों से पूछा था कि पढ़कर कौन क्या बनना चाहता है। वहां असगर ने यही बताया था तो अफसरों ने शाबासी दी थी।

मंडरा रहा है खतरा

लगतार बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से इन शैवालों की उत्पत्ति पर खतरा मंडरा रहा है। इसे देखते हुए यहां की सरकार ने झील को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। शोधकर्ता भी इस प्रयास में जुटे हैं कि इस झील को प्रदूषण मुक्त रखा जा सके ताकि फ्लेमिंगो का यहां आना बना रहे।

कहां है यह झील

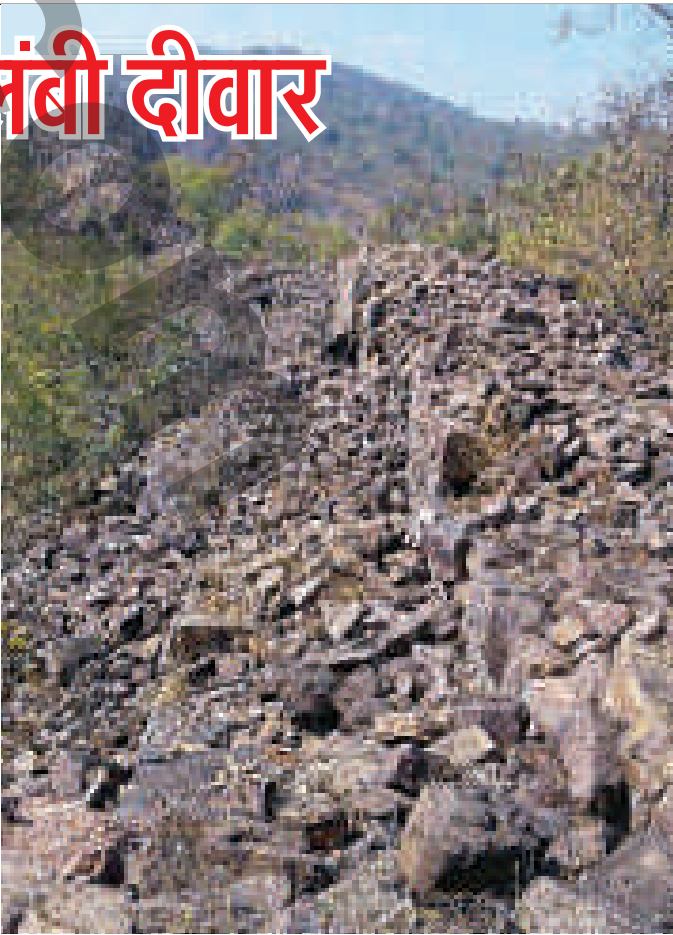
बोगोरिया झील एक खारे पानी की झील है, जो केन्या के रिफ्ट घाटी क्षेत्र में स्थित है। यह एक रामसर साइट है। यानी ऐसी जमीन जिसकी सतह पर पानी रहता है। यह झील 29 नवंबर, 1973 से राष्ट्रीय रिजर्व के रूप में संरक्षित है। यह करीब 34 किमी लंबी और 3.5 किमी चौड़ी है।

क्षेत्र में बिखरी हैं वेशकीमती मूर्तियां

गांव के ही एक आश्रम में रहने वाले सुखदेव महाराज बताते हैं कि पूरे क्षेत्र में प्राचीन वेशकीमती मूर्तियों के अवशेष झंझर-उधर बिखरे पड़े हैं। दीवार के आसपास भगवान शिव, विष्णु, भैरव और सूर्य के मंदिर भी मिले हैं। 10-11वीं सदी की कई बावड़ी, तालाब, मंदिर, तहखाने भी यहां हैं, जिनमें ज्यादातर जमींदोज हो चुके हैं। दीवार के सहारे बने कुछ परकोटे भी हैं।

कुंभलगढ़ किले की दीवार से दोगुनी लंबी

राजस्थान के मेवाड़ के कुंभलगढ़ किले के परकोटे की दीवार 36 किलोमीटर लंबी है, जो भारत की लंबी दीवार मानी जाती है, लेकिन रायसेन में मौजूद दीवार इससे दोगुनी से भी अधिक (80 किमी) है। बावजूद इसके, यह तथ्य कम ही लोगों की जानकारी में है।



खरखार के अभाव में टूटती जा रही है ऐतिहासिक दीवार।

नईदुनिया

कभी रोटी को थीं मोहताज, आज 100 महिलाओं को दे रहीं रोजगार

मिसाल ▶ उत्तराखंड की श्यामा चौहान ने जूट बैग व फाइल फोल्डर को रोजगार का जरिया बना संवारी किस्मत, हर माह हो रहा 15 लाख रुपये का कारोबार

अंकुर शर्मा, देहरादून

उत्तराखंड के देहरादून स्थित विकासनगर ब्लॉक के ग्राम फतेहपुर निवासी श्यामा चौहान का जीवन समाज के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। श्यामा का संपन्न परिवार था, घर-मकान था और पति त्रिलोक सिंह को भी ऑटो स्मैयर पाटर्स की दुकान थी। सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा था कि अचानक एक दिन परिचित ने ही थोखाधड़ी से मकान बिकवा दिया। पति का कारोबार भी चौपट हो गया और परिवार दाने-दाने के लिए मोहताज हो गया। उस पर विडंबना देखिए कि क्षेत्र में घूंघट प्रथा होने के कारण एक महिला के लिए घर से बाहर निकलना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। इसके बावजूद श्यामा ने हालात का मजबूती से मुकाबला करते हुए न केवल सामाजिक बंदियों को तोड़ा, बल्कि खुद सफलता का मुकाम छूने के साथ ही आज 100 से अधिक महिलाओं को रोजगार भी दे रही हैं।



नारी सशक्तीकरण

श्यामा की इस कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि आज उनके पास सारी सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। ऐसे बदली श्यामा की जिंदगी : श्यामा ने मार्च 2012 में महिला जागृति स्वयं सहायता समूह का गठन किया था, लेकिन परिवार पर आई विपत्ति ने दो महीने बाद उसे खत्म करने को मजबूर कर दिया। इसके लिए श्यामा ब्लॉक मुख्यालय विकासनगर गई, जहां अधिकारियों ने उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के बारे में जानकारी देते हुए समूह को खत्म करने के बजाय नए सिरे से संगठित करने की सलाह दी। इसके बाद श्यामा ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से जूट बैग और फाइल फोल्डर बनाने का प्रशिक्षण लिया। फिर स्वयं सहायता समूह में छह महिलाओं को जोड़कर इस दिशा में काम शुरू किया। इसके लिए उन्होंने 25 हजार रुपये का लोन भी लिया। धीरे-धीरे महिलाएं समूह से जुड़ने लगीं और कारबार बढ़ता गया। आज वह समूह जूट बैग, फाइल फोल्डर, नो प्लास्टिक बैग, टेक होम राशन आदि से 15 लाख रुपये महीने का कारोबार कर रहा है।

पांच से 15 हजार रुपये कमा रही महिलाएं :



देहरादून के विकासनगर में महिला जागृति स्वयं सहायता समूह में काम करती महिलाएं।



श्यामा चौहान को सम्मानित करते मुख्यमंत्री त्रिवेद सिंह रावत।

वर्तमान में महिला जागृति स्वयं सहायता समूह से फतेहपुर, जस्सोवाला, ढकगानी, शेरपुर, भुडौ आदि गांवों की 100 से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन महिलाओं को हर महीने पांच हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक की आय हो रही है।

गुलाब रंग : की तरह महिलाओं को सशक्त बनाना ध्येय : श्यामा चौहान को फिल्म 'गुलाब

गैंग' में अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के अभिनय ने खासा प्रभावित किया। लिहाजा, 'गुलाब गैंग' की तर्ज पर ही अपने संगठन को सशक्त बनाना चाहती हैं। यही वजह है कि संगठन की सभी महिलाएं गुलाबी रंग की ड्रेस पहनते हैं। श्यामा उन्हें आर्थिक के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्तर पर सशक्त होने के लिए प्रेरित करती हैं।

जब छूट गई थी बड़ी बेटी की पढ़ाई : एक गांव में श्यामा चौहान का फतेहपुर गांव में स्थित मकान बिक गया था। बाद में श्यामा ने इसी गांव में देवारा मकान बनाया और यूनिट भी लगाई। बकौल श्यामा, 'उस समय पैसे नहीं होने के कारण मेरी बड़ी बेटी शिल्पा की पढ़ाई छूट

श्यामा को मिले सम्मान

▶ उत्तराखंड की पहली महिला मास्टर ट्रेनर, जो प्रदेश के बाहर भी ट्रेनिंग देने गईं।

▶ गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्राविधिकी विश्वविद्यालय पंतनगर की ओर से किया गया सम्मानित।

▶ वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री त्रिवेद सिंह रावत ने प्रदान किया राज्यस्तरीय पुरस्कार।

देहरादून के जिला प्रबंधक विक्रम सिंह बताते हैं कि महिला जागृति स्वयं सहायता समूह वर्तमान में जूट के बैग, फाइल फोल्डर, नो प्लास्टिक बैग, आचार, जूसा, एलोवेरा जेल, टेक होम राशन जैसे उत्पाद तैयार कर रहा है। इन उत्पादों की रुझायग, टिहरी, पौड़ी और देहरादून जिलों में सप्लाई होती है। बताते हैं कि मिशन के तहत अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

फिट रहे इंडिया

रहे हम

मीराबाई का फिटनेस मंत्र

- ज्यादा से ज्यादा पानी पीना
- कहीं भी मौका मिले एक्सरसाइज जरूर करना
- जंक फूड नहीं खाना
- ज्यादातर उबली हुई चीजें खाना
- तली और भुनी हुई चीजों को खाने से बचना

घरेलू कामों से भी फिट रहती हैं महिलाएं

विश्व वैपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का कहना है कि घरेलू महिलाओं को अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा नहीं सोचना चाहिए, क्योंकि घर के काम करने से भी एक्सरसाइज हो जाती है। झाड़ू लगाने से कमर की एक्सरसाइज होती है और सीढ़ियों पर चढ़ने व उतरने से पैरों की एक्सरसाइज होती है। घर के काम करना उनके लिए एक्सरसाइज से कम नहीं है, क्योंकि ऐसा करने में मेहनत, थकान होती है व उनका स्टैमिना भी बढ़ता है।

आइसक्रीम शरीर को करती है खराब

जब मीराबाई से पूछा गया कि वह मिठाई में किस चीज से परहेज करती हैं तो उन्होंने कहा कि मैं आइसक्रीम नहीं खाती। यह शरीर को खराब कर देती है। दूसरी मिठाई भी बहुत कम खाती हूं। मैं तला और भुना खाना भी खाना पसंद नहीं करती हूं।

फिटनेस का मतलब

मीराबाई ने कहा कि फिट कोई भी हो सकता है। व्यक्ति मोटा हो या पतला, हर कोई फिट हो सकता है। जो मोटे हैं, उन्हें पतला होने की जरूरत नहीं, बस खुद को फिट रखें और फिटनेस का मतलब है कि आप खुद को बीमारियों से दूर रखें। अगर पतला आदमी है और वह बीमारियों से ग्रस्त है तो ऐसे पतले होने का कोई फायदा नहीं है।

चानू का साप्ताहिक प्लान

सोमवार : भारोत्तोलन का अभ्यास करना। साथ में दौड़ लगाना

मंगलवार : पांच से छह घंटे भारोत्तोलन का अभ्यास करना

बुधवार : पूरी तरह से भारोत्तोलन का अभ्यास करना और ज्यादा से ज्यादा एक्सरसाइज करना।

गुरुवार : बीडीबिल्टिंग का अभ्यास। सोना, स्टीम या आइस बाथ लेना।

शुक्रवार : सोमवार के दिन वाला ही कार्यक्रम रहता है।

शनिवार : ज्यादा से ज्यादा वजन उठाने का अभ्यास रहता है। पैरों की एक्सरसाइज होती है।

रविवार : पूरी तरह आराम।

योगेश शर्मा से बातचीत पर आधारित

बिहार की जेलों में एक महीने बापू की कहानी सुनेंगे कैदी

भुवनेश्वर वात्स्यायन, पटना

बिहार की जेलों में दो सितंबर से लगातार एक महीने यानी दो अक्टूबर तक बंदियों को बापू के जीवन से जुड़ी कहानी सुनाई जाएगी। उनके जीवन से संबंधित दो पुस्तकें-एक था मोहन और बापू की पाती कैदियों को पढ़कर सुनाया जाएगा। कारा विभाग ने इस योजना को अंतिम रूप दे दिया है। इसके पूर्व चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी समारोह के मौके पर राज्य के सभी विद्यालयों में प्रार्थना के समय बापू से जुड़ी कहानी का वाचन शुरू करया था। कैदियों के बीच ऐसा प्रयोग पहली बार किया जा रहा है।

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती से संबंधित समारोह का आयोजन अक्टूबर 2020 तक होना है। कारा विभाग ने जन शिक्षा निदेशक से अनुरोध किया है कि दोनों पुस्तकों की दो-दो प्रतियां जेलों के हिसाब से उपलब्ध कराई जाएं। रिपोर्ट के अनुसार, पुस्तकें जेलों तक पहुंच गई हैं। कारा अधिकारियों को अपने

- जेलों में एक था मोहन और बापू की पाती पुस्तक का होगा वाचन
- दो सितंबर से शुरू होकर दो अक्टूबर तक चलेगा कार्यक्रम

जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (साक्षरता) के सहयोग से कथा वाचन कार्यक्रम का संचालन किया जाना है।

एक था मोहन पुस्तक बिहार सरकार की परियोजना रही है। सोपान जोशी ने इस पुस्तक को लिखा है और आइटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर ने इसे प्रकाशित किया है। गांधी जी के जीवन से जुड़ी बातों रोचक तरीके से इस पुस्तक में हैं। मसलन 34 छात्रों में मोहनदास कर्मचंद गांधी 32 वें नंबर पर रहते थे। बापू की पाती पुस्तक में बापू के जीवन से जुड़ी 45 कहानियां हैं। इनमें महात्मा गांधी के खास कार्य, विचार और आंदोलनों में उनकी सक्रियता के बारे में बताया गया है।

भारतीय सीमा पर थर्मल कैमरे लगा रहा नेपाल

प्रमोद भट्ट, पिथौरागढ़

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) में अब थर्मल कैमरे लगाने का र्क है। इन कैमरों की क्षमता दस किमी दूर तक के चित्र खींचने की है। इन कैमरों को इंटरनेट सुविधा चीन की दूरसंचार कंपनी देगी। पूरे भारत-नेपाल सीमा पर करीब 106 बीओपी बननी हैं। इसमें दस चौकी बनवसा (चंपावत) के पास नेपाल स्थित गड़्हा चौकी से दार्चुला तक बनेंगी। नेपाल सरकार ने इसके लिए भूमि चयन और सर्वे कार्य के लिए एक करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है।

2016 में नेपाल और चीन सरकार के मध्य समझौता हुआ था। इसके तहत नेपाल को भारत की एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) की तर्ज पर अपनी सीमा में नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल की तैनाती करनी थी। इसके साथ ही बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) बनाकर निगरानी के लिए उनमें थर्मल कैमरे भी स्थापित करने थे। इन थर्मल कैमरों के संचालन के लिए चीन को इंटरनेट सेवा देनी थी। इसी समझौते के अनुसार नेपाल में बीओपी चौकियों और थर्मल कैमरे

गड़्हा चौकी से दार्चुला तक नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल के लिए बनेंगे बॉर्डर आउट पोस्ट

थर्मल कैमरों को इंटरनेट सेवा देगी चीन की दूरसंचार कंपनी

इन कैमरों से रात में हो सकती है निगरानी।

प्रतीकात्मक

लगाने की कवायद प्रारंभ हो चुकी है। पिथौरागढ़ जिले के झुलाघाट में काली नदी पर नेपाल में इसके लिए सर्वे हो चुका है।

सूत्रों के अनुसार, नेपाल सरकार पिथौरागढ़ के धारचुला से लेकर असम तक भारत-नेपाल सीमा पर करीब 87 से 106 बीओपी बना रही है। इन सभी चौकियों में थर्मल कैमरे भी लगेंगे। अलग-अलग क्षेत्रों में कुछ चौकियों के लिए एक मुख्य सेंटर बनाया जाएगा।

भारत के दो जिलों से सटी होंगी 10 बीओपी : चंपावत और पिथौरागढ़ जिलों से लगने वाली सीमा पर नेपाल के गड़्हा चौकी क्षेत्र से दार्चुला तक दस बीओपी बनेंगी। इसका सेंटर गड़्हा

के प्रति खासा रोष है। उनका कहना है कि अगर सड़क निर्माण कारा दिया जाता तो उन्हें यह कार्य नहीं करना होता।

सबसे ज्यादा परेशानी मरीजों को : ग्रामीण विनोद महतो और जलेंद्र गंडू ने बताया कि सड़क के निर्माण के लिए बीडीओ, मुखिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को आवेदन किया गया, लेकिन

अब मोबाइल फोन पर भी सुन सकेंगे आकाशवाणी के प्रसारण

मनीष मिश्र, प्रयागराज

रेडियो के बगैर आप आकाशवाणी के प्रसारण सुनना चाहते हैं, तो फिर चिंता छोड़ दीजिए। प्रसार भारती ने ऐसा एप तैयार किया है, जिसकी मदद से अब मोबाइल पर ही आकाशवाणी के प्रसारण सुना जा सकेगा। टैन, बस या किसी भी सफर में आकाशवाणी के प्रसारण को मोबाइल पर जारी रख सकेंगे।

प्रसार भारती ने महसूस किया कि लगभग हर हाथ में मोबाइल होने से रेडियो की डिमांड घटी है। लोग यूट्यूब, वाट्सएप व फेसबुक आदि पर व्यस्त हैं। इस कारण आकाशवाणी और रेडियो से लोग दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में प्रसार भारती ने 'न्यूज ऑन एआइआर' नाम से एप बनाया। इसके जरिये देश के किसी भी राज्य के चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम को सुना जा सकता है। आकाशवाणी के तीन चैनल हैं। एफएम, मीडियम वेव व शार्ट वेव। एफएम वेव पहले से ही मोबाइल पर प्रसारित होता था, लेकिन अब

- प्रसार भारती की ओर से तैयार किया गया है एप, आकाशवाणी के सभी चैनलों का होगा सीधा प्रसारण

प्रसार भारती की ओर से तैयार किए गए इस एप में आकाशवाणी के सभी कार्यक्रम मोबाइल पर सुने जा सकेंगे। लोग इस एप को डाउनलोड करके सीधे आकाशवाणी से जुड़ सकते हैं।

– विनय श्रीवास्तव, कार्यक्रम संचालक, आकाशवाणी प्रयागराज

नए एप से शार्ट व मीडियम वेव के कार्यक्रम भी प्रसारित होंगे।

इस एप पर सरकारी टीवी चैनलों का लाइव प्रसारण होता है। डीडी न्यूज, डीडी इंडिया, राज्यसभा टीवी चैनल के सभी कार्यक्रम इसके जरिये देखे जा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' समेत अन्य कार्यक्रमों को भी इसमें समाहित किया गया है।

जागरण विशेष

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते खुद किया सड़क बनाने का फैसला, गांव में आज तक प्रधानमंत्री आवास को छोड़ अन्य कोई विकास कार्य नहीं हुआ

मिथिलेश नायक, रांची

झारखंड के हजारीबाग जिले में पताल पंचायत के गांव कस्तयारी के लोगों को आजादी के बाद भी बुनियादी सुविधाएं नसीब नहीं हो पा रही हैं। कस्तयारी गांव के लोग अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से कई बार अपने गांव से निकलने के लिए एक अदद रास्ते की गुहार लगा चुके हैं। व्यवस्था से थक हारकर यहां के लोग अब बिहार के दशरथ मांझी के बताए रास्ते पर चल चुके हैं। जिस तरह मांझी ने बहड़ु को काटकर रास्ता बना लिया था, उसी तर्ज पर यहां के लोग भी तीन किलोमीटर लंबी सड़क को श्रमदान से बनाने में जुटे हैं। यहां लोग पिछले कुछ माह से प्रत्येक रविवार को श्रमदान कर सड़क का निर्माण कर रहे हैं, ताकि आवागमन में सुविधा हो। कस्तयारी गांव में 40 घरों में लगभग 150 लोग रहते हैं। सभी अनुसूचित जाति गंडू परिवार के हैं। गांव में आज तक प्रधानमंत्री आवास को छोड़ अन्य कोई विकास कार्य नहीं हो सका है। यहां के लोग सरकार और सरकारी व्यवस्था से काफी नाराज हैं।

दो माह से बना रहे हैं सड़क : युवाओं की टोली

विगत दो माह से सड़क का निर्माण कर रही है। प्रत्येक रविवार को 25 से 30 लोग घर से निकलते हैं और सड़क का निर्माण करते हैं। अब तक ग्रामीण करीब 300 मीटर तक सड़क बना चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इधर बारिश हो रही है, इसलिए सड़क निर्माण की गति धीमी है। सड़क निर्माण कर रहे ग्रामीणों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों

कोई फायदा नहीं हुआ। तब ग्रामीणों ने गांव से मुख्य सड़क तक तीन किलोमीटर लंबी सड़क बनाने का निर्णय लिया। इसके बाद प्रत्येक रविवार को गांव की एक टोली कुदाव, फावड़ा व अन्य औजार लेकर निकलती है और सड़क के निर्माण में जुट जाती है। ग्रामीणों की शिकायत है कि इस गांव में वोट लेने के लिए नेता आते हैं

ऐसा नहीं है कि मेरा ध्यान इस गांव की ओर नहीं है। गांव में इससे पूर्व एक किमी पीसीसी पक्की सड़क निर्माण के लिए मैंने मुखिया फंड से रुपये दिए हैं, लेकिन ग्रामीण अभी तक जगह का चयन नहीं कर सके हैं। अब ग्राम सभा में योजना का चयन कर बीडीओ से मिलकर गांव में विकास कार्य करावाऊंगा।

– इशाक एवका, मुखिया, पताल पंचायत

लोग अक्सर गिर कर घायल हो जाते हैं। बच्चे कड़े बार स्कूल भी नहीं जा पाते, क्योंकि कीचड़ में गिरने से उनके कपड़े गंदे हो जाते हैं, लेकिन सभी इसी रास्ते पर चलने को मजबूर हैं।

नेताओं की दो चेतावनी : जलेंद्र गंडू, सुरेश गंडू, मकूल गंडू समेत अन्य ग्रामीण कहते हैं कि वे सड़क तो बना ही रहे हैं, लेकिन इसे पक्का करने का काम अगर आगामी विधानसभा चुनाव तक नहीं करवाया गया तो इस चुनाव में नेताओं को सबक सिखाएंगे।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

झारखंड के हजारीबाग जिले की पाताल पंचायत के कस्तयारी गांव में सड़क निर्माण में जुटे ग्रामीण।

पाताल पंचायत के कस्तयारी गांव में सड़क निर्माण में करने वाले ग्रामीण।

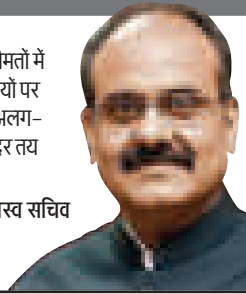
वीडियोकॉन पर 2,245 करोड़ रुपये का सरकार का दावा खारिज

नई दिल्ली, प्रे्ट : नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनव्हाैट) ने पेट्रोलियम मंत्रालय की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने वीडियोकॉन कंपनी पर 31.4 करोड़ डॉलर (करीब 2,245 करोड़ रुपये) का दावा किया था। मंत्रालय की ओर से कहा गया था कि वीडियोकॉन ने हिस्सेदारी नहीं चुकाई है। यह विवाद रावा ऑयल एंड गैस फील्ट से जुड़ा हुआ है।

इससे पहले मंत्रालय ने पिछले साल 22 अक्टूबर को वीडियोकॉन को प्रॉफिट में हिस्सेदारी के लिए नोटिस भेजा था। रावा ऑयल एंड गैस फील्ट में वीडियोकॉन की 25 परसेंट हिस्सेदारी है।

सरकार सोने की कीमतों में स्थिरता लाने के उपायों पर विचार कर रही है। हालांकि अलग-अलग कैरेट के लिए मानक दर तय करना कठिन काम है।

— अजय भूषण पांडेय, राजस्व सचिव



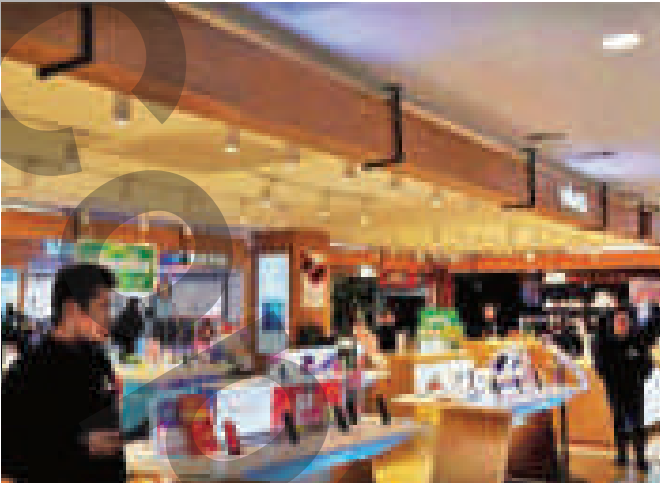
कारोबार विस्तार से मंदी का मुकाबला करेंगी कंपनियां

चुनौती के आगे ▶ कई कंपनियों ने बनाई नए निवेश की योजना, लंबी अवधि में ग्रोथ भी पर है इनकी नजर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इकोनॉमी की सुस्त रफ्तार के इस माहौल को कंपनियां कारोबारी विस्तार के मौके के तौर पर देख रही हैं। बिक्री में गिरावट के बावजूद ऑटोमोबाइल से लेकर मोबाइल हैंडसेट और रिटेल सेक्टर की कई कंपनियां विस्तार पर नए निवेश की योजनाएं लेकर सामने आई हैं। इनमें ऑटो सेक्टर की मारुति सुजुकी, मोबाइल हैंडसेट सेक्टर की वीवो और वन प्लस तथा अपरेल रिटेलिंग सेक्टर की वी-मार्ट जैसी कंपनियां शामिल हैं जिन्होंने इस दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाए हैं।

इस माहौल में कंपनियों की तरफ से निवेश बढ़ाने के पीछे कंपनियों की सोच यह भी है कि इससे इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी जो अंततः ग्राहकों के लिए फायदेमंद होगी। जानकार मानते हैं इससे उनके पास अधिक फायदा उपलब्ध होंगे। इंडस्ट्री एनालिस्ट और जुनिपर एडवाइजर्स के निदेशक श्रीनिवास रेड्डी मानते हैं, 'इस तरह के कदम बाजार में नई मांग पैदा करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।'



र्योहारी सीजन के लिए मोबाइल कंपनियों ने नए प्रोडक्ट्स के माध्यम से कसी है कमर।

प्रतीकात्मक

यही वजह है कि अपनी कारों की बिक्री में बड़ी गिरावट का सामना कर रही मारुति सुजुकी न केवल नए उत्पादों में निवेश की

रणनीति पर कायम है, बल्कि अपने गुजरात प्लांट में तीसरी उत्पादन लाइन के निर्माण कार्य को भी जारी रखे हुए हैं। कंपनी की सालाना

आमसभा को संबोधित करते हुए मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने पिछले हफ्ते ही इस बात का एलान किया था। कंपनी न केवल नए प्रोडक्ट लाने की तैयारी कर रही है, बल्कि तीसरी लाइन में अगले साल की पहली तिमाही से उत्पादन भी शुरू कर देगी।

मोबाइल हैंडसेट कंपनियों की रणनीति भी निवेश और विस्तार को बनाए रखने की है। वीवो इंडिया भी देश में एक नई मैन्यूफैक्चरिंग इकाई लगा रही है, जिस पर वह 3,500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। कंपनी ने स्मार्टफोन कैटेगरी में अगले 10 वर्षों के लिए व्यापक योजना तैयार की है। इसके तहत कंपनी हैंडसेट निर्माण पर कुल 7,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

कंपनी के डायरेक्टर (ब्रांड स्ट्रैटेजी) निपुण मार्या ने बताया कि नई इकाई शुरू होने के बाद मैन्यूफैक्चरिंग की क्षमता पांच करोड़ यूनिट सालाना की हो जाएगी। इसी तरह एक अन्य मोबाइल कंपनी वन प्लस भी देश में आरएंडडी पर एक हजार करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है।

दूर-दराज के कस्बाई बाजारों तक विस्तार की योजना

मांग को ध्यान में रखते हुए कंपनियां अपनी लंबी अवधि की निवेश योजनाएं तो बना ही रही हैं, इसके साथ ही उनका ध्यान आने वाले त्योहारी सीजन पर भी है। मांग को बढ़ाने में इस त्योहारी सीजन को वे एक शुरुआती ट्रिगर मान रही हैं। यही वजह है कि फैशन और लाइफस्टाइल रिटेल में छोटे शहरों में कारोबार करने वाली कंपनियां भी विस्तार के मोड़ में हैं। देश के करीब 198 शहरों में 233 रिटेल स्टोर चला रही वी-मार्ट 60 नए स्टोर खोलने जा रही है। कंपनी इसी वित्त वर्ष में इन पर 115 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और इससे करीब दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक ललित अग्रवाल का मानना है, 'जिस बाजार में हम हैं वहां अभी भी ख़ात का स्तर ऊंचा है। इसलिए भविष्य में भी हम टियर टू से टियर फोर शहरों तक जाने की योजना रखते हैं।'

ग्राहकों के मुताबिक प्रोडक्ट डिजाइनिंग पर जोर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मौजूदा आर्थिक हालात में मांग बढ़ाने की कोशिश में कंपनियां का ध्यान अपने ग्राहकों की जरूरत पर केंद्रित हो गया है। खासतौर पर वित्तीय क्षेत्र में कंज्यूमर लोन देने वाले संस्थान व बैंक ऐसे प्रोडक्ट तैयार करने की तैयारी कर रहे हैं जिससे हर तरह के ग्राहकों की जरूरत पूरी हो सके। इतना ही नहीं, घरेलू बाजार में मांग की स्थिति में सुधार हो, इसके लिए बिजनेस-टू-बिजनेस श्रेणी की कंपनियां भी अपने ग्राहकों के विकास को ध्यान में रखते हुए नीति तैयार कर रही हैं।

मांग में कमी के चलते ऑटोमोबाइल से लेकर कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी समेत तमाम कंपनियों की बिक्री में आई गिरावट पूरी इंडस्ट्री की चिंता बनी है। इससे निकलने की कोशिश में वित्तीय क्षेत्र अपने लोन प्रोडक्ट्स को लचीला बनाने की नीति अपना रख है। खासतौर पर ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर लोन देने वाले बैंक अगर एनबीएफसी ऐसे लोन प्रोडक्ट तैयार करने में जुटे हैं जिनका लाभ हर प्रकार के ग्राहक ले सके। हाल ही में

भारतीय स्टेट बैंक ने बिभिन्न लोन प्रोडक्ट्स में इंटेस्ट रेट में तब्दीली लाकर इसकी पहल की है। एनबीएफसी इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि कॉर्पोरेट व्हीकल से लेकर खेती में काम आने वाले उपकरणों के लिए लोन देने वाली कंपनियां अपने लोन प्रोडक्ट्स को नए सिरे से डिजाइन करने में जुट गई हैं। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल उत्पादों की घटती मांग को देखते हुए कंज्यूमर लोन को भी ज्यादा किफायती बनाने की कोशिश वित्तीय कंपनियां कर रही हैं। दूसरी तरफ वी2बी सेगमेंट में भी कंपनियां अपने ग्राहकों की मदद में उतर आई हैं। छोटे किराना दुकानदारों को सामान की आपूर्ति करने वाली वालमार्ट इंडिया ने इन दुकानों द्वारा टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दिशा में बढ़ावा देने की पहल की है। कंपनी इन किराना स्टोर्स को सेल्फ सर्विस शॉप के रूप में परिवर्तित करने में मदद कर रही है। छोटे रिटेलरों के कारोबार को डिजिटल बनाने लिए मुम्बत में सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर उपलब्ध करा रही है। कंपनी का मानना है कि इन दुकानदारों की स्थिति में सुधार से बिक्री की स्थिति भी बदलेगी, जिसका असर पूरे सेक्टर पर पड़ेगा।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत में इजाफा

नई दिल्ली, प्रे्ट : दिल्ली-एनसीआर में शनिवार से सीएनजी की कीमत में इजाफा हो गया है। यह इजाफा दिल्ली के मुकाबले रुपये के कमजोर होने के कारण इंपोर्ट लागत में बढ़ोतरी होने से हुआ है। इस साल अप्रैल के बाद सीएनजी की कीमतों में यह लगातार तीसरी बढ़ोतरी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड की ओर से कहा गया है कि दिल्ली, रेवाड़ी, गुरुग्राम और करनाल में सीएनजी की कीमतों में 50 पैसे प्रति किलो के हिसाब से बढ़ोतरी की गई है। वहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में 55 पैसे प्रति किलोग्राम के हिसाब से सीएनजी की कीमतों में इजाफा हुआ है। दिल्ली में सीएनजी की नई उपभोक्ता कीमत 47.10 रुपये, रेवाड़ी और गुरुग्राम में 58.95 रुपये, करनाल में 55.95 रुपये तथा नोएडा और गाजियाबाद में 53.50 रुपये प्रति किलोग्राम होगी।

हालांकि घरो को सप्लाई की जाने वाली पीएनजी की कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया गया है। टेक्स टर्मों में अंतर होने के चलते अलग-अलग शहरों में गैस की कीमतों में अंतर होता है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड रात 12 बजे से सुबह छह बजे के बीच सीएनजी फिलिंग में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से छूट देता है। कंपनी ने कहा है कि वह अपने चुनिंदा आउटलेट पर यह छूट जारी रखेगा। गैस की बढ़ी कीमतों पर सफाई देते हुए आइजीएल ने कहा कि रुपये की गिरती कीमतों के चलते गैस का इंपोर्ट महंगा हो रहा है, जिससे कीमतों में इजाफा ही एक विकल्प था।

जेट ईधन सरता, गैर-सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर महंगा

नई दिल्ली, प्रे्ट : ऑयल कंपनियों की ओर से जारी प्राइस नोटिफिकेशन के मुताबिक कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतों में कमी के चलते जेट ईधन की कीमतों में लगभग एक परसेंट की गिरावट आई है। हालांकि बिना सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर पर 15.5 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में जेट ईधन की कीमत में 596.62 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 0.9 परसेंट की कमी हुई है। कटौती के बाद जेट ईधन की नई कीमत 62,698.86 प्रति किलोलीटर हो गई है। बीते अगस्त में जेट ईधन में 5.8 परसेंट की कमी की गई थी।

नाउम्मीदी ▶ अपेक्षा के अनुरूप संग्रह नहीं, सरकार के समक्ष चुनौती

एक लाख करोड़ रुपये के भीतर ही रहा जीएसटी संग्रह

अगस्त में सरकार को मिला

98,202 करोड़ रुपये का

जीएसटी रेवेन्यू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जीएसटी से होने वाला संग्रह अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। इस महीने देश में जीएसटी का कुल संग्रह 98,202 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई में जीएसटी संग्रह 1.02 लाख करोड़ रुपये रहने से यह उम्मीद बंधी थी कि आने वाले महीनों में यह और सुधरेगी। लेकिन इस स्तर पर मुश्किलें अभी बनी हुई हैं। अगस्त में जीएसटी संग्रह की वृद्धि दर भी जुलाई में दर्ज 6.6 फीसद के मुकाबले घटकर 4.5 फीसद पर आ गई है। अगस्त, 2018 में जीएसटी संग्रह की राशि 93,960 करोड़ रुपये थी।

वित्त मंत्रालय की तरफ से दी गई सूचना के मुताबिक कुल हासिल जीएसटी में सेंट्रल जीएसटी (सीजीएसटी) की राशि



प्रतीकात्मक

31 अगस्त को रिकॉर्ड आइटी रिटर्न फाइल

सरकार ने रविवार को आयकर रिटर्न फाइलिंग के आंकड़े भी जारी किए हैं। इसके मुताबिक असेसमेंट ईयर 2019-20 के लिए 31 अगस्त को रिकॉर्ड 49.29 लाख से ज्यादा करदाताओं ने रिटर्न फाइल किए हैं। रिटर्न फाइल कंपने की अंतिम तिथि यानी 31 अगस्त तक कुल 5,65,08,183 आइटीआर भरे गए हैं जो 2018-19 के मुकाबले चार परसेंट ज्यादा है। प्रभाते के अंतिम चार-पांच दिन में ही सबसे ज्यादा रिटर्न फाइल किए गए हैं।

17,733 करोड़ रुपये और स्टेट जीएसटी (एसजीएसटी) की राशि 24,239 करोड़ रुपये रही है। जबकि इंटीग्रेटेड जीएसटी के खाते में 48,958 करोड़ रुपये की राशि आई है। सेस से प्राप्त होने वाले रेवेन्यू की राशि 7,273 करोड़ रुपये है। इसमें यह भी बताया गया है कि सरकार ने इस महीने कुल 23,165 करोड़ रुपये की राशि बतौर सीजीएसटी और 16,623 करोड़ रुपये की राशि बतौर एसजीएसटी एडजस्ट की गई है। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीने के आंकड़ों को देखे तो अप्रैल, मई और जुलाई में

जीएसटी संग्रह की राशि एक लाख करोड़ को पार कर चुकी है। अप्रैल में यह राशि 1,13,865 करोड़ रुपये की रही थी। तब यह माना गया था कि अब जीएसटी संग्रह 1.10 लाख रुपये के आसपास ही रहेगा। हालांकि जून में यह घटकर 99,483 करोड़ रुपये की रहा था। इस लिहाज से अगस्त के आंकड़े ज्यादा चिंता पैदा करने वाले हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन की स्थिति को देखते हुए अगस्त में भी स्थिति बहुत सुधरने की उम्मीद कम है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि औद्योगिक विकास की दर महज 0.6 परसेंट है।

कारों की बिक्री में गिरावट का सिलसिला अगस्त में भी जारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

ऑटो कंपनियों को कहीं से रहत मिलती नहीं दिख रही है। कार कंपनियों की बिक्री में गिरावट का सिलसिला अगस्त में भी जारी रहा। रविवार को जिन कार कंपनियों ने अगस्त की बिक्री के आंकड़े दिए हैं, उससे कोई सकारात्मक संकेत मिलता नहीं दिख रहा। घरेलू कार बाजार में 48 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली मारुति सुजुकी ने कहा है कि अगस्त में बिक्री में काफी घरेलू बिक्री में 34.3 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। एक अन्य बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा के वाहनों की घरेलू बिक्री में 26 फीसद की कमी आई है।

मारुति सुजुकी कुल छह श्रेणियों में कारों बनाती है। उनमें से सिर्फ यूटिलिटी व्हीकल्स (जिप्सी, आर्टिगा, विटापा ब्रेजा, एस-क्रॉस, एक्सएल-6) में बिक्री बढ़ी है। इसमें कुल 18,522 वाहनों की बिक्री की गई है जो अगस्त, 2018 के मुकाबले 3.1 फीसद ज्यादा है। इस श्रेणी को भारतीय कार बाजार की शूढ़ कहा जाता है। पिछले वित्त वर्ष में जब कार बाजार में 2.7 परसेंट की गिरावट हुई थी तब भी यूटिलिटी

▶ अगस्त में मारुति सुजुकी की बिक्री 34.3 परसेंट कम
▶ महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री में भी दर्ज की गई 26 परसेंट की गिरावट

व्हीकल्स बाजार में सात फीसद की वृद्धि हुई थी। पिछले दो वर्षों में देश में जितने नए मॉडल की कारें लांच की गई हैं, उनमें से 70 परसेंट इसी श्रेणी की हैं। इस बाजार में मारुति ने एक के बाद एक कई कारों को लांच कर अपना वर्चस्व बना रखा है लेकिन जाहिर है कि यहां भी ग्राहक दूर हैं। कंपनी की मिनी सेगमेंट यानी ऑल्टो की बिक्री में 71 परसेंट, कॉपैक्ट सेगमेंट में 24 परसेंट और मिड साइज में 77 फीसद की बड़ी गिरावट हुई है। मारुति सुजुकी ने चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) के आंकड़े भी दिए हैं जिसके मुताबिक घरेलू बिक्री में 25.4 परसेंट की गिरावट हुई है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के पर्सनल व्हीकल्स वर्ग की बिक्री में 32, वाणिज्यिक वाहनों में 28 और ट्रैक्टर वर्ग में 17 परसेंट की गिरावट हुई है। इस कंपनी को देश में यूटिलिटी व्हीकल्स वाहनों के लिए जाना जाता है।

जीडीपी आंकड़ों, बैंकिंग स्टॉक्स पर रहेगी नजर

बीते शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जीडीपी के आंकड़े जारी हुए थे

नई दिल्ली, प्रे्ट : इस सप्ताह शेयर बाजार पर घरेलू इकोनॉमिक आंकड़ों और यूएस-चीन ट्रेड वार जैसी ग्लोबल इकोनॉमिक हलचलों का असर दिखाई पड़ने की उम्मीद है। निवेशकों की नजर उन बैंकिंग स्टॉक्स पर भी रहेगी, जिनके विलय की वित्त मंत्री ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी। सोमवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेगा।

बीते शुक्रवार को वित्त वर्ष 2019-20 की जून तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक जीडीपी ग्रोथ रेट गिरकर पांच परसेंट पर आ गया। वह छह वर्षों का निचला स्तर है। उत्पादन में कमी और कृषि गतिविधियों में सुस्ती के चलते जीडीपी ग्रोथ में गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि जीडीपी में गिरावट की उम्मीद पहले से थी, लेकिन चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उम्मीद से ज्यादा खराब है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटिजिस्ट वीके विजय कुमार के मुताबिक आरबीआइ के रेट कट का असर आने वाले कुछ महीनों में दिखाई देगा। इससे चालू वित्त

ट्रेड वार का भारतीय बाजार पर सीधा असर दिखाई देगा



प्रतीकात्मक

वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में जीडीपी के गति पकड़ने की उम्मीद है। सैमको सिस्चुरिटीज के फाउंडर ज़िमीत मोदी के मुताबिक ग्लोबल कार्पों के चलते इस सप्ताह बाजार मंद रहने की उम्मीद है। सरकार ने बीते सप्ताह दस सरकारी बैंकों को जोड़ने की घोषणा की थी। जानकार इसे अच्छा कदम मानते हैं। एचडीएफसी सिस्चुरिटीज में रिटेल रिसर्च प्रमुख दीपक जासनी इसे इकोनॉमी के

एफपीआइ ने अगस्त में भारतीय बाजारों से निकाले 5.920 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, प्रे्ट : एफपीआइ से बढ़ा हुआ सरचार्ज वापस लेने के बावजूद बीते अगस्त में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 5,920 करोड़ रुपये निकाल लिए। मार्गिंग स्टार के सीनियर रिसर्च मैनेजर हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि सरचार्ज हटाए जाने के बाद विदेशी निवेशकों का रहेया उम्मीद के विपरीत है। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआइ ने इक्विटी से 17,5920.02 करोड़ रुपये निकाल लिए, वहीं डेब्ट सेक्शन में 11,672.26 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह से कुल आउटफ्लो 5,920.02 करोड़ रुपये रहा। जुलाई में विदेशी निवेशकों ने कुल 2,985.88 करोड़ रुपये से निकाले थे।

सुधाघात्मक कदम मानते हैं। इस सप्ताह शेयर बाजार पर पीएमआइ डाटा का असर भी देखने को मिलेगा। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने बताया कि बीते अगस्त महीने में उसकी सेल में 32.7 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा की सेल में भी 25 परसेंट की गिरावट हुई। निवेशकों की नजर रुपये के भाव और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी।

आठ बड़ी कंपनियों के

कुल बाजार पूंजीकरण में

77,222.53 करोड़ रुपये

का इजाफा

नई दिल्ली : बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स के शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में सम्मिलित रूप से 77,222.53 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इनमें एचडीएफसी और आइटीसी का पूंजीकरण में इजाफा किया। आरआइएल और कोटक महिंद्रा बैंक को उनके बाजार पूंजीकरण में नुकसान उठाना पड़ा। सबसे ज्यादा इजाफा एचडीएफसी के एम-कैप में हुआ। यह 21,657.69 करोड़ रुपये बढ़कर 3,73,860.41 करोड़ हो गया। वहीं एचडीएफसी बैंक ने भी अपने बाजार पूंजीकरण में 17,950.48 करोड़ की छलांग लगाई।

सोने की कीमत स्थिर करने के तरीके खोज रही सरकार

चेन्नई, प्रे्ट : रेवेन्यू सेक्रेटरी अजय भूषण पांडे ने कहा है कि सरकार सोने की कीमतों को स्थिर करने के तरीके खोजने का प्रयास कर रही है। सोने की बढ़ती कीमतों पर नजर रखने की जरूरत है। पांडे ने कहा कि दुनियाभर में लोग सोने को खोजने को छोड़कर सोने में निवेश कर रहे हैं। इसके चलते अमेरिका और यूरोप समेत एशिया के अधिकांश बाजारों में सोने की कीमतें लगातार चढ़ रही हैं। पूरी दुनिया के बाजार इससे प्रभावित हुए हैं।

अगर किसी असेट क्लास से सही रिटर्न नहीं मिल रहे हों तो निवेशक दूसरे असेट में निवेश करने लगते हैं। ऐसे समय में ज्यादातर लोग सोने में निवेश करना पसंद करते हैं, जिससे सोने के भाव में इजाफा होने लगता है। पांडे ने कहा कि भारत में सोने के भाव में लगातार बढ़ोतरी एक वजह डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना भी है। सोने के भाव को नियंत्रित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह काम आसान नहीं है। अलग-अलग कैरेट सोने के लिए मानक कीमत सुनिश्चित करना कठिन काम होगा।

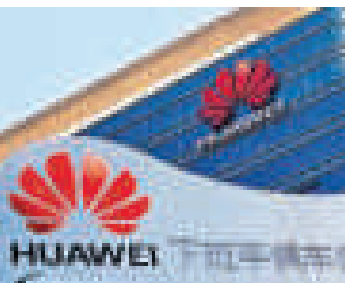
भरोसा

दूरसंचार क्षेत्र में भारी निवेश को तैयार है चीन की कंपनी हुआवे, 5जी को लेकर भारत सरकार के फैसले का इंतजार कर रही कंपनी

मोदी-चिनफिंग मुलाकात से तय होगा भारत में हुआवे का भविष्य

जयप्रकाश रंजन, शेनजेन

दूरसंचार कंपनियों के लिए बेहद संवेदनशील अत्याधुनिक उपकरण बनाने वाली चीन की कंपनी हुआवे को इस क्षेत्र में आज अमेरिकी कंपनियों के सबसे बड़ी स्पर्धी के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों की तरफ से प्रतिबंध ड़ेला रही इस कंपनी के लिए भारत का बाजार बहुत अहम हो गया है। लेकिन कंपनी की दिक्कत यह है कि भारत भी इस बारे में फैसला लेने में देरी कर रहा है। ऐसे में कंपनी की सारी भावी योजनाएं अब इस बात पर टिकी हैं कि अक्टूबर में पीएम नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच होने वाली मुलाकात में हुआवे को लेकर क्या फैसला होता है। कंपनी के अधिकारी मानते हैं कि दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की होने वाली बैठक एक तरह से भारत में कंपनी के कारोबार का भविष्य तय करने वाली होगी। चीन के इलेक्ट्रॉनिक शहर के तौर पर मशहूर शेनजेन स्थित हुआवे के मुख्यालय के आला अधिकारियों के मुताबिक भारत सरकार को यह समझना होगा कि आज अमेरिका अपनी कंपनी



भारत से कंपनी को बड़ी उम्मीद है।

फाइल

को बचाने के लिए चीन की कंपनियों को निशाना बना रहा है। लेकिन उनका अमला निशाना भारतीय कंपनियां होंगी क्योंकि वे भी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काफी तेजी से प्रगति कर रही हैं। भारत में हमारा रिकॉर्ड देखा जाए तो साफ है कि हम वहां पर स्थानीय ढांचा तैयार करने पर कितना ध्यान देते हैं। चीन के बाद हुआवे का दूसरा सबसे बड़ा शोध व अनुसंधान (आरएंडडी) केंद्र बेंगलुरु (भारत) में ही है, जहां 2,000 कर्मचारी हैं। चेन्नई में कंपनी ने मोबाइल हैंडसेट फैक्ट्री

भारत क्यों महत्वपूर्ण

हुआवे के लिए भारत का टेक्नॉलॉम बाजार अभी भी दुनिया के शीर्ष तीन बाजारों में से है। कंपनी की सोच है कि अगर भारत की तरफ से 5जी सेवाओं के परीक्षण में उसे भाग लेने की अनुमति मिल जाए, तो वह अमेरिकी व कुछ यूरोपीय बाजारों के खोने की भरपाई कर सकती है। इसके लिए कंपनी भारत में अत्याधुनिक मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए भी तैयार है।

अमेरिका की दिक्कत क्या है

अमेरिका को लगता है कि हुआवे के उपकरणों का उपयोग जासूसी के लिए भी किया जा रहा है और वहां की महत्वपूर्ण सूचनाएं कंपनी के माध्यम से सीधे चीन सरकार को भेजी जा रही हैं। उसे लगता है कि हुआवे से उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। हुआवे ने हमेशा से इसका खंडन किया है। लेकिन अमेरिका इस चीनी कंपनी पर विश्वास करने को तैयार नहीं है।

काफी पहले से स्थापित कर रखी है। अगर 5जी में उन्नरने की अनुमति मिल जाती है तो हम दूरसंचार उपकरणों के निर्माण के लिए चीन के बाहर दूसरा

सबसे बड़ा प्लांट भारत में लगा सकते हैं। भारत की इकोनॉमी जिस गति से बढ़ रही है, उसकी दूरसंचार उपयोगिता को पूरा करने के लिए

हुआवे की खास योजना है। लेकिन फिलहाल कंपनी को सरकार के फैसले का इंतजार है। मोदी और चिनफिंग की मुलाकात से ही आगे की राह निकलती दिख रही है।

यह पूछे जाने पर कि अगर भारत हुआवे को अनुमति नहीं देता तो कंपनी का भावी योजना क्या होगी, अधिकारी का जवाब था कि हम शायद फिर 4जी बाजार में ही फोकस करेंगे। लेकिन रिलायंस जियो की वजह से देश को दूसरी दूरसंचार कंपनियों की हालत काफी खराब हो चुकी है। 4जी बाजार में उनकी हिस्सेदारी घटती जा रही है। इसका असर हुआवे के कारोबार पर भी पड़ा है। क्योंकि रिलायंस जियो अपने उपकरण सैमसंग से लेती है। साथ ही हैंडसेट बाजार को लेकर भी हम काफी आशान्वित हैं। अक्टूबर, 2019 में कंपनी अगले साल के अपने वैश्विक प्लान की घोषणा करेगी जिसमें भारत के लिए भी घोषणाएं होंगी। हुआवे वर्ष 1999 में भारत में काम कर रही है। कंपनी भारतीय बाजार में अभी तक कुल 3.6 अरब डॉलर का निवेश कर चुकी है और वहां उसके कुल 6,000 कर्मचारी हैं। वर्ष 2018 में कंपनी ने भारत में तकरीबन एक अरब डॉलर का कारोबार किया था।



वाशिंगटन : अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया प्रांत की पुलिस ने 64 वर्षीय भारतीय सिख परमजीत सिंह की हत्या के मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में 21 साल के एंथनी क्रीटर रोड्स को गिरफ्तार किया गया है। परमजीत तीन साल पहले भारत से अमेरिका पहुंचे थे। कैलिफ़ोर्निया के ट्रेसी शहर के नामचीन सिखों में उनकी गिनती होती थी। गत 25 अगस्त की शाम ग्रेवेन टेली पार्क में टहलने गए परमजीत की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना से शहर के सिख समुदाय में रोष है। इस हत्याकांड को अमेरिका में सिखों के खिलाफ होने वाले घृणा अपराध से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, सैन जोकिन काउंटी सुपीरियर कोर्ट में एंथनी के खिलाफ सुबुत पेश कर उसकी गिरफ्तारी का वारंट हासिल किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसके घर की तलाशी भी ली गई। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चला है। पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है। (प्रै)

वेटिकन की लिफ्ट में फंसे पोप दमकल कर्मियों ने निकाला
वेटिकन सिटी : पोप फ्रांसिस रविवार को वेटिकन सिटी स्थित अपने मुख्यालय की एक लिफ्ट में फंस गए। सूचना मिलने पर दमकल कर्मियों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। सेंट पीटर स्क्वायर पर दोपहर की सभा में सात मिनट की देरी से पहुंचने पर पोप ने बताया कि वह लिफ्ट में फंस गए थे। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे बचाव कर्मियों के लिए तालियां बजाएं। (एपी)

ट्रंप ने भारतवंशी शिरीन को फेडरल जज नामित किया
वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बतौर अर्टौनी अपने काम से मशरूफ़ भारतवंशी शिरीन मैथ्यू को फेडरल जज नामित किया है। शिरीन के नाम पर संसद की मुहर लगने के बाद वह कैलिफ़ोर्निया की जिला अदालत में जज का पद संभालेंगी और सदन डिस्ट्रिक्ट में इस उच्च पद को पाने वाली पहली एशियाई महिला बन जाएंगी। व्हाइट हाउस के अनुसार, शिरीन को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों का लंबा तजुर्बा है। (प्रै)

ट्रंप ने ईरान की तस्वीर ट्वीट कर खुफिया जानकारी सार्वजनिक की

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की है। शुक्रवार को पोस्ट की गई तस्वीर विफल ईरानी सैटेलाइट लांच की है। इसके बाद से सवाल उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने अमेरिकी निगरानी की गोपनीयता सार्वजनिक की है? ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में उत्तरी ईरान में स्थित स्पेस सेंटर की साइट को दर्शाया गया है। इसमें क्षतिग्रस्त सर्विस टावर का चौपाया आधार और गिरा हुआ मोबाइल लांचर शामिल है। अपने ट्वीट में ट्रंप ने साइट की स्थिति बताते हुए कहा है कि ईरान में सेमनान लांच साइट पर साफिर एसएलवी लांच की अंतिम तैयारी के दौरान हुई त्रासद दुर्घटना में अमेरिका शामिल नहीं है।

शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से अमेरिकी राष्ट्रपति ने फोटो पोस्ट किए जाने का बचाव किया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास तस्वीर थी। मैंने उसे जारी किया। ऐसा करने का मेरे पास पूरा अधिकार है। ईरानी एक बड़ी मिसाइल दागने जा रहे थे और यह अच्छी तरह काम

हांगकांग में हिंसक प्रदर्शन, प्रमुख रास्ते किए जाम

बढ़ रहा मामला ▶ प्रदर्शनकारियों ने अवरोध लगाकर बस टर्मिनल का रास्ता किया बंद

एयरपोर्ट ट्रेन के ट्रैक पर फेंके लोहे के खंभे और ईंटें

हांगकांग, एपी : हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों ने रविवार को शहर के एयरपोर्ट को जाने वाले कुछ मार्गों को बंद करके प्रदर्शन किया। जिसके चलते एयरपोर्ट की ओर जाने वाली ट्रेन सेवा को निर्लंबित करना पड़ा। बता दें कि हांगकांग में पिछले तीन महीनों से सरकार विरोधी प्रदर्शनों में लगातार तेजी दिखाई दे रही है। ये प्रदर्शन जून में एक प्रत्यर्पण संबंधित विधेयक को वापस लेने को लेकर शुरू हुए थे, जिसके तहत हांगकांग के निवासियों को मुकदमे के लिए चीन भेजे जाने का प्रावधान था। फिलहाल इस विधेयक पर रोक लगा दी गई है। रविवार को दोपहर से पहले ही सैकड़ों प्रदर्शनकारी चेक लाप कोक द्वीप पर स्थित एयरपोर्ट पर एकत्र हो गए और बस टर्मिनल के बाहर अवरोध लगाकर रस्ता बंद कर दिया। प्रदर्शनकारी टर्मिनल के अंदर नहीं घुस सके, इसके लिए नीली वर्दीधारी पुलिस अधिकारियों ने एक लाइन बना ली और साथ ही चेतावनी दी कि एयरपोर्ट के संचालन में बाधा डालकर वे अदालत के आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच चल रही रस्साकशी के बीच हांगकांग से एयरपोर्ट के लिए जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को निर्लंबित कर दिया गया। हालांकि एमटीआर

रोहिंग्या हिंसा के दोषी सैनिकों का कोर्ट मार्शल करेगी म्यांमार की सेना

यंगून, रायटर : म्यांमार की सेना ने कहा है कि रखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ हिंसा के दोषी पाए गए सैनिकों का कोर्ट मार्शल किया जाएगा। वर्ष 2017 में रखाइन में रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में कई लोग मारे गए थे। सैन्य कार्रवाई से बचने के लिए लाखों रोहिंग्या ने भागकर बांग्लादेश में शरण ली थी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने इसे म्यांमार सेना की सुनिश्चित करवाई बताते हुए नरसंहार करार दिया था। म्यांमार के सेना प्रमुख मिन आंग हलैंग की वेबसाइट पर शनिवार को कहा गया कि जांच में दोषी पाए गए सैनिकों का सैन्य अदालत में कोर्ट मार्शल होगा। सेना प्रवक्ता टुन टुन न्यी ने हालांकि इसका कोई ठोस जवाब नहीं दिया कि सैनिकों का कोर्ट मार्शल किस जुर्म के तहत किया जाएगा। यूएन, व्पमरेटी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वाच की ओर से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग के बाद म्यांमार की सेना ने मामले की जांच के लिए इस साल मार्च में सैन्य अदालत का गठन किया था।



विवादास्पद प्रत्यर्पण बिल को लेकर हांगकांग में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच रविवार को प्रदर्शनकारियों ने एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग पर बैरिकेड लगाकर रास्ता रोक दिया। ऐसे में परेशान यात्रियों को पैदल ही एयरपोर्ट तक जाना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़पें भी हुई। कई स्थानों पर आगजनी की गई है। पुलिस ने नियंत्रण पाने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे।

कारपोरेशन ने एयरपोर्ट से हांगकांग शहर के बीच ट्रेनों यथावत चलने का दावा किया। मीडिया के मुताबिक ज्यादातर प्रदर्शनकारी शांत थे, लेकिन एक सरकारी बयान में कहा गया है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और एयरपोर्ट

के कर्मचारियों पर चीजें फेंकी थीं। वहीं एक अलग बयान में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने अवरोध पैदा करने के लिए एयरपोर्ट ट्रेन के ट्रैक पर लोहे के खंभे, ईंटें और चट्टानें फेंकी हैं। ब्रिटेन के झंडे लेकर वाणिज्य

दूतावास के बाहर भी किया प्रदर्शन : प्रदर्शनकारियों ने रविवार को ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास के बाहर भी प्रदर्शन किया और ब्रिटेन से चीन के कब्जे में आने से पहले उपनिवेश में पैदा हुए लोगों को नागरिकता प्रदान करने की

अमेरिका में गोलीबारी में सात की मौत, 20 घायल

ह्यूस्टन, प्रैट्र : अमेरिका के टेक्सास प्रांत में शनिवार को एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर तीन पुलिस अधिकारियों समेत सात लोगों की जान ले ली। मिडलैंड और ओडेसा शहरों में की गई इस गोलीबारी में 20 लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने पीछा कर हमलावर को मार गिराया। एक महीने में टेक्सास में गोलीबारी की यह दूसरी और अमेरिका में इस साल की 38वीं घटना है। टेक्सास में इससे पहले अल पासो स्थित वालमार्ट स्टोर में गोलीबारी में 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमलावर की पहचान उजागर नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि वह करीब तीस साल का एक श्वेत था। स्थानीय समानुसार, दोपहर बाद तीन बजे ट्रैफिक अधिकारियों द्वारा रोके जाने पर सबसे पहले उसने एक ट्रैफिक अधिकारी पर गोली चलाई। इसके बाद आसपास के लोगों पर गोलियां बरसाईं। बाद में वह अपनी कार से आगे बढ़ा और कई अन्य जगहों पर गोलीबारी की। एक जगह वह अपनी कार छोड़कर डाक ले जा रहे ट्रक में सवार हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि



अमेरिका के टेक्सास प्रांत के मिडलैंड शहर में घटनास्थल पर मौजूद पुलिस की गाड़ी, यही गोलीबारी की घटना हुई।

एएफपी

संघीय जांच एजेंसी एफबीआई और पुलिस इसकी छानबीन कर रही है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने इसे कायरातपूर्ण हमला बताया है। भारतीय-अमेरिकी सीनेटर और डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवारी की होड़ में शामिल कमला हैरिस ने भी इस हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा, 'मैं इस घटना से आहत हूं। हमारे बच्चों को ऐसा भविष्य चाहिए जिसमें इस तरह की घटनाएं ना हों।'

अमेरिका और तालिबान समझौते के करीब

काबुल, रायटर : कतर में जहाँ तालिबान और अमेरिका के प्रतिनिधि समझौते के करीब हैं, वहीं उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान लड़ाकों और सरकारी बलों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। शनिवार को कुंदूज शहर में तालिबान के हमले के बाद भीषण संघर्ष हुआ था। संघर्ष में दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर है।

वार्ता में अफगान मूल के अमेरिकी राजनयिक जल्मे खलीलजाद अमेरिका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जबकि तालिबान की ओर से उसके कमांडर शामिल हैं। कतर में नौवें दौर की वार्ता की समाप्ति के बाद खलीलजाद ने कहा कि अब वह काबुल जाकर अफगानिस्तान सरकार ने वार्ता के निष्कर्षों के बारे में बात करेंगे। अफगान सरकार इस वार्ता में शामिल नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि तालिबान के साथ समझौता होने पर अफगानिस्तान में शांति के हालात बनेंगे। अमेरिकी प्रतिनिधि का यह बयान तब आया है जब रविवार को तालिबान ने उत्तरी प्रांत बगलान के पुल-ए-खुमरी पर हमला कर दिया। इससे पहले शनिवार को कुंदूज में सैकड़ों तालिबान लड़ाकों ने भारी हथियारों के साथ हमला किया था। अफगानिस्तान के यह किताब होता और हमारे उन्नत औरखदेह संग्रह क्षमता की जानकारी दी होती तो इसमें कोई संदेह नहीं कि यह स्वागत योग्य समाचार होता।

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को कहा कि भारत और पाक के बीच संघर्ष दो परमाणु सशस्त्र देशों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका खासियाजा पूरे क्षेत्र को भुगतना पड़ सकता है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को खत्म करने के भारत सरकार के ऐतिहासिक फैसले के बाद से पाकिस्तान इस मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण की कोशिशों में जुटा है। हालांकि अभी तक उसे इस मुद्दे पर निराशा ही हाथ लगी है।

रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक वीडियो लिंक से ह्यूस्टन में इस्लामिक सोसायटी आफ नाथ्र अमेरिका को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि उन्होंने यह बात विश्व नेताओं के साथ बातचीत के दौरान उठाई है। वीडियो में खान ने यह भी कहा कि भारत जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकार के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तान पर हमला भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने दोहराया कि अगर भारत ने उनके खिलाफ कोई आक्रामकता दिखाई तो इसका जवाब

दिया जाएगा। इमरान ने कहा कि भारत की वर्तमान सरकार आएएसएस की कट्टर समर्थक होने के साथ ही हिंदू वर्चस्व से उत्पन्न एक विचारधारा है। पाकिस्तान ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद कोई आक्रामकता दिखाई तो इसका जवाब

' अर्थव्यवस्था सुधारे पाक तभी होगा कश्मीर का हल '

इस्लामाबाद, एएनआइ : कंगाल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के कश्मीर को लेकर बौगने से पाकिस्तानी आवाम परेशान है। एक पाकिस्तानी लड़के ने अपने पीएम खान को नसीहत देते हुए कहा कि भारत ने दुनिया को अपनी अर्थव्यवस्था से प्रभावित किया है। पाकिस्तान इस मामले में भारत के मुकाबले कहीं नहीं टिकता है। पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को तभी सुलझा सकता है जब वह भारत के मुकाबले अपनी अर्थव्यवस्था को सुधार ले।

सोशल मीडिया पर इस पाकिस्तानी लड़के का वीडियो वायरल हो गया है। यह वीडियो पाकिस्तानी जनता के बीच भी काफी लोकप्रिय हो गया है। पाकिस्तान सरकार की ओर से बुलाए गए कश्मीर ऑवर के फ्लॉप शो साबित होने के बाद एक पाकिस्तानी लड़के ने पाक सरकार को आड़ना दिखाते हुए कहा कि कश्मीर, बलूचिस्तान और एफएटीए के मुद्दे तभी सुलझाए जा सकेंगे जब पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। साथ ही भारत की तरह अंतरराष्ट्रीय समुदाय में

अंतरराष्ट्रीय 13 विवादास्पद बस्तियों को इजरायल में मिलाएंगे : पीएम नेतन्याहू

प्रदर्शनकारियों पर किया गया नीली डाई वाले पानी का प्रयोग
शनिवार रात पुलिस ने पहली बार हांगकांग मेट्रो स्टेशन पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर नीली डाई वाले पानी का प्रयोग किया।ऐसा प्रदर्शनकारियों को अलग से पहचानने के उद्देश्य से किया गया। वहीं चाइना मार्निंग पोस्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने दो हवाई फायर भी किए।

मांग की। 200 प्रदर्शनकारियों ने ब्रिटिश झंडे हाथों में ले रखे थे, वहीं 'अब समान अधिकार' और 'हांगकांग के साथ खड़े होने' जैसे नारे लगा रहे थे। काला चश्मा पहने एक व्यक्ति सेक्सोफोन पर ब्रिटेन का 'राष्ट्रगान गॉड सेव द क्वीन' बजा रहा था। दरअसल कई लोग चाहते हैं कि लंदन 1997 से पहले हांगकांग में पैदा हुए लोगों को नागरिकता प्रदान करे, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने इससे इन्कार कर दिया है।

पुलिस ने 63 लोगों को गिरफ्तार किया : शनिवार रात हांगकांग के प्रिंस एडवर्ड और मांग कोक मेट्रो स्टेशन में अवैध रूप से घुसने, संपत्ति को नष्ट करने और काम में बाधा डालने के आरोप में कम से कम 63 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 13 से 36 वर्ष के 54 पुरुष और नौ महिलाएं हैं। रविवार को पुलिस ने यह जानकारी दी।

दो परमाणु देशों तक सीमित नहीं रहेगा भारत–पाक का संघर्ष

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान ने फिर दी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी



इमरान खान।

फाइल

दिया जाएगा। इमरान ने कहा कि भारत की वर्तमान सरकार आएएसएस की कट्टर समर्थक होने के साथ ही हिंदू वर्चस्व से उत्पन्न एक विचारधारा है। पाकिस्तान ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस

मोहम्मद बिन सलमान, फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और जार्डन के बादशाह अब्दुल्ला द्वितीय सहित विश्व के विभिन्न नेताओं से इस मुद्दे पर उनके हस्तक्षेप की मांग की है।

पाक ने बातचीत के लिए कश्मीर से प्रतिबंध नहीं हटाना है तब तक भारत के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। डॉन न्यूज के मुताबिक बीबीसी उर्दू को दिए साक्षात्कार में कुरैशी ने कहा कि उनकी सरकार भारत के साथ द्विपक्षी बातचीत के साथ ही किसी तीसरे पक्ष द्वारा मध्यस्थता का स्वागत करेगी। हालांकि कुरैशी ने कहा कि वर्तमान माहौल भारत के साथ बातचीत के लिए अनुकूल नहीं है। युद्ध की बात से इन्कार करते हुए कुरैशी ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान ने कभी भी आक्रामक नीति नहीं अपनाई और हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है।

एमक्यूएम प्रमुख ने गाया, सारे जहां से अच्छे हिंदोस्तां हमारा

लंदन, आइएनएस : पाकिस्तान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक अल्ताफ हुसैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह मशहूर शायर मुहम्मद अल्लामा इकबाल के गीत 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' को गाते नजर आ रहे हैं। लंबे समय से लंदन अर्थव्यवस्था के मुकाबले में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कहीं नहीं टिकती है। इसलिए जब तक भारत को आर्थिक रूप से पाकिस्तान मात नहीं देता, तब तक कश्मीर मुद्दे का हल नहीं हो सकता है। दुनिया का भी अपने हितों को ताक पर रखकर भारत से अपने संबंधों को खराब नहीं करेगी। इसलिए बेहतर है कि ओर से बुलाए गए कश्मीर ऑवर के फ्लॉप शो साबित होने के बाद एक पाकिस्तानी लड़के ने पाक सरकार को आड़ना दिखाते हुए कहा कि कश्मीर, बलूचिस्तान और एफएटीए के मुद्दे तभी सुलझाए जा सकेंगे जब पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। साथ ही भारत की तरह अंतरराष्ट्रीय समुदाय में

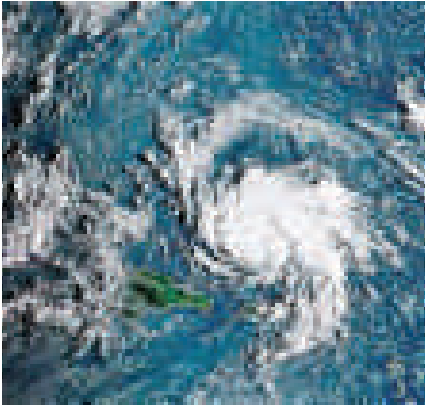
दिया जाएगा। इमरान ने कहा कि भारत की वर्तमान सरकार आएएसएस की कट्टर समर्थक होने के साथ ही हिंदू वर्चस्व से उत्पन्न एक विचारधारा है। पाकिस्तान ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस

पुराना है विचार
1959 में सैंडिया नेशनल लेबोरेटरीज के मौसम विज्ञानी रहे जैक रीड ने यह संभावना व्यक्त की थी कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भयावह तूफानों को रोका जा सकता है। सैद्धांतिक रूप से उन्होंने बताया कि इस तरीके से गर्म हवा को ऊपर भेजकर और तूफान के केंद्र से उसे बाहर करके उसे रोका जा सकता है। इससे ठंडी हवा खाली स्थान को भर लेगी। ऐसा दो तरीकों से किया जा सकता है। परमाणु बम ऊपर से हरीकेन के केंद्र में गिराया जा सकता है या फिर पनडुब्बी के इस्तेमाल से मिसाइल दागकर इस काम को किया जा सकता है।

ट्रंप साहब, हरीकेन पर परमाणु हमला है विनाशकारी विचार



दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड गंभीर विषयों पर अपने अगंभीर विचार के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि हर साल अमेरिका को करोड़ों डॉलर का नुकसान पहुंचाने वाले हरीकेन जैसे समुद्री तूफानों को परमाणु बम मारकर वयों न खत्म कर दिया जाए। विचार तो बहुत उत्तम है, लेकिन यह आपके मकसद को पूरा करने में ट्रंप का कोई नहीं साबित होगा। अमेरिकी संस्था नेशनल ओसियानिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओए) ने ट्रंप के इस विचार को विनाशकारी बताया है। उसका कहना है कि संभवत : हरीकेन से उतनी तबाही नहीं होगी जितनी हरीकेन पर परमाणु हमले के बाद हो सकती है।



हाहाकार मचा सकती है हरीकेन की ऊर्जा

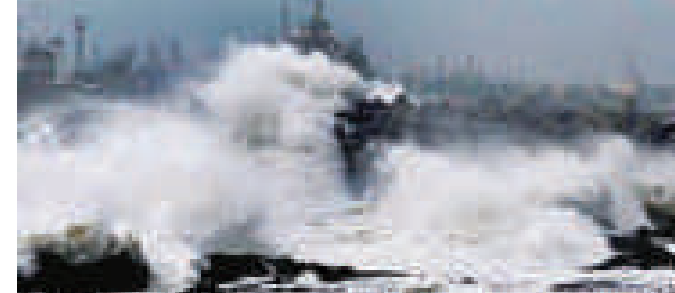
पूरी तरह विकसित किसी हरीकेन से इतनी ऊर्जा अवशुक्त होती है जितनी 10 मेगाटन के परमाणु बमों के हर 20 मिनट पर किए जाने वाले विस्फोट में निकलेगी। 1945 में हिरोशिमा पर गिराए गए ‘लिटिल बॉय’ नामक बम से यह 666 गुना ज्यादा बड़ा होगा। इसलिए हरीकेन की ताकत को खत्म करने के लिए करीब 2000 ‘लिटिल बॉय’ जैसे परमाणु बमों की जरूरत होगी। हालांकि अभी तक जो सबसे ज्यादा क्षमता के बम का परीक्षण हुआ है उसे 1961 में रूस ने किया था। जार बंबा नामक इस हाइड्रोजन बम की क्षमता 50 मेगाटन थी।

तूफान आने की वजह

गर्म क्षेत्रों के समुद्र में सूर्य की भयंकर गर्मी से हवा गर्म होकर अत्यंत कम वायुदाब का क्षेत्र बना देती है। हवा गर्म होकर तेजी से ऊपर आती है और ऊपर की नमी से संतृप्त होकर संघनन से बादलों का निर्माण करती है। रिक्त स्थान को भरने के लिए नम हवाएं तेजी के साथ नीचे जाकर ऊपर आती हैं। फलस्वरूप ये हवाएं बहुत ही तेजी के साथ उस क्षेत्र के चारों तरफ घूमकर घने बादलों और बिजली कड़कने के साथ-साथ मुसलाधार बारिश करती हैं। कभी-कभी इन हवाओं का दायरा हजारों किमी में होता है।

क्या है समुद्री तूफान

कम वायुमंडलीय दाब के चारों ओर गर्म हवाओं की तेज आंधी को समुद्री तूफान कहते हैं। दक्षिणी गोलार्द्ध में इसे चक्रवात के नाम से जानते हैं और ये घड़ी की सुई के चलने की दिशा में चलते हैं। उत्तरी गोलार्द्ध में इसे हरीकेन या टाइफून कहा जाता है। ये घड़ी की सुई के विपरीत दिशा में घूमते हैं।



बुमराह की हैट्रिक ने दिलाई भारत को बड़ी बढ़त

वेस्टइंडीज 117 रन पर ढेर, भारत ने ली

299 रन की बढ़त | जसप्रीत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, भारत ने नहीं खिलाया फॉलोऑन




विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह • एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : हनुमा विहारी के टेस्ट करियर के पहले शतक और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की हैट्रिक की बदौलत भारतीय टीम ने जर्मका के किंग्सटन में सबीना पार्क मैदान पर जारी टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे टेस्ट में तीसरे दिन वेस्टइंडीज को 117 रनों पर समेट दिया। बुमराह ने टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर छह विकेट झटकें। इसके चलते भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर 299 रनों की बड़ी बढ़त लेने में सफल रही। हालांकि, भारतीय कप्तान विराट कोहली ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन नहीं खिलाया। इसके चलते भारत ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए भोजनकाल तक मर्यक अग्रवाल का विकेट गंवाकर 16 रन बना लिए थे। दो मैचों की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पिछड़ रहे हैं।

रविवार को सात विकेट से आगे खेलने उतरी वेस्टइंडीज की टीम को समेटने में भारतीय गेंदबाजों को ज्यादा समय नहीं लगा। रूकूमि कार्नवाल को मुहम्मद शमी ने 14 रनों पर पवेलियन भेजा। इसके बाद इशांत शर्मा ने हैमिल्टन को आउट किया। रवींद्र जडेजा ने केमार रोच को पवेलियन भेजकर वेस्टइंडीज की पारी समाप्त की।

इससे पहले बुमराह ने शनिवार को अपने घातक शुरुआती स्पेल में वेस्टइंडीज के पहले पांच विकेट झटक लिए, जिसमें से तीन विकेट पारी के नौवें ओवर में लगातार गेंदों पर मिले। इस तरह बुमराह टेस्ट मैचों में हैट्रिक हासिल करने



स्कोर बोर्ड

टॉस : वेस्टइंडीज (गेंदबाजी) भारत (पहली पारी) : 416 (140.1 ओवर)

वेस्टइंडीज पहली पारी

117 (47.1 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
क्रेग ब्रेथवेट का. पंत वो. बुमराह	10	38	01	00
जॉन कैपबेल का. पंत वो. बुमराह	02	16	00	00
डेनेन ब्रावो का. राहुल वो. बुमराह	04	08	00	00
शमराह ब्रूस एलबीडब्ल्यू वो. बुमराह	00	01	00	00
रोस्टन चेज एलबीडब्ल्यू वो. बुमराह	00	01	00	00
शिमरोन हेटमायर वो. शमी	34	57	07	00
होल्डर का. सब (रोहित) वो. बुमराह	18	38	02	00
जहमाार का. कोहली वो. इशांत	05	59	00	00
रकहीम कार्नवाल का. खाणे वो. शमी	14	31	02	00
केमार रोच का. मर्यक वो. जडेजा	17	31	03	00
शेनोन गैब्रियल नाबाद	00	03	00	00

में 117 रन पर ऑलआउट, विकेट पतन : 1-9 (कैपबेल, 6.4), 2-13 (ब्रावो, 8.2), 3-13 (ब्रूस, 8.3), 4-13 (चेज, 8.4), 5-22 (ब्रेथवेट 12.5), 6-67 (हेटमायर, 24.6), 7-78 (होल्डर, 28.1), 8-97 (कार्नवाल, 37.1), 9-117 (हैमिल्टन, 46.3)

गेंदबाजी: इशांत शर्मा 10.5-3-24-1 बुमराह 12.1-3-27-6 मुहम्मद शमी 13-3-34-2 रवींद्र जडेजा 11.1-7-19-1

अतिरिक्त : (बा-8, लेबा-5) 13, कुल: 47.1 ओवर

टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले भारतीय गेंदबाज			
गेंदबाज	बनाम	जगह	वर्ष
हरभजन सिंह	ऑस्ट्रेलिया	कोलकाता	2001
इरफान पटान	पाकिस्तान	कराची	2006
जसप्रीत बुमराह	वेस्टइंडीज	किंग्सटन	2019

06 विकेट 27 रन देकर बुमराह के टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर पांच विकेट था, जो उन्होंने पिछले साल दिसंबर में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था

वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। बुमराह ने सातवें ओवर से विकेट लेने का सिलसिला शुरू किया। सबसे पहले उन्होंने जॉन कैपबेल को आउट किया, जिनका कैच विकेटकीपर रिषभ पंत

05 वीं बार जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट की एक पारी में पांच या अधिक विकेट झटके। उन्होंने लगातार दूसरी पारी में पांच विकेट लिए। इससे पहले उन्होंने नॉर्थ साउंड टेस्ट की दूसरी पारी में सात रन देकर पांच विकेट लिए थे

ने लपका। इसके बाद नौवें ओवर में लगातार गेंदों पर बुमराह ने डेनेन ब्रावो, शमराह ब्रूस और रोस्टन चेज के विकेट हासिल कर अपना नाम रिकॉर्ड बुक में लिखवा लिया। ब्रावो का कैच दूसरी

विराट के रिव्यू लेने के बाद जसप्रीत हासिल कर सके यह उपलब्धि, बुमराह ने नहीं की थी ज्यादा अपील, अंपायर ने दिया था नॉटआउट

किंग्सटन, प्रेट्र : बेहतरीन लाइन-लेंथ, तेज रफ्तार और उछाल से इन दिनों वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की जमकर खबर ले रहे जसप्रीत बुमराह ने शनिवार को टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली हैट्रिक ली। बुमराह ने इस हैट्रिक का श्रेय कप्तान विराट कोहली को भी दिया है। बुमराह द्वारा वेस्टइंडीज के बल्लेबाज को आउट करने के बाद स्टंप माइक में सुना जा सकता था कि कोहली कह रहे थे कि कितना बढ़िया गेंदबाज है यह। कितना बढ़िया गेंदबाज है। बुमराह की हैट्रिक का श्रेय कप्तान कोहली को भी जाता है, जिन्होंने रोस्टन चेज का रिव्यू कराया, जिन्हें पहले मैदानी अंपायर पॉल रेफेल ने नॉटआउट करार दिया था। लेकिन, रिव्यू के बाद वह आउट निकले और बुमराह की हैट्रिक का तीसरा शिकार बने।

बीसीसीआइ टीवी पर बातचीत के दौरान कोहली माइक पकड़ें थे और बुमराह ने कहा कि सच कहूं तो मुझे नहीं पता था, मैं इस अपील के बारे में निश्चित नहीं था। मुझे लगा कि यह बल्ला था, इसलिए मैंने ज्यादा अपील

विराट के आभारी रहेंगे बुमराह, जैसे मैं रमेश का हूं : हरभजन सिंह

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि जसप्रीत बुमराह हमेशा विराट कोहली के ऋणी रहेंगे, जिनकी बदौलत उन्हें हैट्रिक मिली, जैसे वह 18 खाल पडले अविश्वहसीय कैच के लिए सद्गोपन रमेश के आभारी हैं।टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए पहली हैट्रिक बनाने वाले हरभजन ने बुमराह के प्रदर्शन की तारीफ की, जो यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे (इरफान पटान दूसरे) गेंदबाज बने।

वर्ष 2001 में हरभजन ने ताकतवर ऑस्ट्रेलिया (रिकी पोंटिंग, एडम गिलक्रिस्ट और शेन वॉर्न) के खिलाफ

हैट्रिक ली थी। शनिवार को बुमराह ने लगातार तीन गेंदों में डेरेन ब्रावो, शमराह ब्रूस और रोस्टन चेज के विकेट लिए। हरभजन ने रविवार को कहा कि इस हैट्रिक का श्रेय बुमराह के साथ विराट को भी जाता है। गेंदबाज को नहीं लगा था कि बल्लेबाज आउट है, लेकिन कप्तान को अंदर से लग रहा था कि वह आउट है। अगर विराट डीआरएस नहीं लेते तो क्या होता ? कप्तान का यह फैसला बेहतरीन था जिसकी वजह से वह शानदार प्रयास कर सका। हरभजन को अब भी लगता है कि रमेश के शानदार प्रयास के बिना वह यह इतिहास नहीं बना सकते थे।

उछाल मिल रहा था। उन्हें मूवमेंट भी मिल रहा था। इसलिए कभी-कभार जब विकेट से इतनी मदद मिलती है तो आप

उन्होंने कहा कि मुझे याद है जब मैंने दादा (सौरव गांगुली) के साथ चर्चा करने के बाद गेंदबाजी की। सच कहूं तो रमेश उस टीम में इतने फुर्तीले नहीं थे। फिर भी फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर उन्होंने शानदार कैच लपका तो मैंने उन्हें कहा था कि दोस्त मेरी हैट्रिक तुम्हारी बदौलत मिली।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 711 विकेट चटकाने वाले हरभजन ने कहा कि इसलिए मेरा मानना है कि कुछ चीजें एक साथ होती हैं तो ऐसा ही कुछ होता है। तब यह रमेश का शानदार कैच था और अब यह विराट का फैसला रहा। हरभजन ने कहा कि राहुल द्रविड़ ने जिस तरह उस

लपचा जाते हो। आप विकेट के लिए आक्रामक हो सकते हो और उस समय आपको चीजें सरल रखनी होती हैं।

हैट्रिक का लुक उठाया तो वह हेरान रह गए थे। उन्होंने कहा कि मैंने राहुल को इतना उत्साहित कभी नहीं देखा था, वह खुशी से उछल रहे थे। शायद, उन्हें भी नहीं लगा था कि रमेश इस तरह का कैच लपक सकते थे। हरभजन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट भाग्यशाली है कि उसके पास बुमराह जैसा मैच विजेता है। हैट्रिक से उनकी महानता बढ़ेगी, बिना इसके भी वह शानदार गेंदबाज हैं। पिछले मैच में सात ओवर में पांच विकेट और इस मैच में नौ ओवर में छह विकेट। आप इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकते। वह नायाब हीरा है।



सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान भारतीय कप्तान कोहली • एपी

यशस्विनी ने स्वर्ण जीता, भारत के लिए नौवां ओलंपिक कोटा

रियो डि जेनेरियो, प्रेट्र : यशस्विनी देसवाल ने दुनिया की नंबर एक निशानेबाज ओलेना कोस्तेविक को पछाड़कर यहां आइएसएसएफ विश्व कप में शनिवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को नौवां ओलंपिक कोटा दिलाया। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन 22 साल की यशस्विनी ने आठ महिलाओं के फाइनल में 236.7 का स्कोर करके पीला तमगा जीता।

दुनिया की नंबर एक यूक्रेन की ओलेना कोस्तेविक ने 234.8 अंक से रजत और सर्बिया की जेसमिना मिलावोवोविक ने 215.7 अंक से कांस्य पदक हासिल किया। अर्थशास्त्र की छात्रा यशस्विनी का दबदबा इतना था कि वह फाइनल में ओलेना से 1.9 अंक आगे

पीकेएल में यूपी ने बंगाल को दी शिकस्त

नई दिल्ली, जेएनएन : प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में रविवार को बेंगलुरु में हुए मुकाबले में यूपी योद्धा ने बंगाल वॉरियर्स को 32-29 से हराया। यूपी की यह 12 मैचों के बाद पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में 32 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। दूसरी तरफ बंगाल वॉरियर्स अभी भी दूसरे स्थान पर हैं। यूपी योद्धा के कप्तान नितेश कुमार ने डिफेंस में सात अंक हासिल किए, तो रेंडिंग में श्रीकांत जाधव ने भी आठ अंक प्राप्त किए। पहले हाफ के बाद बंगाल वॉरियर्स ने 13-12 से मामूली बढ़त बनाई। बंगाल की टीम ने मैच में अच्छी शुरुआत की, लेकिन यूपी के कप्तान नितेश कुमार ने डिफेंस में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को मैच में बनाए रखा। नितेश ने सिर्फ 10वें मिनट में ही दो सुपर टैकल की बदौलत इस सीजन का अपना पहला हार्ड फाइन पूरा किया।

बर्लिन, प्रेट्र : एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता जिनसन जॉनसन ने रविवार को यहां आइएसटीएफ बर्लिन टूर्नामेंट में 1500 मीटर में रजत पदक जीता और साथ ही 1500 मीटर में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा।

जॉनसन यहां ओलंपिक स्टैंडियम में तीन मिनट 35.24 सेकेंड के समय के साथ अमेरिका के जोशुआ थांपसन के स्पर्धा के बाद कहल, "मुझे नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद थी, लेकिन मैंने रजत पदक जीतने की उम्मीद नहीं की थी। मैं अब आगे की ट्रेनिंग के लिए अमेरिका के कोलोराडो जाऊंगा और इसके बाद दोहा में विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लूंगा। मैं बेहद खुश हूँ लेकिन मेरा लक्ष्य टोक्यो 2020 में अच्छा प्रदर्शन करना है।"

जिनसन ने 1500 मीटर में रजत जीतकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। विश्व चैंपियनशिप का क्वालीफाइंग समय तीन मिनट 36.00 सेकेंड था। जिनसन ने स्पर्धा के बाद कहल, "मुझे नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद थी, लेकिन मैंने रजत पदक जीतने की उम्मीद नहीं की थी। मैं अब आगे की ट्रेनिंग के लिए अमेरिका के कोलोराडो जाऊंगा और इसके बाद दोहा में विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लूंगा। मैं बेहद खुश हूँ लेकिन मेरा लक्ष्य टोक्यो 2020 में अच्छा प्रदर्शन करना है।"

रघुल ने हासिल किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली, जेएनएन : चेन्नई के रघुल रंगास्वामी ने जबरदस्त प्रतिस्पर्धा और झूमे के बीच कोयंबटूर में जेके टायर एम्पमएससीआइ इंडिया नेशनल रेंसिंग चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के अंतिम दिन रविवार को 18 अंक लेकर एफएलजीबी-4 वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इसके अलावा पुणे के तनय गायकवाड, मुंबई के आरोह रवींद्र, चेन्नई के साई पृथ्वी एस, इशोबरा के मोरा एदां और सतारा के वड़वान शरनेनाग शानदार प्रदर्शन करते हुए स्टार बनकर उभरे और अपने-अपने वर्ग में जीत हासिल की। जैसा कि उम्मीद नहीं थी सबसे अधिक अगर कोई प्रतिस्पर्धा एलजीबी कटेगरी में हुआ। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें कई राष्ट्रीय चैंपियन अपनी चुनौती पेश कर रहे थे। एम्सपोर्ट के सहायक शाह ने शनिवार को जर्नी ट्रैक पर अपना वर्चस्व कायम किया था।

भारतीय टीम के अनुकूलन कोच बनने की दौड़ में वेब

नई दिल्ली, प्रेट्र : न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट और ऑकलैंड स्थित रग्बी लीग की टीम वॉरियर्स के पूर्व ट्रेनर निक वेब भारतीय टीम के अनुकूलन (स्ट्रथ एवं कंडीशनिंग) कोच के लिए चुने गए टीम उम्मीदवारों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। इस सूची में दूसरा और तीसरा नाम क्रमशः ल्यूक वुडह्राउस और भारत के एस रजनीकांत का है।

यह पता चला है कि रजनीकांत भारतीय टीम के कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को पसंद हैं। इस नियुक्ति से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अगर कोई बहुत बड़ा उन्डाफेर नहीं हुआ तो रजनीकांत को यह जिम्मेदारी मिलना मुश्किल है, क्योंकि बेंगलूर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हुए व्यावहारिक मूल्यांकन में वह तीसरे स्थान पर रहे। इस सूत्र

मैंडिस को विकेटकीपर निरोशन डिकवेला (33) का अच्छा साथ मिला। दोनों ने 63 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को भी साउथी ने मॉडिस को आउट कर तोड़ा। उन्होंने 53 गेंद की पारी में आठ चौके और दो छक्कों की मदद दी। डिकवेला ने 25 गेंद की पारी में दो चौके लगाए। इसके अलावा दासुन शानका (नाबाद 17) और इसरुक उदाना (नाबाद 15) ने आखिरी ओवर में तीन छक्के लगाए। सेत रेंस के इस ओवर में 23 रन बने जिससे श्रीलंका का स्कोर 170 के पार पहुंचा। साउथी को दो और सेंटर को एक विकेट मिला।

अंगुठे में फ्रैक्चर के कारण फर्ग्युसन टी-20 सीरीज से बाहर : श्रीलंका के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेले रही न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। लॉकी को दायां हाथ के अंगुठे में चोट लगी है। स्कैन के बाद अंगुठे में फ्रैक्चर पाया गया जिसे ठीक होने में लगभग छह सप्ताह का समय लग सकता है।

पहला टी-20

- वारिश से प्रभावित पहले टी-20 मुकाबले में पांच विकेट से हराया**
- कुशल मैक्सिड की 79 रनों की बेहतरीन पारी गई वेकार**

गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। इसके बाद 144 रनों के कुल स्कोर पर गुट्टिल को भी डिसिल्व्वा ने पवेलियन भेज दिया। डरयेल मिशेल और मिशेल सेंटनर ने आखिरी ओवर में टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले, कप्तान लसित मलिंगा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ओपनर बल्लेबाजों मैंडिस और कुशल परेरा (11) ने शुरुआती चार ओवर में टीम का स्कोर 37 रन तक पहुंचाया। इस साझेदारी को टिम साउथी (2/20) ने परेरा को आउट कर तोड़ा। मैंडिस पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने तेजी से रन बनाना जारी रखा। उन्होंने 12वें ओवर में ग्रेंडहोम की मलिंगा ने ग्रेंडहोम को पवेलियन भेजकर इस साझेदारी को तोड़ दिया। उन्होंने 28

कैरेबियाई डायरी



हनुमा विहारी • एएफपी

बल्लेबाजी से निराश वेस्टइंडीज के कोच रीफर
किंग्सटन, प्रेट्र : वेस्टइंडीज के कोच पलायड रीफर ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन टीम के 87 रन तक सात विकेट गंवाने पर बल्लेबाजी के प्रति निराशा व्यक्त की। रीफर ने कहा कि हमारी बल्लेबाजी फिर से निराशाजनक रही क्योंकि हमने पारी के शुरू में काफी गेंदों को छोड़ा नहीं। जब गेंद मूव कर रही होती है तो आपको गेंद को जितना संभव हो, उतना ढेर में शॉट लगाना होता है। हमें अपनी बल्लेबाजी पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमने जब शुरुआत की तो हमारा लक्ष्य भारत को जल्दी आउट करना था। हमारे गेंदबाजों ने काफी अच्छी लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की थी।

महिला हॉकी शिविर के लिए 33 संभावित खिलाड़ी

नयी दिल्ली, प्रेट्र : हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु के साई केंद्र में लगने वाले भारतीय महिला टीम के कोलिंग शिविर के लिए रविवार को 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। सोमवार से शुरू होने वाले शिविर के लिए खिलाड़ियों को कोच शोर्ड मारिन को रिपोर्ट करने को कहा गया है। शिविर 22 सितंबर तक चलेगा।

इस शिविर के बाद विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारतीय महिला टीम पांच मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। मारिन ने कहा, 'टोक्यो में हुए ओलंपिक टेस्ट इवेंट में हमारा अनुभव अच्छा रहा था। अब हमारा ध्यान ओलंपिक क्वालीफायर्स पर है। हम इस शिविर का इस्तेमाल लय को बरकरार रखने के लिए करेंगे। हमारी कोशिश होगी की क्वालीफायर्स में जाने से पहले अपने खेल के स्तर को बनाए रखें। हमें इंग्लैंड के दौर पर भी जाना है। इससे हमें मदद मिलेगी क्योंकि मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से लय बनी रहती है और सुधार करने का मौका भी मिलता है।' उन्होंने कहा, 'हमारी टीम के कई खिलाड़ियों के लिए यह पहली बार होगा जब वे घरेलू मैदान पर खेलेंगी।

(अधिकारी) ने बताया कि इस नियुक्ति की औपचारिकताओं को बीसीसीआइ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पूरा करना है, ऐसे में हम अभी यह नहीं कह सकते हैं कि वेब को ही यह जिम्मेदारी मिलेगी। वह हालांकि इस मामले में अंतिम पसंद हैं। वह हवा नियुक्ति की शर्तों को अंतिम रूप दिया जाएगा तब उनके टीम के साथ होने की सबसे ज्यादा संभावना है। वेब ने न्यूजीलैंड की प्रथम श्रेणी की टीम सेंट्रल डिरिट्रक्स के साथ भी काम किया है।

मैंडिस को विकेटकीपर निरोशन डिकवेला (33) का अच्छा साथ मिला। दोनों ने 63 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को भी साउथी ने मॉडिस को आउट कर तोड़ा। उन्होंने 53 गेंद की पारी में आठ चौके और दो छक्कों की मदद दी। डिकवेला ने 25 गेंद की पारी में दो चौके लगाए। इसके अलावा दासुन शानका (नाबाद 17) और इसरुक उदाना (नाबाद 15) ने आखिरी ओवर में तीन छक्के लगाए। सेत रेंस के इस ओवर में 23 रन बने जिससे श्रीलंका का स्कोर 170 के पार पहुंचा। साउथी को दो और सेंटर को एक विकेट मिला।

अंगुठे में फ्रैक्चर के कारण फर्ग्युसन टी-20 सीरीज से बाहर : श्रीलंका के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेले रही न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। लॉकी को दायां हाथ के अंगुठे में चोट लगी है। स्कैन के बाद अंगुठे में फ्रैक्चर पाया गया जिसे ठीक होने में लगभग छह सप्ताह का समय लग सकता है।

टैनिस विश्व नंबर एक नाओमी ने यूएस ओपन के चौथे में बनाई जगह, 15 साल की कोको को रोता हुआ देख ओसाका भी हुई भावुक

ओसाका से हारकर फूट-फूटकर रोई गॉफ

न्यूयॉर्क, एएफपी : गत चैंपियन नाओमी ओसाका ने यूएस ओपन में महिला सिंगल्स के तीसरे दौर के मैच में 15 वर्षीय कोको गॉफ का शानदार सफर समाप्त कर चौथे दौर में प्रवेश किया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ओसाका ने 65 मिनट तक चले मुकाबले में कोको को 6-3, 6-0 से मात दी। हारने के बाद कोको कोर्ट पर ही फूट-फूटकर रोने लगीं, जिसके बाद जापानी स्टार ओसाका भी भावुक हो गई और उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी गॉफ को गले लगाकर सलामना दी।

ओसाका ने कहा कि मैंने जब कोको को देखा तो उनके आंसू आ रहे थे। वह इतनी छोटी थीं। ओसाका ने कहा कि वह चाहती थीं कि गॉफ को महसूस कराएं कि उन्हें सिर ऊंचाकर कोर्ट से जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने इतनी छोटी उम्र में यहाँ तक जगह बनाई है। ओसाका ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद यह मेरा सबसे बेहतरीन मैच था। मेरा

मेदवेदेव पर लगा जुर्माना

न्यूयॉर्क : रूस के पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव पर खेल भावना के खिलाफ टिप्पणी करने और अभद्र व्यवहार के लिए 9000 डॉलर (छह लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया। मेदवेदेव ने स्पेन के फेलिसियानो लोपेज को हराकर साल के अंतिम ग्रैंडस्लेम के चौथे दौर में प्रवेश किया। लोपेज के खिलाफ उन्होंने बॉलंबॉय से गुरुस्से में तौलिया छीना और फिर अपना रैकेट फेंकते हुए बीच की अंगुली दिखाई, जिसे सहिता का उल्लंघन माना गया।

ध्यान पूरी तरह मैच पर था। वहीं, गॉफ ने कहा कि ओसाका ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैं इस मैच से बहुत कुछ सीखने वाली हूँ। वह नंबर एक खिलाड़ी हैं। मुझे पता था कि उनसे जीतने के लिए अपना स्तर ऊंचा करना होगा। गॉफ 1996 में



न्यूयॉर्क में रोती हुई गॉफ को सालंना देते हुए ओसाका • एएफपी

अन्ना कोर्निकोवा के बाद यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

अब ओसाका का सामना स्विटजरलैंड की 13वीं वरीय बेलिंडा बेनसिक से होगा, जिन्होंने एंटे

कोंटावेट के बीमार होने के कारण वाँकओवर मिला। गॉफ इस साल विंबलडन के चौथे दौर तक पहुंची थी। यह उनका किसी भी ग्रैंडस्लेम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। गॉफ को 23 बार की ग्रैंडस्लेम सेरेना विलियम्स ने 'भाविय

